

वार्षिक प्रतिवेदन

2004-2005



राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

(मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में संस्थापित)

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

(मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के तत्त्वावधान में संस्थापित)

वार्षिक प्रतिवेदन

2004-2005



राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,

नई दिल्ली - 110058

प्रकाशकः

कुल-सचिव,

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,

नई दिल्ली-110058

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान

2004-2005



मुद्रकः

अमर प्रिंटिंग प्रैस

8/25, विजय नगर, दिल्ली-110009

विषय-सूची

पृष्ठ सं.

5-6

1.	प्रस्तावना	
	1.1 भूमिका और कार्य	
	1.2 कार्यक्रम और क्रियाकलाप	
	1.3 अध्यापन	
	1.4 अध्यापक प्रशिक्षण	
	1.5 शोध	
	1.6 प्रकाशन	
	1.7 दूरदर्शन पर प्रसारण	
2.	वर्ष 2004-2005 में उपलब्धियाँ	7
3.	संगठन और संस्थापन	8
4.	शैक्षणिक अनुभाग	12
5.	शोध एवं प्रकाशन अनुभाग	13
6.	पत्राचार पाठ्यक्रम तथा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण	16
7.	परीक्षा अनुभाग	24
8.	प्रशासन अनुभाग	27
9.	वित्त अनुभाग	28
10.	योजना अनुभाग	30
10.1	पुस्तकालय अनुभाग	32
11.	परिसर	
	11.1 उत्तर प्रदेश	33
	गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद	
	11.2 उड़ीसा	37
	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	
	11.3 जम्मू और कश्मीर	42
	श्री रणवीर परिसर, जम्मू	
	11.4 केरल	46
	गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर	
	11.5 राजस्थान	51
	जयपुर परिसर	
	11.6 उत्तर प्रदेश	55
	लखनऊ परिसर	

	पृष्ठ सं.
11.7 कर्नाटक राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी	60
11.8 हिमाचल प्रदेश गरली परिसर	66
11.9 मध्य प्रदेश भोपाल परिसर	68
11.10 महाराष्ट्र के.जे. सौमैया परिसर, मुम्बई	71
12. वर्ष की प्रमुख घटनाएँ	73-86
12.1 संस्कृत सप्ताहोत्सव।	
12.2 वसन्तोत्सव।	
12.3 काञ्चीपुरम में अखिल भारतीय वाक् स्पर्धा।	
12.4 अनौपचारिक शिक्षक प्रशिक्षण।	
12.5 उडुपी में आयोजित अखिल भारतीय संस्कृत सम्मेलन।	
12.6 दर्शन विभाग, आन्ध्र विश्वविद्यालय द्वारा विशाखापत्तनम में आयोजित पन्द्रहवाँ अन्तर्राष्ट्रीय वेदान्त सम्मेलन।	
12.7 फ्रेंच संस्थान पाण्डिचेरी द्वारा 'भारतीय समाज में टीका का स्वरूप व उपयोग' विषय पर पाण्डिचेरी में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन।	
12.8 विदेशी छात्रों हेतु संस्कृत शिक्षण कार्यक्रम।	
12.9 फ्रेंच विशेषज्ञों के प्रतिनिधि-मण्डलों का आगमन।	
12.10 प्रो. रोबर्ट पी. गोल्डमैन, यू.एस.ए. का व्याख्यान।	
12.11 प्रो. जॉर्ज कार्डोना का व्याख्यान।	
12.12 प्रो. रमानाथ शर्मा, फुल्ब्राइट विद्वान्, हवाई विश्वविद्यालय, होनोलुलु, यू.एस.ए. का व्याख्यान।	

संलग्नक

- क. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की प्रबन्धन परिषद् के सदस्यों की सूची।
- ख. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की वित्त समिति के सदस्यों की सूची।
- ग. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान से सम्बद्ध संस्थाएँ।
- घ. संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता देने वाली राज्य सरकारों के नामों की सूची।
- ङ. संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालयों के नामों की सूची।
- च. संस्थान के मुख्यालय में अनुभाग-वार कार्यरत स्टाफ संख्या।

87-114 /

1. प्रस्तावना

1.1 भूमिका और कार्य

सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1860 (1860 का अधिनियम XXI) के अन्तर्गत पंजीकृत और अब मानित विश्वविद्यालय के रूप में कार्यरत राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान की स्थापना अखिल भारत में संस्कृत के विकास व संवर्धन हेतु अक्टूबर, 1970 में स्वायत्त संस्था के रूप में की गई। यह प्रारम्भ से ही भारत सरकार द्वारा पूर्णतया निधिबद्ध है। यह संस्कृत के प्रसार तथा विकास हेतु शीर्ष निकाय के रूप में कार्यरत है और संस्कृत अध्ययन के विकास हेतु विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं के निर्माण तथा कार्यान्वयन में मानव संसाधन विकास मन्त्रालय को सहयोग देता है। इसने सभी दृष्टिकोणों से संस्कृत भाषा और शिक्षण के प्रसार व विकास हेतु भारत सरकार के शिक्षा मन्त्रालय द्वारा 1956 में स्थापित संस्कृत आयोग द्वारा की गई विभिन्न संस्तुतियों के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु केन्द्रीय निकाय के कर्तव्यों को ग्रहण कर लिया है।

संस्थान के पारम्परिक संस्कृत शिक्षण के संवर्धन और सम्प्रसारण के क्षेत्र में उत्कृष्ट महत्वपूर्ण कार्यों, अप्रकाशित संस्कृत मूल-पाठों के श्रेष्ठ प्रकाशनों, 50,000 से भी अधिक दुर्लभ संस्कृत पाण्डुलिपियों के संरक्षण तथा प्रबन्धन को महत्व देते हुए भारत सरकार ने इसे 7 मई, 2002 से प्रभावी मानित विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया है जो अधिसूचना सं.एफ. 9-28/2000 यू 3 द्वारा अनुगत है जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अधिसूचना संख्या एफ 6-31/2001 (सी.सी.पी.-1), दिनांक 13 जून 2002 से अनुगत किया गया है।

संस्था के बहिर्नियम में निर्दिष्टानुसार राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के मुख्य उद्देश्य संस्कृत अध्ययन, शोध, प्रसार, विकास व प्रोत्साहन हैं और संस्थापित अथवा अधिगृहीत समस्त परिसरों के प्रबन्धन हेतु केन्द्रीय प्रशासनिक और समन्वयक तन्त्र के रूप में कार्य करना है।

इस अवधि में प्रो. वेम्पटि कुटुम्ब शास्त्री, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के कुलपति के पद पर आसीन हैं।

1.2 कार्यक्रम और क्रियाकलाप

संस्थान ने अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु निम्नलिखित कार्यक्रम और क्रियाकलाप प्रारम्भ किये हैं :-

- विभिन्न राज्यों में परिसरों की स्थापना।
- माध्यमिक, पूर्वस्नातक, स्नातक, स्नातकोत्तर स्तरों पर परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षण तथा डॉक्टर की उपाधि के स्तर पर शोध का संचालन करना।
- स्नातक अर्थात् शिक्षा शास्त्री (बी.एड.) स्तर पर शिक्षक प्रशिक्षण का संचालन करना।
- संस्कृत के विभिन्न क्षेत्रों में शोध कार्य का संचालन व समन्वयन।
- उभयनिष्ठ अभिरुचि वाली संयुक्त परियोजनाओं के प्रयोजन में अन्य संगठनों से सहयोग।

- संस्कृत पुस्तकालयों, पाण्डुलिपि संग्रहालयों की स्थापना और दुर्लभ पाण्डुलिपियों तथा महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों का सम्पादन तथा प्रकाशन।

1.3 अध्यापन

संस्थान द्वारा निर्मित पाठ्यक्रम के आधार पर प्रथमा से लेकर आचार्य स्तरों तक संस्थान के दस अंगीभूत परिसरों में शिक्षण का प्रबन्ध किया जाता है।

संस्थान विद्यालय स्तर पर अंग्रेजी, हिन्दी तथा इतिहास, समाज-विज्ञान, राजनीति-विज्ञान, गृह-विज्ञान, गणित आदि आधुनिक विषयों के सम्बन्ध में सी.बी.एस.ई के पाठ्यक्रमों का अनुसरण करता है। शास्त्री स्तर पर हिन्दी और अंग्रेजी जैसे आधुनिक विषयों के सम्बन्ध में सामान्यतया दिल्ली विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों का अनुसरण किया जाता है।

संस्थान द्वारा संचालित और संस्थान से सम्बद्ध संस्कृत संस्थाएँ भी उसी पाठ्यक्रम के साथ शिक्षण प्रदान करती हैं। सभी परिसरों में संस्कृत शिक्षा की आधुनिक प्रणाली के छात्रों को परम्परागत प्रणाली में सम्मिलित होने की सुविधा देने हेतु प्राक्शास्त्री नामक+2 स्तर का द्विवर्षीय मध्यवर्ती पाठ्यक्रम है। सम्प्रति राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान दस परिसरों का संचालन कर रहा है।

1.4 अध्यापक-प्रशिक्षण

परिसरों में शिक्षण अभ्यास पर बल देते हुए एक शिक्षा-वर्ष के शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का संचालन किया जाता है जिसमें संस्कृत में बी.एड. के समकक्ष शिक्षा-शास्त्री की उपाधि प्रदान की जाती है।

1.5 शोध

गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद का एकमात्र उद्देश्य चयनित शाखाओं में शोध सम्पादन है। सभी परिसरों में शोध हेतु छात्रों को स्वयं को पंजीयन कराने की सुविधाएँ विद्यमान हैं और इसके सफल समापन पर उन्हें पी-एच.डी. के समकक्ष विद्यावारिधि की उपाधि प्रदान की जाती है।

1.6 प्रकाशन

शोध पत्रिकाएँ

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान 'संस्कृत विमर्शः' और 'गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद शोध पत्रिका' नामक दो शोध पत्रिकाएँ प्रकाशित करता है। जबकि पहली पत्रिका संस्थान के मुख्यालय द्वारा प्रकाशित होती है, दूसरी गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद द्वारा प्रकाशित की जाती है। इसके अतिरिक्त 'उशती' नामक साहित्यिक पत्रिका का प्रकाशन भी गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद द्वारा किया जाता है।

1.7 दूरदर्शन प्रसारण

प्रसार भारती के माध्यम से संस्कृत अध्ययन कार्यक्रम आरम्भ किया गया था और यह कार्यक्रम ज्ञान दर्शन चैनल पर प्रतिदिन दिखाया जा रहा है। यह कार्यक्रम बहुसंख्यक लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है और संस्थान को सम्मान मिल रहा है। वर्ष 2004-2005 में इस कार्यक्रम हेतु 31.99 लाख रुपए की राशि का उपयोग किया गया।

2. वर्ष 2004-2005 में उपलब्धियाँ

- 2 प्रकाशन प्रकाशित किए।
- 11,295 छात्र संस्थान की परीक्षाओं में बैठे।
- 3176 छात्रों को संस्थान परिसरों में प्रवेश मिला।
- उच्चमाध्यमिकोत्तर योजना के अन्तर्गत 2932 छात्रों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गईं।
- 45 छात्रों को पी-एच.डी. की उपाधि प्रदान की गई।
- संस्कृत ग्रन्थ क्रय योजना के अधीन 164 ग्रन्थों का थोक में क्रय हुआ।
- संस्कृत साहित्य प्रकाशन योजना के अन्तर्गत प्रकाशकों/विद्वानों ने 21 प्रकाशन प्रकाशित किए।
- स्वयंसेवी संस्कृत संस्थाओं को अनुदान योजना के अन्तर्गत 722 संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।
- स्वयंसेवी संस्कृत संस्थाओं को अनुदान योजना के अन्तर्गत 1250 शिक्षकों को समेकित वेतन प्रदान किया गया।
- स्वयंसेवी संस्कृत संस्थाओं को अनुदान योजना के अधीन 6190 छात्रों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गईं।
- अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण कार्यक्रम में 68,000 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।
- अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता में शास्त्र शलाका परीक्षा को एक विषय के रूप में आयोजित किया गया।

3. संगठन और संस्थापन

भारत सरकार द्वारा नियुक्त कुलाध्यक्ष (President) संस्थान का प्रधान होता है। माननीय श्री अर्जुन सिंह जी, मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार संस्थान के कुलाध्यक्ष (President) हैं। कुलपति प्रधान तथा कार्यपालक अधिकारी हैं। वह संस्थान के मामलों पर सामान्य पर्यवेक्षण तथा नियन्त्रण रखता है, नीतियों और योजनाओं का निष्पादन करता है तथा इसके सभी प्राधिकारियों के निर्णयों को लागू करता है। प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री कुलपति के पद पर हैं। कुलाध्यक्ष के अतिरिक्त संस्थान के निम्नलिखित स्वीकृत प्राधिकारी हैं।

1. प्रबन्धन परिषद्—यह संस्थान में प्रबन्धन का प्रमुख अंग है। सुविचारित निर्णय लेने तथा उन्हें कार्यान्वित करने तथा संकटपूर्ण स्थितियों को प्रभावशाली ढंग से निपटने के लिए अधिकार-सम्पन्न है।
2. विद्वत् परिषद्—शिक्षा, शिक्षण, प्रशिक्षण, परीक्षा और शोध कार्यक्रमों के मानदण्डों के अनुरक्षण हेतु प्रधान शैक्षिक निकाय है।
3. योजना एवं प्रबोधन परिषद्—विकास कार्यक्रमों के मानीटर हेतु उत्तरदायी प्रमुख योजना निकाय है।
4. वित्त समिति—प्रबन्धन परिषद् के समक्ष वार्षिक लेखा व वित्तीय प्राक्कलन रखने, कुल व्यय की सीमाएँ निर्धारित करने और हर प्रकार के पदों के सृजन की संस्तुति करने के लिए उत्तरदायी प्रमुख वित्त निकाय है।
5. परामर्शदात्री समिति—इसे शैक्षिक आयोजना व वृद्धि में सहायता का काम सौंपा गया है। यह यू.जी.सी. के नामिती की अध्यक्षता के अधीन कार्य करती है।

प्रबन्धन परिषद् तथा वित्त समिति का संगठन क्रमशः संलग्नक 'क' और 'ख' में दिया गया है।

है :- अपने समृद्ध पुस्तकालय के अतिरिक्त राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान निम्नलिखित सात अनुभागों के द्वारा कार्य करता

1. शैक्षणिक अनुभाग
2. शोध एवं प्रकाशन अनुभाग
3. पत्राचार पाठ्यक्रम तथा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण अनुभाग
4. परीक्षा अनुभाग
5. प्रशासन अनुभाग
6. वित्त अनुभाग
7. योजना अनुभाग

इनमें से प्रत्येक अनुभाग के प्रधान उप/सहायक निदेशक/उप नियन्त्रक हैं।

3.1 शैक्षणिक अनुभाग

यह एकक शैक्षिक कार्य-निष्पादन हेतु मानकों के निर्धारण के लिए शैक्षिक कार्यक्रमों हेतु कैलेंडर निर्माण और विविध पाठ्यक्रमों हेतु पाठ्यचर्या की रूपरेखा तैयार करने के लिए प्रमुखतया उत्तरदायी है।

3.2 शोध एवं प्रकाशन अनुभाग

यह एकक अंगीभूत परिसरों की शोध और प्रकाशन गतिविधियों तथा संस्थान के शोध एवं प्रकाशन कार्यक्रमों और परियोजनाओं के समन्वय से सम्बद्ध है। यह संस्कृत साहित्य के निर्माण और पुस्तकों के थोक क्रय को वित्तीय सहायता प्रदान करने जैसी योजनाओं से भी सम्बद्ध है।

3.3 पत्राचार पाठ्यक्रम तथा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण अनुभाग

यह एकक पत्राचार पाठ्यक्रमों की व्यवस्था हेतु उत्तरदायी है। ये पाठ्यक्रम दो स्तरों पर प्रस्तुत किए जाते हैं और यह अनुभाग अखिल भारत में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का भी प्रबन्ध करता है तथा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण हेतु पाठ्यसामग्री का निर्माण करता है।

प्रस्तुत किए गए पत्राचार पाठ्यक्रम हैं :-

- क. संस्कृत का प्रारम्भिक पाठ्यक्रम
प्रथम वर्ष (हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम)
- ख. संस्कृत का प्रारम्भिक पाठ्यक्रम
द्वितीय वर्ष (हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम)

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण पञ्चस्तरीय पाठ्य-सामग्री प्रस्तुत करता है जो स्वाध्याय से आरम्भ होती है। संस्कृत अध्ययन से प्रेम करने वाला समाज का कोई भी वर्ग इस कार्यक्रम से लाभान्वित हो सकता है।

3.4 परीक्षा अनुभाग

परीक्षा अनुभाग निम्नलिखित पाठ्यक्रमों के लिए वार्षिक और पूरक परीक्षाओं का आयोजन करता है।

प्रथमा	(कक्षा VIII)
पूर्वमध्यमा	(कक्षा X)
उत्तरमध्यमा	(कक्षा XII)
प्राक्शास्त्री	(कक्षा XII)
शास्त्री	(बी.ए.)
शिक्षाशास्त्री	(बी.एड.)
आचार्य	(एम.ए.)

संस्थान द्वारा शिक्षा-शास्त्री पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु परीक्षा अनुभाग के माध्यम से पूर्व शिक्षा शास्त्री प्रवेश-परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। इसे पूर्व-शिक्षा शास्त्री परीक्षा (पी.एस.एस.टी.) के रूप में जाना जाता है।

यह परिसरों और सम्बद्ध संस्थाओं के छात्रों को शोध उपाधि विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) प्रदान करने हेतु शोध-प्रबन्ध का मूल्यांकन और मौखिक परीक्षा की व्यवस्था भी करता है।

3.5 प्रशासन अनुभाग

प्रशासन अनुभाग संस्थान और उसके अंगीभूत परिसरों के सामान्य प्रशासनिक कार्यों की देखभाल करता है। यह नियुक्तियों, पदस्थापनों, स्थानान्तरणों तथा अन्य स्थापना सम्बन्धी कार्यों की योजना भी बनाता है। परिसरों पर नियन्त्रण रखना भी इस अनुभाग का प्रमुख दायित्व है।

3.6 वित्त अनुभाग

इस अनुभाग के कार्य आय-व्यय का विवरण तैयार करना, अनुदान की प्राप्ति तथा उसका विवरण, वित्तीय व्यवस्था और वार्षिक लेखा-जोखा आदि तैयार करना है। यह भविष्य निधियों का भी प्रबन्धन करता है और छात्रवृत्ति योजना के अन्तर्गत प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्तियों के संवितरण की व्यवस्था करता है।

3.7 योजना अनुभाग

यह अनुभाग स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान करना, शास्त्र चूड़ामणि विद्वानों की नियुक्तियाँ करना, विभिन्न संस्कृत पाठशालाओं/विद्यालयों/स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों/विश्वविद्यालयों में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के आयोजन हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करना जैसी विभिन्न योजनाओं के उचित कार्यान्वयन हेतु उत्तरदायी है। यह अनुभाग संस्कृत के पारम्परिक छात्रों के लिए अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा के आयोजन हेतु भी उत्तरदायी है।

3.8 परिसर

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के अंगीभूत परिसर निम्नलिखित हैं :-

क्रम सं.	परिसरों के नाम	स्थान
1.	राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान श्री गंगानाथ झा परिसर	इलाहाबाद, उत्तरप्रदेश
2.	राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान श्री सदाशिव परिसर	पुरी, उड़ीसा
3.	राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान श्री रणवीर परिसर	जम्मू, जम्मू और कश्मीर
4.	राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान गुरुवायूर परिसर	त्रिचूर, केरल
5.	राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान जयपुर परिसर	जयपुर, राजस्थान
6.	राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान लखनऊ परिसर	लखनऊ, उत्तरप्रदेश
7.	राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान श्री राजीव गांधी परिसर	शृंगेरी, कर्नाटक
8.	राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान गरली परिसर	गरली, हिमाचलप्रदेश
9.	राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान भोपाल परिसर	भोपाल, मध्यप्रदेश
10.	राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के.जे. सौमैया परिसर	मुम्बई, महाराष्ट्र

ये परिसर निम्नलिखित पाठ्यक्रमों के लिए अध्यापन कार्य करते हैं :-

क्रम सं.	पाठ्यक्रम	के समकक्ष
1.	उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री	सीनियर सेकेण्डरी
2.	शास्त्री	बी.ए.
3.	आचार्य	एम.ए.
4.	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
5.	विद्यावारिधि	पी-एच.डी.

बी.एड. कार्यक्रम का संचालन पुरी, जम्मू, जयपुर, लखनऊ, श्रृंगेरी, भोपाल और गुरुवायूर परिसरों में किया जाता है।

4. शैक्षणिक अनुभाग

इस अनुभाग के प्रधान उप निदेशक स्तर के अधिकारी हैं।

इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण उत्तरदायित्व हैं—

संस्थान के शैक्षिक क्रियाकलापों को सुव्यवस्थित करना और विभिन्न कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रमों का निर्माण करना।

प्रथमा से आचार्य तक के विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रम बनाने के लिए अलग-अलग विषयों की समितियों का गठन करना।

विद्वत् परिषद् की बैठक व अध्ययन परिषद् की बैठक के आयोजन का समन्वय करना और अनुवर्ती कार्रवाई करना।

यह अनुभाग शैक्षणिक कार्य-निष्पादन और शैक्षणिक कार्यक्रम के कैलेंडर निर्माण हेतु मानकों के निर्धारण के लिए भी उत्तरदायी है।

5. शोध एवं प्रकाशन अनुभाग

इस अनुभाग के प्रधान सहायक निदेशक स्तर के अधिकारी हैं।

इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण दायित्व हैं :

मुख्यालय और परिसरों के शोध और प्रकाशन कार्यों में सामंजस्य स्थापित करना और मन्त्रालय द्वारा स्थानान्तरित की गई निम्नलिखित योजनाओं को कार्यान्वित करना :

1. संस्कृत समाचार-पत्रों और पत्रिकाओं के साथ-साथ संस्कृत वाङ्मय की रचना।
2. संस्कृत-ग्रन्थों का क्रय और अप्राप्य तथा दुर्लभ ग्रन्थों का पुनर्मुद्रण।
3. पाण्डुलिपियों का क्रय और प्रकाशन।

यह अनुभाग अनुदान समिति की बैठकों का समन्वयन भी करता है।

वर्ष 2004-2005 में संस्थान की अनुदान समिति की एक बैठक बुलाई गई जिसमें विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत कई महत्त्वपूर्ण प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया। इन योजनाओं के अधीन रु. 41.28 लाख जारी किए गए।

इस वर्ष में संस्कृत वाङ्मय रचना योजना के अन्तर्गत भारत के विभिन्न भागों के विद्वानों द्वारा निम्नलिखित ग्रन्थों का प्रकाशन किया गया।

क्रम सं.	ग्रन्थकार का नाम	ग्रन्थ का शीर्षक	प्रकाशक	जारी किया गया अनुदान (रुपयों में)
1.	डॉ. प्रकाश चन्द्र मिश्रा, उड़ीसा	दायभागे उत्तराधिकारिकम्	लेखक	37,791/-
2.	डॉ. राम किशोर मिश्रा, खेकड़ा, उत्तर प्रदेश	साहित्य सुरभि	मेसर्स. ज्ञान प्रकाशन, मेरठ	20,886/-
3.	डॉ. सूर्यमणि रथ शृंगेरी, कर्नाटक	श्री गीत गोविन्दम्	लेखक	33,655/-
4.	डॉ. हरे राम त्रिपाठी नई दिल्ली	नवीनमतादिविचारः	मेसर्स. राज विनय प्रकाशन कुशीनगर, उत्तर प्रदेश	51,150/-
5.	डॉ. विश्वमूर्ति शास्त्री जम्मू	संस्कृत साहित्य शास्त्रे गुण विवेचनम्	लेखक	28,532/-
6.	डॉ. रामाशिष पाण्डेय रांची (झारखंड)	स्तोत्र मंदाकिनी	मेसर्स. प्रबोध संस्कृत प्रकाशन, रांची	24,089/-

7.	डॉ. रामहित त्रिपाठी बस्ती, उत्तर प्रदेश	वराह श्रोतसूत्र का परिशीलन	मंगलम् प्रकाशन, इलाहाबाद	29,736/-
8.	डॉ. जीतराम भट्ट, दिल्ली	श्रीमन्नारायणीयम्	लेखक	1,31,150/-
9.	स्वामी रामभद्राचार्य चित्रकूट	श्रीमार्गावराघवीयम्	लेखक	83,025/-
10.	डॉ. (श्रीमती) सुधा पाण्डेय वाराणसी	कठोपनिषद् तथा श्रीमद्भगवद्गीता का तुलनात्मक अध्ययन	मेसर्स. अमृत प्रकाशन, वाराणसी	19,940/-
11.	डॉ. केशव प्रसाद गुप्ता कौशाम्बी	कनीनिका	मेसर्स. शक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद	20,649/-
12.	डॉ. कृष्ण लाल दिल्ली	संस्कृत साहित्य परिशीलन	लेखक	35,518/-
13.	डॉ. नवलता लखनऊ	संस्कृत साहित्ये जल विज्ञानम्	मेसर्स. नाग पब्लिशर्स दिल्ली	25,122/-
14.	डॉ. उदय नाथ झा पुरी	नागेश भट्ट कृत लघुमंजूषा	मेसर्स. नाग पब्लिशर्स दिल्ली	39,714/-
15.	प्रो. पी.एन. कावठेकर इन्दौर	चमत्कार चंद्रिका (भूलोक विलोकनम्-II)	मेसर्स. नाग पब्लिशर्स दिल्ली	23,676/-
16.	डॉ. शंकर लाल शास्त्री जयपुर	राजस्थान के संस्कृत कृतिकार	मेसर्स. राष्ट्रीय संस्कृत साहित्य केन्द्र, जयपुर	94,221/-
17.	डॉ. शंकर देव अवतारे दिल्ली	सीतारामीयम्	मेसर्स. साहित्य सहकारा दिल्ली	34,327/-
18.	डॉ. जी. हरिहर नाथ हैदराबाद	प्रभावतिप्रद्युम्न महाकवि पिंगली सुरन प्रणीत तेलुगु महाकाव्यम् संस्कृत अनुवाद	लेखक	17,828/-
19.	डॉ. दशरथ द्विवेदी गोरखपुर	जानकी जीवनम् महाकाव्यम्	मेसर्स. राधा पब्लिकेशन दिल्ली	
20.	डॉ. उर्मिला रस्तोगी दिल्ली	मनुस्मृति-8,11,12	लेखक	1,64,235/-
21.	डॉ. ईश्वर चन्द शर्मा भिवानी	पारिजात कोश	लेखक	1,86,070/-

इस योजना के अन्तर्गत इस वर्ष कुल रु. 17.4 लाख की अनुदान राशि जारी की गई। इसके अतिरिक्त 9 संस्कृत पत्रिकाओं हेतु रु. 3 लाख की राशि प्रकाशन अनुदान के रूप में व्यय की गई।

ग्रन्थों की क्रय सम्बन्धी योजना का विवरण इस प्रकार है:-

आवेदकों की संख्या	प्रस्तुत किए गए शीर्षकों की संख्या	कुल क्रीत शीर्षकों की संख्या
138	364	164

इस वर्ष में दी गई कुल राशि रु. 23.54 लाख है।

संस्थान के प्रकाशनों के दो शीर्षक पुनर्मुद्रित किए गए और इस कार्य हेतु रु. 0.70 लाख व्यय किए गए।

उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्ति

छात्रवृत्ति अनुभाग के प्रधान सहायक निदेशक (शोध और प्रकाशन) हैं।

यह अनुभाग देश भर में उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्तियों का संवितरण करता है। छात्रवृत्तियाँ दो प्रकार की हैं :-

1. पारम्परिक पाठशालाओं के छात्रों के लिए शोध छात्रवृत्तियाँ;
2. इण्टर, बी.ए., एम.ए. और पी-एच.डी. तथा समकक्ष पारम्परिक पाठ्यक्रम जारी रखने हेतु उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्तियाँ।

वर्ष 2004-2005 में छात्रवृत्ति प्रदान करने का अलग-अलग विवरण निम्नलिखित है :-

क्रम सं.	पाठ्यक्रम	नवीन (प्रथम वर्ष)	नवीकरण (द्वितीय वर्ष)
1.	प्राक्शास्त्री/उत्तरमध्यमा/यू.एस.	274	—
2.	इण्टर	1036	13
3.	बी.ए. — I,II,III	1057	10
4.	शास्त्री — I,II,III	256	01
5.	एम.ए. — I,II	187	06
6.	आचार्य — I,II	53	—
7.	पी-एच.डी.	50	07
8.	विद्यावारिधि	19	—
	कुल	2932	37

इस मद के अन्तर्गत रु. 34.09 लाख व्यय किए गए।

6. पत्राचार पाठ्यक्रम और अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण

इस विभाग के प्रधान रीडर-व्याकरण हैं जो संस्कृत स्वाध्याय योजना के संयोजक तथा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण के राष्ट्रीय संयोजक हैं।

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान ने वर्ष 2004-2005 में इस विभाग के माध्यम से निम्नलिखित योजनाएँ/कार्यक्रम संचालित किए:

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण कार्यक्रम
2. संस्कृत स्वाध्याय योजना
3. पत्राचार पाठ्यक्रम
4. संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान ने वर्ष 2004-2005 में लगभग 1200 अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों को आरम्भ करने का निर्णय किया। तदनुसार जुलाई 2004 और मार्च 2005 के मध्य प्रथमा दीक्षा के दो चक्र और द्वितीया दीक्षा के एक चक्र का संचालन किया गया। उनमें से प्रथमा दीक्षा के प्रथम चक्र में 1119 केन्द्रों पर 40,266 छात्रों ने भाग लिया। प्रथमा दीक्षा के द्वितीय चक्र में 1157 केन्द्रों पर 14,041 अध्येताओं ने भाग लिया और द्वितीया दीक्षा के प्रथम चक्र में 14,473 अध्येताओं ने भाग लिया। इस प्रकार वर्तमान वर्ष में कुल 68,780 अध्येता लाभान्वित हुए।

प्रथमा दीक्षा के प्रथम चक्र का राज्य-वार आँकड़ा विवरण निम्नलिखित है :

राज्य	अनुदान रहित केन्द्र संख्या	अनुदान सहित केन्द्र संख्या	केन्द्रों की कुल संख्या	अध्येताओं की संख्या (प्राप्त आँकड़ों के आधार पर)
आन्ध्रप्रदेश	-	73	73	2366
नार्थ-ईस्ट	-	95	95	3556
बिहार	-	20	20	662
छत्तीसगढ़	-	23	23	910
दिल्ली	-	27	27	866
गुजरात	3	69	72	2398

हिमाचल प्रदेश -	7	7	263
हरियाणा -	16	16	598
जम्मू और कश्मीर -	11	11	382
कर्नाटक 1	100	101	3415
केरल 1	117	118	2875
महाराष्ट्र -	49	49	1742
मध्य प्रदेश -	83	83	4223
उड़ीसा 3	51	54	2210
पंजाब 1	6	7	241
राजस्थान 2	39	41	1639
तमिलनाडु -	56	56	1476
उत्तराञ्चल -	37	36	1727
उत्तर प्रदेश -	197	197	7563
पश्चिम बंगाल 5	18	23	659
संस्थान के परिसर -	10	10	495
कुल	16	1119	40266

इन केन्द्रों के अध्येताओं ने बहुत उत्साह दिखाया। चालीस हजार से भी अधिक छात्रों, अध्यापकों, प्राध्यापकों, चिकित्सकों, अभियन्ताओं, बैंककर्मियों, उद्योगपतियों, अधिकारियों, वकीलों, वैज्ञानिकों, कृषकों और गृहिणियों आदि ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्राप्त आँकड़ों पर आधारित एक विश्लेषण नीचे दिया जा रहा है :-

सहभागियों का विश्लेषण :-

1.	शिक्षक, प्राध्यापक, प्रोफेसर, पी-एच.डी., नेट	2726
2.	डॉक्टर/इन्जीनियर	170
3.	ऑफिसर (कमिश्नर, बैंक मैनेजर आदि)	25
4.	वकील/एल.एल.बी.	64

5.	सनदी लेखाकार	68
6.	अन्य सेवारत/सेवानिवृत्त	1507
7.	छात्रगण	24933
8.	व्यापारी	567
9.	कृषक	908
10.	गृहिणियाँ	831
11.	अन्य	8467
कुल		40,266

प्रथमा दीक्षा के द्वितीय चक्र और द्वितीया दीक्षा के प्रथम चक्र का राज्य-वार विवरण

राज्य	अनुदान सहित केन्द्र अनुदान रहित केन्द्र कुल केन्द्र				अध्येताओं की संख्या (प्राप्त कुल संख्या ऑकड़ों के आधार पर)			
	प्रथमा दीक्षा	द्वितीया दीक्षा	प्रथमा दीक्षा	द्वितीया दीक्षा	प्र० दीक्षा	द्वि० दीक्षा		
आन्ध्रप्रदेश	36	44	30	14	124	1028	1232	2260
नार्थ-ईस्ट	39	64	29	4	136	1595	2588	4183
छत्तीसगढ़	-	7	-	-	7	-	152	152
दिल्ली	4	19	3	1	27	179	457	636
गुजरात	20	23	12	1	56	624	625	1249
हिमाचल प्रदेश	-	6	1	-	7	31	121	152
हरियाणा	2	4	5	1	12	229	114	343
जम्मू और कश्मीर	2	4	1	-	7	94	115	209
कर्नाटक	32	45	13	12	102	1074	1488	2562
केरल	134	6	-	1	141	930	82	1012
महाराष्ट्र	19	23	7	3	52	763	424	1187

मध्य प्रदेश	20	41	12	-	73	680	1697	2377
उड़ीसा	6	47	6	-	59	409	1526	1935
राजस्थान	8	23	2	-	33	364	688	1052
तमिलनाडु	22	10	-	-	32	551	267	818
उत्तराञ्चल	10	20	12	3	45	582	733	1315
पंजाब	-	7	1	-	8	32	210	242
उत्तर प्रदेश	156	46	-	-	202	4466	1441	5907
वेस्ट बंगाल	13	8	1	1	23	375	247	622
कैम्पस आफ संस्थान	2	8	1	-	11	35	266	301
कुल					1157	14041	14473	28514

मार्च 2005 तक नामांकित अध्येताओं की संख्या 28514 है।

सहभागियों का विश्लेषण :-

1.	शिक्षक, प्राध्यापक, प्रोफेसर, पी-एच.डी., नेट	2234
2.	डॉक्टर, इन्जीनियर	156
3.	ऑफिसर (कमिश्नर, बैंक मैनेजर आदि)	12
4.	वकील, एल.एल.बी.	51
5.	सनदी लेखाकार	25
6.	अन्य सेवारत/सेवानिवृत्त	1311
7.	छात्र	17888
8.	व्यापारी	507
9.	कृषक	486
10.	गृहिणियाँ	1098
11.	अन्य	4746
	कुल	28,514

भारत भर में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों के खुलने से लोग संस्कृत तथा भारतवर्ष की सांस्कृतिक परम्परा से सुपरिचित हो गए हैं। समाज की सभी जातियों और समुदायों के लोगों ने संस्कृत सीखने में अति उत्साह दिखाया। विभिन्न केन्द्रों पर भव्य उद्घाटन तथा समापन समारोह आयोजित किए गए। राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान द्वारा तैयार की गई प्रथमा दीक्षा तथा द्वितीया दीक्षा की पाठ्य-सामग्री विभिन्न केन्द्रों पर संस्कृत शिक्षण का मुख्य आधार थी। अध्येताओं ने इस पाठ्य-सामग्री को श्रेष्ठ माना है। जो अध्येता न्यूनतम 75 प्रतिशत कक्षाओं में उपस्थित रहे अथवा जिन्होंने स्थानीय केन्द्रों द्वारा आयोजित परीक्षा उत्तीर्ण की, उन्हें प्रथमा/द्वितीया दीक्षा की समाप्ति पर सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

इन अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का संचालन न केवल देश के नगरों और महानगरों में किया गया, अपितु दूरवर्ती छोटे गाँवों और छोटे कसबों और जम्मू व कश्मीर तथा उत्तर-पूर्व राज्यों के दुर्गम क्षेत्रों में भी किया गया। संस्कृत शिक्षकों को अति दूर के स्थानों से भी आना पड़ा। परिणाम अत्यन्त सुखद एवं रोमांचक रहे।

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का संचालन देशभर में विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों (डिग्री कॉलेजों), इण्टर कॉलेजों, उच्च और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों, कनिष्ठ उच्च विद्यालयों, पब्लिक स्कूलों और स्वैच्छिक संस्थाओं में किया गया।

इन केन्द्रों की सम्यक् क्रियाशीलता हेतु प्रत्येक राज्य में एक प्रान्त संयोजक को नामित किया गया। उसने सम्बद्ध राज्य में केन्द्रों, केन्द्र-संयोजकों और शिक्षकों से सम्बन्धित प्रस्ताव प्राप्त किए। विविध संस्थाओं से सीधे प्रस्ताव प्राप्त होने पर भी संस्थान द्वारा केन्द्रों के संचालन की संस्वीकृति प्रदान की गई।

प्रान्त संयोजकों की सूची

क्रमांक	राज्य	संयोजक का नाम तथा पता
1.	आन्ध्र प्रदेश	डॉ. दोर्बल प्रभाकर शर्मा, प्रिंसीपल, श्री.वी.जे.वी. संस्कृत कलाशाला, कोव्वूर, पश्चिम गोदावरी जिला (आं.प्र.)
2.	बिहार+झारखण्ड	डॉ. श्री प्रकाश पाण्डेय, लेक्चरर, क्वार्टर नं.-23, यूनिवर्सिटी परिसर, मुजफ्फरपुर-1 (बिहार)
3.	दिल्ली	डॉ. वाई.एस. रमेश, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, 56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली
4.	गुजरात	डॉ. एच.एम. पाण्डेय, प्रिंसीपल, वडोदरा संस्कृत महाविद्यालय, वडोदरा (गुजरात)
5.	हरियाणा	डॉ. सुरेन्द्र मोहन मिश्रा, रीडर, संस्कृत विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र
6.	जम्मू एवं कश्मीर	डॉ. विश्वमूर्ति शास्त्री, रीडर एवं साहित्यविभागाध्यक्ष, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, श्री रणवीर परिसर, जम्मू

- | | | |
|-----|-----------------------------|---|
| 7. | कर्नाटक | डॉ. ए.पी. सच्चिदानन्द, रीडर एवं शिक्षाविभागाध्यक्ष, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान,
राजीव गान्धी परिसर, शृंगेरी |
| 8. | केरल | श्री पी.एन. शास्त्री, रीडर एवं साहित्यविभागाध्यक्ष, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान,
गुरुवायूर परिसर, गुरुवायूर (केरल) |
| 9. | महाराष्ट्र (विदर्भ क्षेत्र) | डॉ. पंकज चांदे, कुलपति, कवि कुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय,
रामटेक, नागपुर |
| 10. | महाराष्ट्र (पुणे) | श्रीपाद भट्ट, लेक्चरर, संस्कृत विभाग, तिलक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे |
| 11. | एम.पी+छतीसगढ़ | डॉ. बालकृष्ण शर्मा, लेक्चरर, शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, अचलेश्वर,
लस्कर, ग्वालियर, म.प्र. |
| 12. | उड़ीसा | डॉ. सी. उपेन्द्र राव, रीडर एवं साहित्यविभागाध्यक्ष, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान,
श्री सदाशिव परिसर, पुरी |
| 13. | पंजाब+हिमाचल प्रदेश | श्री भक्तवत्सलम, प्रिंसीपल, एस.डी. आदर्श संस्कृत कालेज, दोहगी,
जिला - उना (हिमाचल प्रदेश) |
| 14. | राजस्थान | डॉ. सुदेश कुमार शर्मा, रीडर, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जयपुर परिसर,
त्रिवेणी नगर, जयपुर |
| 15. | तमिलनाडु | डॉ. आर. रामचन्द्रन, (पी.जी. विभाग), विवेकानन्द कालेज, मइलापुर,
चेन्नई (तमिलनाडु) |
| 16. | उत्तरांचल | डॉ. बुद्धदेव शर्मा, प्रिंसीपल, मंगला देवी इण्टर कालेज, देहरादून |
| 17. | उत्तर प्रदेश | डॉ. एम. चंद्रशेखर, रीडर, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, लखनऊ परिसर,
लखनऊ |
| 18. | पश्चिम बंगाल | डॉ. सत्यपाद भट्टाचार्य, रीडर संस्कृत "सत्यधाम" पो. आ.-प्रफुल्ल कानन,
ए.एफ-159, रवीन्द्र पल्ली, कृष्णापुर, कोलकाता |
| 19. | पूर्वोत्तर राज्य | डॉ. नृपेन्द्र नाथ शर्मा (सेवा-निवृत्त प्राचार्य) पाञ्चजन्य, 5 लक्ष्मी नगर,
आर.जी. बरुआ रोड, (नर्सरी) दिसपुर, गुवाहाटी, आसाम। |

2. संस्कृत स्वाध्याय योजना

इस योजना के अन्तर्गत वर्ष 2004-2005 में निम्नलिखित कार्य सम्पन्न किए गए :

1. इस अवधि में द्वितीया दीक्षा की पचास हजार प्रतियाँ प्रकाशित की गईं।

2. विदुरनीतिशतकम् का सम्पादन भी पूरा किया गया।

3. पत्राचार पाठ्यक्रम

संस्थान भारत और विदेश में संस्कृत के सामान्य अध्येताओं के लिए हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम से संस्कृत भाषा सीखने के लिए पत्राचार पाठ्यक्रमों का संचालन दो स्तरों पर करता है, अर्थात् (अ) संस्कृत में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-प्रथम वर्ष (आ) संस्कृत में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-द्वितीय वर्ष। वर्ष 2003-2004 में 411 छात्रों ने संस्कृत अध्ययन हेतु पत्राचार पाठ्यक्रम में पंजीयन करवाया। उनका अध्ययन अभी जारी है। वर्ष 2004-2005 में 137 अन्य छात्रों ने भी पत्राचार पाठ्यक्रम में पंजीयन करवाया।

4. संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

संस्थान ने सात केन्द्रों पर शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाया है।

क्रमांक	प्रशिक्षण कैम्पों का स्थान	प्रशिक्षित शिक्षकों की संख्या	संस्थान के प्रतिनिधि
1.	एस.वी.जे.वी. संस्कृत कॉलेज, कोव्वूर, आं.प्र.	72	डॉ. रानी सदाशिव मूर्ति, डॉ. शाम्बशिव मूर्ति, डॉ. दोर्बल प्रभाकर शर्मा, डॉ. पी. उपेन्द्र राव, डॉ. सत्यनारायण आचार्य
2.	गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार	50	पं. बुद्धिवल्लभ शास्त्री डॉ. एम. चन्द्रशेखर डॉ. महावीर अग्रवाल डॉ. बुद्धदेव शर्मा
3.	पार्क कॉलेज तिरुपुर, तमिलनाडु	136	श्री जनार्दन हेगड़े डॉ. ए.पी. सच्चिदानन्द डॉ. पी.एन. शास्त्री डॉ. आर. रामचन्द्रन
4.	नगाँव असम	231	प्रो. उमाकान्त शर्मा डॉ. राजेन शर्मा डॉ. बुद्धीन्द्र वर ठाकुर डॉ. नृपेन्द्र नाथ शर्मा
5.	आर.एस.एस. जयपुर कैम्पस, राजस्थान	44	डॉ. हिन्द केसरी डॉ. सुदेश कुमार शर्मा डॉ. राजेन्द्र मिश्रा
6.	अग्रवाल भवन रोड नं. - 10	120	डॉ. वाई.एस. रमेश डॉ. एल.के. त्रिपाठी

ईस्ट पंजाबी बाग
नई दिल्ली

डॉ. रत्न मोहन झा
डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंह देव
के. वेंकटेश मूर्ति
डॉ. विजयपाल शास्त्री
डॉ. अजय कुमार मिश्रा

7. इस्कोन मन्दिर 53
गोत्री रोड, हरिनगर
वडोदरा

डॉ. एल.के. त्रिपाठी

उपर्युक्त सभी केन्द्रों पर शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलता-पूर्वक सम्पन्न किया गया।

क्र.सं.	केन्द्र का नाम	पता	प्रकार	संख्या	विवरण
1
2
3
4
5
6
7
8
9
10
11
12
13
14
15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53

7. परीक्षा अनुभाग

परीक्षा अनुभाग के प्रमुख उपनियन्त्रक (परीक्षा) हैं।

विभिन्न परीक्षाओं का आयोजन तथा संस्थान के परीक्षा पत्रों का मूल्यांकन इस अनुभाग का मुख्य दायित्व है। संस्थान के द्वारा प्रथमा से आचार्य, शिक्षाशास्त्री तथा विद्यावारिधि जैसी विभिन्न परीक्षाओं का संचालन किया जाता है। इन परीक्षाओं में अंगीभूत परिसरों तथा सम्बद्ध संस्थाओं के छात्र प्रवेश पाते हैं। ये परीक्षाएँ विद्यापरिषद् द्वारा निर्धारित मार्गदर्शी सिद्धान्तों और इस उद्देश्य से निर्धारित पाठ्यक्रमों के अनुसार संचालित की जाती हैं।

वर्ष 2004-2005 में विभिन्न परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की संख्या इस प्रकार है :-

क्रमांक	कक्षा	परीक्षा में बैठने वाले छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण	प्रतिशत
1.	प्रथमा-III	263		
2.	पूर्वमध्यमा-I	1226	237	90.1
3.	पूर्वमध्यमा-II	699	1089	88.8
4.	उत्तरमध्यमा-I	478	646	92.4
5.	उत्तरमध्यमा-II	278	472	98.74
6.	प्राक्शास्त्री-I	1343	260	93.5
7.	प्राक्शास्त्री-II	800	1305	97.17
8.	शास्त्री-I	1483	575	71.87
9.	शास्त्री-II	1348	1305	97.17
10.	शास्त्री-III	959	1339	93.33
11.	आचार्य-I	1014	765	79.77
12.	आचार्य-II	726	948	93.00
13.	शिक्षाशास्त्री	678	623	85.00
			639	94.24

इस वर्ष में 45 छात्रों को विद्यावारिधि की उपाधि प्रदान की गई।

वर्ष 2005 में पंजीकृत, परीक्षा में बैठे तथा उत्तीर्ण पीएसएसटी छात्रों का विवरण निम्नलिखित है :

(I) पंजीकृत छात्रों की संख्या - 8787

(II) परीक्षा में बैठे छात्रों की संख्या - 7875

(III) उत्तीर्ण छात्रों की संख्या - 850

(IV) 20 प्रशंसनीय छात्रों की सूची इस प्रकार है :

क्रमांक	फार्म सं.	अनुक्रमांक	परीक्षार्थी का नाम	पिता का नाम
0001	4502	0218	कपिलदेव	श्यामसुन्दर
0002	7260	1800	मनीषा	राजेन्द्र कुमार
0003	5685	1504	जयपाल शर्मा	ओमप्रकाश
0004	2426	6749	सीमा जैन	सुभाष चंद जैन
0005	4586	3029	सुलतान शर्मा	श्यामलाल शर्मा
0006	8632	3514	अनिल कुमार	महेन्द्र सिंह
0007	6331	1550	जितेन्द्र कुमार शर्मा	सुरेश कुमार शर्मा
0008	6252	2253	प्रमिला देवी	प्रेम सिंह
0009	7255	3022	सुखदेव	जीयन चंद
0010	9114	3269	तरुण	जगदीश चंद्र
0011	7272	1975	नरेश कुमार	अमर नाथ
0012	3103	3202	सुरेश कुमार	राजेन्द्र कुमार
0013	7257	0980	अचरपाल	देवीदयाल
0014	6990	1796	मनीष कुमार	सुभाष
0015	9105	2261	पुरुषोत्तम	शीशपाल
0016	3383	2581	रेनू आर्य	देवा सिंह
0017	5737	1077	अनीता देवी	ईश्वर सिंह
0018	4491	1153	अशोक कुमार	प्रह्लाद
0019	9106	1319	देवी दयाल	ज्योति राम
0020	0188	3897	बीरबल राम	बद्री प्रसाद

संस्थाओं से सम्बद्धता

संस्थान ने कुछ एक परिसरों से कार्य करना आरम्भ किया था। लेकिन बाद में कुछ निजी प्रबन्धित संस्थाओं को इससे सम्बद्ध कर लिया गया। संस्थान से सम्बद्ध संस्थाओं की सूची संलग्नक 'ग' में दी गई है। संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता देने वाली सरकारों तथा विश्वविद्यालयों के विवरण क्रमशः घ और ङ संलग्नक में दिए गए हैं।

वार्षिक परीक्षा 2005 हेतु स्वर्ण पदक एस.जे.जिंदल ट्रस्ट अवार्ड प्राप्त करने वाले छात्रों की सूची

क्रमांक	कक्षा	अनुक्रमांक	नाम	विद्यापीठ/परिसर	प्राप्तांक	श्रेणी	विषय
1.	प्रथमा III	21881	दुलु नंदा	पालानंद संस्कृत म.वि. दरुआ कोर्टई	491/700	प्रथम
2.	पूर्व मध्यमा	17551	रंजीत कुमार	राम कृष्ण मठ, बी.बी. वि., बी. मठ	1185/1500	प्रथम
3.	उत्तर मध्यमा	18581	चितरंजन जाना	राम कृष्ण मठ, बी.बी. वि., बी. मठ	1028/1200	प्रथम
4.	प्राक्-शास्त्री	28869	नारायण दत्त मिश्रा	राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, गार्ली कैम्पस	937/1200	प्रथम
5.	शास्त्री	10240	गीता रानी चौधरी (प्रा.)	पालानंद संस्कृत म.वि. दरुआ कोर्टई	1349/1800	प्रथम
6.	शिक्षा-शास्त्री	7553	आशुतोष पारीक	राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, जयपुर कैम्पस	806/1000	प्रथम
7.	आचार्य	45466	जयप्रकाश शर्मा	राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, जयपुर कैम्पस	757/1000	प्रथम	साहित्य
8.	आचार्य	45678	मधुसूदन जाना	सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत म.वि. कोलकाता	702/1000	प्रथम	नव्य-व्याकरण
9.	आचार्य	46401	सुरेश चंद त्रिपाठी	राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, श्री सदाशिव कैम्पस, पुरी	708/1000	प्रथम	धर्मशास्त्र
10.	आचार्य	46134	राघवेंद्र शर्मा	श्री महावीर विश्व विद्यापीठ, प. विहार	778/1000	प्रथम	सर्वदर्शन
11.	आचार्य	46042	विष्णुकान्त मिश्रा	सरस्वती संस्कृत म.वि. बेगूसरी	647/1000	प्रथम	स.वेद
12.	आचार्य	45285	सुविता के.	रा.सं.संस्थान, राजीव गांधी कैम्पस, शृंगेरी	753/1000	प्रथम	अद्वैत वेदांत
13.	आचार्य	46721	विवेकानंद बैनर्जी	सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत म.वि. कोलकाता	788/1000	प्रथम	बौद्धदर्शन
14.	आचार्य	46216	रामकृष्ण शर्मा	राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, गार्ली कैम्पस	786/1000	प्रथम	फलित ज्योतिष
15.	आचार्य	46283	वर्चस्कम शर्मा	राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, श्री रणवीर कैम्पस, जम्मू	833/1000	प्रथम	सिद्धान्त ज्योतिष
16.	आचार्य	46349	एम.के. सत्यनारायण	रा.सं. संस्थान, राजीव गांधी कैम्पस, शृंगेरी	723/1000	प्रथम	मीमांसा
17.	आचार्य	20447	साधु प्रियव्रत दास (प्रा.)	मुम्बा देवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	743/1000	प्रथम	वी.ए. वेदांत
18.	आचार्य	46394	संघमित्र मिश्रा	राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, श्री सदाशिव कैम्पस, पुरी	651/1000	प्रथम	पुराणेतिहास
19.	आचार्य	46680	तपन चक्रवर्ती	सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत म.वि. कोलकाता	811/1000	प्रथम	नव्य-न्याय
20.	आचार्य	45541	सुमन मिश्रा	राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, लखनऊ कैम्पस	619/1000	प्रथम	प्राचीन-व्याकरण

डॉ. भगवत प्रसाद दूबे मेमोरियल अवार्ड

क्रमांक	कक्षा	अनुक्रमांक	नाम	विद्यापीठ/परिसर	प्राप्तांक	श्रेणी	विषय
1.	आचार्य	46283	वर्चस्कम शर्मा	राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, श्री रणवीर कैम्पस, जम्मू	833/1000	प्रथम	सिद्धान्त ज्योतिष

8. प्रशासन अनुभाग

उपनिदेशक (प्रशासन) इस अनुभाग के प्रमुख हैं।

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय में प्रशासन अनुभाग नियमों, विनियमों और प्रक्रिया अनुसार आन्तरिक लेखा कार्य और व्यवस्था के कार्य करता है। यह संस्थान के विभिन्न अंगीभूत परिसरों को अधिक प्रभावी और कार्यकुशल बनाने के लिए आवश्यक स्थापना सहायता प्रदान करता है। यह अनुभाग प्रमुख रूप से सामान्य प्रशासन, स्थापना सम्बन्धी मामलों, सेवा और आपूर्ति, भूमि और भवन अधिग्रहण, नए परिसरों की स्थापना और प्रबन्धन समिति तथा वित्त समिति की बैठकों के संचालन आदि कार्य करता है।

जिन परिसरों के पास अपना भवन नहीं है, उनके लिए भवन-निर्माण हेतु जमीन प्राप्त करने की दिशा में प्रयास किए गए हैं। जम्मू और पुरी परिसरों के भवन निर्माण की प्रक्रिया चल रही है। इसके अतिरिक्त जम्मू, जयपुर, शृंगेरी, लखनऊ, पुरी और गुरुवायूर परिसरों में लड़कों और लड़कियों के छात्रावास, पुस्तकालय और न्यूनतम स्टाफ आवास आदि के द्वितीय चरण का निर्माण प्रक्रियाधीन है।

इस वर्ष संस्थान के मुख्यालय में अनुभाग-वार स्टाफ कार्यकर्ताओं की संख्या संलग्नक-च में दी गई है।

1	उपनिदेशक (प्रशासन)	1
2	उपनिदेशक (वित्त)	1
3	उपनिदेशक (शिक्षण)	1
4	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
5	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
6	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
7	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
8	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
9	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
10	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
11	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
12	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
13	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
14	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
15	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
16	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
17	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
18	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
19	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
20	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
21	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
22	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
23	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
24	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
25	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
26	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
27	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
28	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
29	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
30	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
31	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
32	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
33	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
34	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
35	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
36	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
37	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
38	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
39	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
40	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
41	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
42	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
43	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
44	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
45	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
46	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
47	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
48	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
49	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
50	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
51	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
52	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
53	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
54	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
55	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
56	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
57	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
58	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
59	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
60	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
61	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
62	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
63	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
64	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
65	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
66	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
67	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
68	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
69	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
70	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
71	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
72	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
73	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
74	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
75	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
76	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
77	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
78	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
79	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
80	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
81	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
82	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
83	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
84	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
85	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
86	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
87	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
88	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
89	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
90	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
91	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
92	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
93	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
94	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
95	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
96	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
97	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
98	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
99	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
100	उपनिदेशक (संस्कृत)	1
कुल		100

9. वित्त अनुभाग

इस अनुभाग के प्रमुख अधिकारी उपनिदेशक (वित्त) हैं। इस वर्ष इस अनुभाग के महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व निम्नलिखित हैं :-

बजट (2004-2005)

वर्ष 2003-2004 के रु. 741.39 लाख के अप्रयुक्त शेष को वित्तीय वर्ष 2004-2005 में समाविष्ट किया गया। मन्त्रालय के द्वारा (गत वर्ष के अव्ययित शेष सहित) रु. 3,971.39 लाख का कुल बजट स्वीकृत किया गया। इस राशि को अंगीभूत एककों में निम्नलिखित प्रकार से आवंटित किया गया :-

क्रमांक	एकक का नाम	योजनागत	योजनेतर	कुल योग
1.	मुख्यालय	1249.37	1225.77	2475.14
2.	पुरी परिसर	150.00	206.88	356.88
3.	जम्मू परिसर	8.57	174.47	183.04
4.	इलाहाबाद परिसर	1.17	97.80	98.97
5.	गुरुवायूर परिसर	150.00	120.16	270.16
6.	जयपुर परिसर	-	168.25	168.25
7.	लखनऊ परिसर	-	127.65	127.65
8.	शृंगेरी परिसर	157.19	-	157.19
9.	गरली परिसर	53.72	-	53.72
10.	भोपाल परिसर	59.89	-	59.89
11.	मुम्बई परिसर	20.50	-	20.50
	कुल	1850.41	2120.98	3971.39

वर्ष में यह धन वेतन और भत्ते, छात्रवृत्तियाँ, प्रसिद्ध संस्कृत विद्वानों को राष्ट्रपति सम्मान एवं व्यय की अन्य रख-रखाव की मदों पर उपयोग में लाया गया। वित्तीय वर्ष के अन्त में रु. 911.83 लाख (योजनागत रु. 230.95 लाख और योजनेतर रु. 680.88 लाख) की धनराशि व्यय न होने के कारण अवशिष्ट रही।

लेखा

यह अनुभाग संस्थान के विविध एककों से प्राप्त लेखों के समेकन और लेखा-परीक्षा हेतु डी.जी.ए.सी.आर. को प्रस्तुत करने के लिए उत्तरदायी है। वर्ष 2004-2005 के समेकित लेखे डी.जी.ए.सी.आर. को लेखा-परीक्षा हेतु दिनांक 8.9.2005 से 5.10.2005 के मध्य प्रस्तुत किए गए।

भविष्य निधि खातों का अनुरक्षण

यह अनुभाग मुख्यालय के अधिकारियों व अन्य कर्मचारियों के वेतन व भविष्य निधि खातों का अनुरक्षण करता है। वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर अविलम्ब प्रत्येक सदस्य को वार्षिक भविष्य निधि खाते का विवरण प्रदान किया गया है।

लेखा-परीक्षा आपत्तियों का निराकरण

वर्ष में लेखा-परीक्षा आपत्तियों को निपटाने के लिए संगठित प्रयास किए गए। इसके लिए सभी परिसरों को ये निर्देश दिए गए कि वे आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही करें। इसके अनुपालन के उत्तर लेखा-परीक्षा प्राधिकारियों को भेजे गए। इस प्रकार इस वर्ष में बहु-संख्यक लेखा-परीक्षा-आपत्तियों को निपटारा गया।

इस अनुभाग को आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों से सम्बन्धित कार्य और संस्कृत, पाली, प्राकृत, अरबी तथा फारसी भाषाओं के लिए अपना उत्कृष्ट योगदान करने हेतु भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित विद्वानों को मानदेय देने का कार्य भी सौंपा गया है।

10. योजना अनुभाग

यह अनुभाग उप निदेशक (वित्त) के अधीन कार्य कर रहा है।

यह अनुभाग संस्कृत भाषा और साहित्य के संवर्धन तथा प्रचार हेतु मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा अन्तरित निम्नलिखित योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु उत्तरदायी है।

(i) स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों को वित्तीय सहायता :

इस योजना के अन्तर्गत चयनित संगठनों को संस्कृत अध्यापकों को वेतन, छात्रों को छात्रवृत्ति, पुस्तकालय अनुदान और संस्थान-भवन के निर्माण के रूप में वित्तीय सहायता की स्वीकृति दी जाती है।

इस योजना के अन्तर्गत संस्थान द्वारा वर्ष 2004-2005 में रु. 383.40 लाख की राशि व्यय की गई थी। इस वर्ष में 722 संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

(ii) अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता

संस्थान देश के विभिन्न भागों में प्रत्येक वर्ष अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा आयोजित करता है जिससे पारम्परिक संस्कृत छात्रों को शास्त्रीय संस्कृत भाषा में आशु भाषण में प्रोत्साहित किया जा सके। समस्या-पूर्ति की प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाता है। प्रत्येक राज्य सरकार/संघ शासित प्रदेश सरकार से आठ शास्त्रीय विषयों में प्रतियोगिता हेतु एक अध्यापक सहित आठ सहभागियों के नाम भेजने का अनुरोध किया जाता है। प्रत्येक में सर्वोत्तम प्रतियोगी को एक पदक और प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है। साथ में उत्तमता के क्रम में अर्थात् क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय रु. 800/-, रु. 500/- और रु. 300/- के नकद पुरस्कार दिए जाते हैं। इन पुरस्कारों के अतिरिक्त विजेताओं को पदक भी दिए जाते हैं। इस अवधि में श्लोकान्त्याक्षरी की पुरस्कार राशि को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार के रूप में परिशोधित करके रु. 3000/-, रु. 2000/- और रु. 1000/- कर दिया गया है।

वर्तमान दस विषयों के अतिरिक्त "शास्त्र शलाका परीक्षा" को भी आरम्भ किया गया है। जयपुर में गत वर्ष की प्रतियोगिताओं में घोषित अनुसार "शास्त्र शलाका परीक्षा" निम्नलिखित तीन विषयों में काञ्चीपुरम में आयोजित की गई।

1. व्याकरण व्याकरण सिद्धान्त कौमुदी षड्लिंग प्रकरणम् समास प्रकरणञ्च।
2. साहित्य किरातार्जुनीयस्य आदितः त्रयः सर्गाः।
3. न्याय शब्दशक्ति प्रकाशिका तत्र आदितः नाम प्रकरणस्य त्रिंशतमीं कारिकां यावत्।

इस प्रतियोगिता का स्वरूप भारत की शास्त्र शिक्षण पद्धति की प्राचीन परम्परा से लिया गया है जिसमें छात्र को व्याख्या सहित मूल-पाठ स्मरण करना होता है और "रजत शलाका" के द्वारा व्यक्त बिन्दु का वर्णन और व्याख्या करना अपेक्षित होता है। इस कठिन प्रतियोगिता का लक्ष्य परम्परा को पुनर्जीवित करना है और छात्र की स्मरण-शक्ति को तीक्ष्ण करना है। इस वर्ष में इस कार्य हेतु रु. 5.65 लाख की राशि व्यय की गई।

(iii) शास्त्र चूड़ामणि योजना

इस योजना के अन्तर्गत आदर्श संस्कृत पाठशालाओं और राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे संस्कृत महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों एवं स्वैच्छिक संगठनों में सेवानिवृत्त प्रख्यात संस्कृत विद्वानों की सेवाओं का उपयोग किया जाता है।

इस योजना को आरम्भ करने का उद्देश्य यह है कि परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षा प्रदान करने वाले केन्द्रों में विभिन्न शास्त्रीय विषयों के गहन अध्ययन को संरक्षित किया जा सके। योजना के अनुसार परम्परागत संस्कृत विद्वानों की नियुक्ति विभिन्न संगठनों में की जाती है। प्रत्येक विद्वान् को रु. 2500/- प्रति माह दो वर्ष की अवधि के लिए दिए जाते हैं। अनुदान समिति की संस्तुति पर एक वर्ष के लिए इनकी नियुक्ति का कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है।

इस योजना के अन्तर्गत रु. 11.20 लाख व्यय किए गए।

(iv) व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना

इस योजना के अन्तर्गत चुने हुए संगठनों को ज्योतिष, कर्म-काण्ड, पुरालिपि-शास्त्र, सूची-निर्माण, पाण्डुलिपि-विज्ञान, संस्कृत आशुलिपि और टंकण आदि विद्या विशेषों में कार्यशालाओं के आयोजन तथा प्रायोगिक प्रशिक्षण के संचालन हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के अन्तर्गत (2004-05 में) रु. 1.25 लाख व्यय किए गए।

(v) आदर्श संस्कृत महाविद्यालय / शोध संस्थान

इस योजना के अन्तर्गत देश के विभिन्न भागों में 23 संस्थाएँ संस्थान के अधीन चल रही हैं। इस योजना के अन्तर्गत मान्यता प्राप्त संस्थाओं को व्यय की आवर्ती मदों पर 95% तथा अनावर्ती मदों पर 75% अनुदान दिया जाता है। इस वर्ष योजना में रु. 263.77 लाख तथा योजनेतर में 214.16 लाख रुपए की धनराशि संस्थान के द्वारा इन संस्थाओं को दी गई।

(vi) संस्कृत शब्दकोश परियोजना

ऐतिहासिक सिद्धान्तों के आधार पर 1500 ई.पू. से 1900 ई. तक की अवधि का एक अतिव्यापक संस्कृत शब्दकोश डेकन कॉलेज पूना के द्वारा तैयार किया जा रहा है। यह परियोजना वर्ष 1948 से आरम्भ की गई थी। डेकन कॉलेज, पूना का संस्कृत शब्दकोश परियोजना विभाग प्रधान सम्पादक की अध्यक्षता में कार्य कर रहा है और अब तक इस परियोजना में शब्दकोश के 7 खण्ड-भाग 1 व 2 प्रकाशित किए गए हैं। कार्य प्रगति पर है। यह परियोजना मुख्यतः भारत सरकार के द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त है तथा महाराष्ट्र सरकार के द्वारा भी कुछ वित्तीय सहायता दी जाती है। वर्ष 2004-2005 में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान ने संस्कृत शब्दकोश परियोजना के लिए 37 लाख रुपए की धनराशि स्वीकृत की।

(vii) भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित विद्वानों को मानदेय राशि

भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित विद्वानों को संस्थान प्रति वर्ष 50,000/- रुपए की मानदेय राशि देता है।

इस वर्ष के दौरान इस मद में रु. 135.76 लाख व्यय किए गए।

(viii) उत्तर-पूर्व क्षेत्रों में संस्कृत भाषा को प्रोत्साहन

वर्ष 2004-2005 में संस्थान ने देश के उत्तर-पूर्व क्षेत्रों में संस्कृत भाषा के अध्ययन, प्रसार और प्रोत्साहन हेतु रु. 39.32 लाख व्यय किए।

10.1 पुस्तकालय

संस्थान में शैक्षणिक कार्यकलापों और आगन्तुक विद्वानों की सुविधा हेतु 22000 से भी अधिक संस्कृत ग्रन्थों से युक्त पुस्तकालय है। अनुभाग की प्रधान पुस्तकालयाध्यक्ष हैं जो विक्रय व कम्प्यूटर के कार्यों की देखभाल भी करती हैं।

अनुभाग ने भोपाल और मुम्बई परिसरों को कम्प्यूटर प्रदान किए हैं। संस्थान के पूर्व शिक्षा शास्त्री परिणाम वेबसाइट पर 2002-03 से प्रारम्भ किए गए हैं। वर्ष में प्राप्त ग्रन्थों पर हुए व्यय का विवरण तथा बिक्री आय निम्नलिखित है :

पुस्तकालय

1.	क्रीत ग्रन्थ	रु. 12,300.00
2.	उपहार के रूप में प्राप्त ग्रन्थ	रु. 1,30,329.00

विक्रय

1.	पुनर्मुद्रित दुर्लभ ग्रन्थ	रु. 5,44,208.00
2.	संस्थान के प्रकाशन	रु. 70,63,672.00

कुल योग

रु. 76,07,880.00

11. परिसर

11.1 राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद (उ.प्र.)

परिसर विवरण

इलाहाबाद परिसर एक शोध संस्थान है जो राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का अंग है। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की पी-एच.डी. (विद्यावारिधि) उपाधि हेतु शोधकार्य करने के लिए परिसर प्रतिवर्ष एक निश्चित संख्या में शोध छात्रों को प्रवेश देता है। इस प्रकार से प्रविष्ट शोध-छात्र विद्यापीठ के शैक्षिक स्टाफ के मार्गदर्शन में कार्य करते हैं तथा परिसर के पुस्तकालय एवं पाण्डुलिपि अनुभाग में उपलब्ध सुविधाओं का उपयोग करते हैं। पुस्तकालय एवं पाण्डुलिपियों का उपयोग विद्यापीठ के छात्रों और विद्वानों के लिए सीमित नहीं है अपितु सभी विद्वानों के लिए संदर्भ पुस्तकालय के रूप में खुला है। यह परिसर मान्यता प्राप्त शोध केन्द्र है। परिसर संस्कृत एवं प्राचीन भारतीय संस्कृति में अभिरुचि रखने वाले समाज के विभिन्न वर्गों के विद्वानों एवं शोधार्थियों को अपने पुस्तकालय की क्षमता के अनुसार उसके उपयोग के लिए आमन्त्रित करता है।

शैक्षिक स्टाफ के सभी सदस्य छात्रों को शोध-कार्य में मार्ग-दर्शन करने के अतिरिक्त संस्थान द्वारा दिए गए विषयों पर अपना शोध-कार्य भी करते हैं। परिसर की शोध-परियोजनाओं का कार्य न केवल वैयक्तिक रूप से अपितु सामूहिक रूप से भी किया जाता है।

संकाय सदस्यों की पार्श्विका

क्रमसं.	नाम	पदनाम	अर्हता	विशेषज्ञता
1.	डॉ. गोप राजू रामा	रीडर एवं प्राचार्य (प्रभारी)	विद्याप्रवीण, साहित्याचार्य, साहित्यशास्त्र, चक्रवर्ती (पी-एच.डी.) डिप्लोमा इन जर्मन	व्याकरण एवं साहित्य
2.	डॉ. श्रीमती एस.के. मिश्र	रीडर	साहित्याचार्य, आयुर्वेदाचार्य, साहित्यशास्त्र, साहित्याचार्य, विद्यावारिधि	साहित्य
3.	डॉ. वी.एन. गिरि	रीडर	साहित्याचार्य, एम.ए. (संस्कृत) आचार्य (प्राचीन न्याय), विद्यावारिधि	साहित्य
4.	डॉ. बनमाली विश्वाल	रीडर	व्याकरणाचार्य, एम.ए., एम.फिल, पी-एच.डी., नेट,	व्याकरण

5.	श्री श्रीराम मिश्र	सीनियर ग्रेड लेक्चरर	साहित्याचार्य	साहित्य
6.	डॉ. श्रीमती सैलजा पाण्डेय	शोध सहायक	एम.ए. (संस्कृत) वेद, आचार्य (प्राकृत इतिहास), पी-एच.डी., डी.लिट.	शोध
7.	श्री राम चन्द्र	शोध सहायक	एम.ए. (संस्कृत)	शोध
8.	श्री कैलाश चन्द्र दास	शोध सहायक	एम.ए. (संस्कृत)	शोध
9.	डॉ. राम किशोर झा	प्रतिलिपिक	आचार्य (पी-एच.डी)	शोध

उपर्युक्त के अतिरिक्त विद्यापीठ के पुस्तकालय और पाण्डुलिपि अनुभाग हेतु निम्नलिखित पद भी हैं :

1.	प्रोजेक्ट ऑफिसर	1
2.	लाइब्रेरियन	1
3.	क्वैरेटर	1
4.	एसिसटेन्ट लाइब्रेरियन	2
5.	लाइब्रेरी पण्डित	1

परिसर की शोध-पत्रिका के 58वें तथा 59वें खण्ड निकाले गए। परिसर का एक प्रकाशन 'विख्यातविजयम्' प्रकाशित हुआ। उपर्युक्त के अतिरिक्त परिसर ने "वेदभाष्य कोश" योजना आरम्भ की है।

पाठ्येतर गतिविधियाँ :

1. छात्रों ने 'एन.ए.एम.ए.एम.आई.', दिल्ली में कार्यशाला में भाग लिया।
2. परिसर में पाँच सदस्यीय दल आया।
3. प्रवेश-परीक्षा का आयोजन हुआ।
4. संस्कृत दिवस समारोह का आयोजन हुआ और एक नाटक का मंचन हुआ।
5. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण के अन्तर्गत छात्रों के मध्य प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।
6. द्वितीया दीक्षा का उद्घाटन हुआ और साक्षात्कार किया गया।
7. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण की कक्षाएँ आयोजित की गईं।

संगोष्ठियाँ - शैक्षिक स्टाफ ने वाराणसी में आयोजित 42वें अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन में भाग ग्रहण किया।

संकाय सदस्यों की पार्श्विका :

1. डॉ. (श्रीमती) शैल कुमारी मिश्रा

- (क) दो सम्पादित रचनाएँ मुद्रणाधीन।
- (ख) एक शोध-छात्र ने शोध-प्रबन्ध प्रस्तुत किया।
- (ग) 25 शोध-छात्र उनके मार्ग-दर्शन में शोध-कार्य कर रहे हैं।
- (घ) दो शोध-पेपर प्रस्तुत किए।
- (ङ) संस्कृत दिवस समारोह के मध्य नाटक मंचन में सहयोग दिया।

2. डॉ. वी.एन. गिरि

- (क) प्रकाशन हेतु चार रचनाएँ प्रारम्भ की गईं।
- (ख) एक शोध-छात्र ने शोध-प्रबन्ध प्रस्तुत किया।
- (ग) शोध उपाधि हेतु 25 शोध-छात्रों का मार्ग-दर्शन कर रहे हैं।
- (घ) पाण्डुलिपियों के सत्यापन, अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण और यदा-कदा समारोहों के संचालन में सहयोग दिया।

3. डॉ. वनमाली विस्वाल

- (क) उन्हें तीन प्रकाशनों, पाँच लेखों, तीन पुस्तक समीक्षाओं और दो दृक् के सम्पादित खण्डों का श्रेय प्राप्त है।
- (ख) तीन छात्रों ने शोध-प्रबन्ध प्रस्तुत किए।
- (ग) तीन संगोष्ठियों और एक अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन में भाग लिया।
- (घ) आकाशवाणी पर तीन बार काव्य-पाठ अनुष्ठित किया।

4. डॉ. (श्रीमती) शैलजा पाण्डेय

- (क) आठ शोध पेपर प्रस्तुत किए।
- (ख) एक रचना प्रकाशित हुई।
- (ग) संकलन तथा संपादन हेतु क्रमशः दो रचनाएँ आरम्भ कीं।

5. डॉ. (श्रीमती) बीणा मिश्रा

शोध के उद्देश्य से एक पाण्डुलिपि हेतु एक विदेशी छात्र को सहयोग दिया।

6. डॉ. राम किशोर झा

उन्हें दो प्रकाशनों का श्रेय प्राप्त है।

7. डॉ. गोपराजु रामा

(क) एक हस्तलिपि का सम्पादन किया।

(ख) ए आई ओ सी तथा संगोष्ठी हेतु लेख प्रस्तुत किए।

(ग) परीक्षा-केन्द्रों की तत्काल जाँच की गई।

वर्ष में पुस्तकालय में पुस्तकों की वृद्धि - 292.

11.2 राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) श्री सदाशिव परिसर, पुरी (उड़ीसा)

परम्परागत संस्कृत अध्ययन-अध्यापन में चिरकाल से सम्बद्ध, राज्य सरकार के अन्तर्गत संचालित सदाशिव संस्कृत कॉलेज, पुरी का 15 अगस्त, 1971 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के द्वारा अधिग्रहण किया गया।

पुराने सदाशिव संस्कृत कॉलेज, पुरी का नाम बदल कर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, पुरी रखा गया। अब यह राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के पुरी परिसर के रूप में कार्य कर रहा है।

यह परिसर साहित्य, नव्य व्याकरण, धर्मशास्त्र, पुराणेतिहास, ज्योतिष, अद्वैत वेदान्त, नव्य न्याय, सर्वदर्शन आदि विभिन्न विभागों में प्राक् शास्त्री से आचार्य तक शिक्षण प्रदान करता है। परिसर विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि हेतु शोध कार्यक्रम भी प्रस्तुत करता है।

इन विषयों के अतिरिक्त, संस्थान के पाठ्यक्रमों के अनुसार अंग्रेजी, हिन्दी, उड़िया, इतिहास और गणित जैसे कुछ आधुनिक विषयों का अध्यापन किया जा रहा है। परिसर में शिक्षाशास्त्री (प्रशिक्षण) पाठ्यक्रम भी चलाए जाते हैं।

छात्र विवरण

2. वर्ष 2004-2005 में कक्षावार छात्रों का प्रवेश :-

क्रम सं.	कक्षा	छात्र संख्या
1.	आचार्य-II	67
2.	आचार्य-I	134
3.	शिक्षाशास्त्री-I	102
4.	शास्त्री-III	40
5.	शास्त्री-II	22
6.	शास्त्री-I	44
7.	प्राक्शास्त्री-II	18
8.	प्राक्शास्त्री-I	41
	कुल	468

3. वर्ष में छात्रवृत्तियाँ प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या :-

क्रम सं.	कक्षा	छात्रों की संख्या
1.	आचार्य-II	55
2.	आचार्य-I	100
3.	शास्त्री-III	19
4.	शास्त्री-II	24
5.	शास्त्री-I	30
6.	शिक्षाशास्त्री	26
7.	प्राक्शास्त्री-II	10
8.	प्राक्शास्त्री-I	29
	कुल	293

4. वार्षिक परीक्षा, 2004-2005 के परिणामों की प्रतिशतता :-

क्रम सं.	कक्षा	प्रतिशतता (%)
1.	आचार्य-II	87.5%
2.	आचार्य-I	98.6%
3.	शिक्षाशास्त्री	95.1%
4.	शास्त्री-III	80.8%
5.	शास्त्री-II	100%
6.	शास्त्री-I	97.8%
7.	प्राक्शास्त्री-II	85%
8.	प्राक्शास्त्री-I	97.7%

5.	वर्ष में छात्रावास सुविधाएँ पाने वाले छात्रों की संख्या	:	130
6.	2004-2005 में प्रवेश पाने वाले अ.जा./अ.ज.जा. छात्रों की संख्या	:	18
7.	2004-2005 में प्रवेश पाने वाली छात्राओं की संख्या	:	212

परिसर के संकाय-सदस्यों का विवरण

नाम	पद	योग्यता	विशिष्टता
1. डॉ. वी.पी. हिमांशु	प्राचार्य	एम.ए. (संस्कृत), पी-एच.डी., डी.लिट्	साहित्य
2. डॉ. के. सुभारायुडु	रीडर	पी-एच.डी.	अद्वैतवेदान्त
3. डॉ. आर.टी. मिश्र	रीडर	एम.ए. (संस्कृत), आचार्य (साहित्य) और पुराणेतिहास, पी-एच.डी.	पुराणेतिहास
4. डॉ. एफ.एम. पण्डा	रीडर	आचार्य (पुराणेतिहास), पी-एच.डी.	पुराणेतिहास
5. डॉ. के. मिश्र	रीडर	आचार्य (धर्मशास्त्र), बी.एड., पी-एच.डी., डी.लिट्	धर्मशास्त्र
6. डॉ. चौ.एन.वी.प्रसाद राव	रीडर	आचार्य (अद्वैतवेदान्त), बी.एड., पी-एच.डी.	अद्वैतवेदान्त
7. श्री एस.वी.आर. मूर्ति	रीडर	एम.ए. (अंग्रेजी), संस्कृत में डिप्लोमा, कम्प्यूटर में सर्टिफिकेट कोर्स	अंग्रेजी
8. डॉ. एस.एन. मिश्र	रीडर	आचार्य (सिद्धान्तज्योतिष) और (फलितज्योतिष), आचार्य (साहित्य), पी-एच.डी., डी.लिट्	ज्योतिष
9. डॉ. ए.के. नन्दा	रीडर	आचार्य (धर्मशास्त्र), बी.एड., पी-एच.डी., डी.लिट्	धर्मशास्त्र
10. डॉ. एच.के. महापात्र	रीडर	आचार्य (व्याकरण), पी-एच.डी.	व्याकरण
11. डॉ. के.वी. सौमयाजलु	रीडर	एम.ए. (संस्कृत), विद्याप्रवीण, बी.एड., पी-एच.डी.	व्याकरण
12. डॉ. एम.जे. भानुमूर्ति	रीडर	विद्याप्रवीण, शिक्षाचार्य, विद्यावारिधि, एम.ए. (संस्कृत)	शिक्षाचार्य
13. डॉ. सी. उपेन्द्र राय	रीडर	एम.ए. (संस्कृत), एम.ए. (पाली), बी.एड., एम.फिल्, पी-एच.डी.	साहित्य
14. श्री बी. प्रसाद मोहन्ती	लेक्चरर (सीनियर ग्रेड)	बी.ए., एम.पी.एड., एन.आई.एस.	शारीरिक शिक्षा
15. डॉ. श्रीमती एम. रथ	सीनियर लेक्चरर	आचार्य (पुराणेतिहास), बी.एड., पी-एच.डी.	पुराणेतिहास
16. डॉ. एल.के. साहू	सीनियर लेक्चरर	एम.ए. (संस्कृत), आचार्य (धर्मशास्त्र) पी-एच.डी., डी.लिट्	धर्मशास्त्र
17. डॉ. यू.एन. झा	सीनियर लेक्चरर	आचार्य (व्याकरण), आचार्य (साहित्य), साहित्यरत्न, एम.ए. (संस्कृत), पी-एच.डी., डी.लिट्	साहित्य
18. डॉ. एम.एम. झा	सीनियर लेक्चरर	आचार्य (व्याकरण), एम.एड., पी-एच.डी.	शिक्षाशास्त्र
19. डॉ. आर.के. वर्मा	सीनियर लेक्चरर	आचार्य (वेदान्त), पी-एच.डी.	वेदान्त

20.	डॉ. श्रीमती सत्यम कुमारी	सीनियर लेक्चरर	एम.ए. (संस्कृत), आचार्य (एन.एन.) एम.ए. (राजनीतिविज्ञान), पी-एच.डी.	नव्य
21.	डॉ. एस.एम. रथ	लेक्चरर	आचार्य (साहित्य), विद्यावारिधि (पी-एच.डी.)	साहित्य
22.	श्रीमती जी.पी. दास	लेक्चरर	आचार्य (सांख्य योग), आचार्य (सांख्यदर्शन)	सांख्य योग
23.	डॉ. श्रीमती ए. परुस्ती	लेक्चरर	आचार्य (व्याकरण), बी.एड., पी-एच.डी.	व्याकरण
24.	डॉ. पी.के. महापात्र	लेक्चरर	आचार्य (फलितज्योतिष), विद्यावारिधि (पी-एच.डी.)	ज्योतिष
25.	डॉ. एस.एन. आचार्य	लेक्चरर	आचार्य (साहित्य), बी.एड., पी-एच.डी.	साहित्य
26.	डॉ. श्रीमती एस. मिश्र	लेक्चरर	आचार्य (फलितज्योतिष और सिद्धान्तज्योतिष), नेट, पी-एच.डी.	ज्योतिष
27.	डॉ. श्रीमती एन. पाणिग्रही	लेक्चरर	एम.ए. (संस्कृत), एम.एड., नेट, पी-एच.डी.	शिक्षाशास्त्र
28.	डॉ. के.एस.एस. मूर्ति	लेक्चरर	एम.ए. (संस्कृत), एम.ए. (व्याकरण), विद्या, एम.ए. (तेलगू), प्रवीण, एम.एड., पी-एच.डी., डिप्लोमा (संस्कृत)	शिक्षाशास्त्र
29.	डॉ. के.ई. मधुसूदन	लेक्चरर	आचार्य (नव्य), पी-एच.डी.	नव्य
30.	श्री वी.पी. कछवाहा	लेक्चरर	आचार्य (तुलनात्मकदर्शन), एम.ए. (संस्कृत), एम.ए. (हिन्दी), एम.एड., नेट	शिक्षाशास्त्र
31.	डॉ. एस.जी. पाण्डेय	लेक्चरर	आचार्य (अद्वैतवेदान्त), शिक्षाचार्य, (एम.एड.), एम.ए. (हिन्दी), विद्यावारिधि (पी-एच.डी.)	शिक्षाशास्त्र
32.	डॉ. श्रीमती के. महापात्र	जूनियर लेक्चरर	एम.ए. (हिन्दी), एम.ए. (संस्कृत), पी-एच.डी.	हिन्दी
33.	डॉ. एन.सी. साहू	जूनियर लेक्चरर	एम.ए. (उड़िया), बी.एड., पी-एच.डी.	उड़िया
34.	श्री पी.चै. महापात्र	जूनियर लेक्चरर	एम.ए. (इतिहास), एम.ए. (संस्कृत), बी.एड.	इतिहास
35.	श्री बी.के. पाधी	वरिष्ठ पी.जी.टी.	एम.ए. (इतिहास)	इतिहास
36.	सुश्री एस. नन्दा	वरिष्ठ पी.जी.टी.	एम.ए. (संस्कृत), आचार्य (साहित्य व सांख्य योग)	साहित्य
37.	डॉ. (श्रीमती) एस. सतपथी	वरिष्ठ पी.जी.टी.	आचार्य (साहित्यदर्शन) एस.एस. कोविद (हिन्दी) विद्यावारिधि (पी-एच.डी.)	सर्वदर्शन

38.	डॉ. एस. आचार्य	वरिष्ठ पी.जी.टी.	एम.ए. (लोक प्रशासन) एम.ए. (हिन्दी व संस्कृत), एम.एड., विद्यावारिधि (पी-एच.डी.)	हिन्दी
39.	श्री पी.सी. साहू	वरिष्ठ टी.जी.टी.	एम.एस.सी., एम.एड., प्रवीण (हिन्दी), डी.सी.एस.	गणित
40.	श्रीमती बी.एल. महन्ती	वरिष्ठ टी.जी.टी.	एम.ए. (संस्कृत), बी.एड.	साहित्य
41.	डॉ. (श्रीमती) आर.एम.प्रतिहारी	वरिष्ठ टी.जी.टी.	आचार्य (साहित्य व पी.आई), विद्यावारिधि (पी-एच.डी.)	साहित्य
42.	श्री डी.पी. दास महापात्र	वरिष्ठ टी.जी.टी.	एम.ए. (इतिहास)	इतिहास
43.	डॉ. एन.के. पाण्डेय	टी.जी.टी.	आचार्य (व्या.) एस.एस, विद्यावारिधि (पी-एच.डी.)	व्याकरण

इसके अतिरिक्त, संस्थान जिन विभिन्न विषयों में पूर्णकालिक अध्यापकों का प्रबन्ध न कर सका, उनमें अंशकालिक प्राध्यापक रखे गए। वर्ष में परिसर के शैक्षिक स्टाफ ने विविध सम्मेलनों व संगोष्ठियों में भाग ग्रहण किया।

11.3 राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) श्री रणवीर परिसर, जम्मू तवी, जम्मू और कश्मीर

जम्मू एवं कश्मीर के पूर्व महाराज श्री रणवीर सिंह जी के द्वारा संस्थापित श्री रघुनाथ संस्कृत महाविद्यालय का अधिग्रहण 1 अप्रैल, 1971 को किया गया तथा इसका नाम श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ रखा गया। प्राक् शास्त्री से आचार्य तक के छात्र यहाँ साहित्य, न्याय, व्याकरण, फलित ज्योतिष और सर्वदर्शन का अध्ययन करते हैं। संस्कृत अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए 1979 में शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम आरम्भ किया गया। शास्त्री स्तर तक पारम्परिक विषयों के साथ हिन्दी, डोगरी, अंग्रेजी, राजनीतिशास्त्र तथा इतिहास जैसे आधुनिक विषयों को पढ़ाया जाता है। परिसर में कम्प्यूटर शिक्षण सुविधा है। परिसर विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) प्रदान करने हेतु शोध-कार्य भी प्रदान करता है।

परिसर को कश्मीर शैव दर्शन परियोजना का उत्तरदायित्व सौंपा गया है जिसका उद्देश्य कश्मीर शैव दर्शन शब्दकोश का संकलन करना है।

विद्यापीठ किराये के भवन में अपना कार्य कर रहा है। जम्मू व कश्मीर की राज्य सरकार ने विद्यापीठ के भवन-निर्माण हेतु गाँव भलवाल में 84 कनाल भूमि आबंटित की है और भवन-निर्माण का कार्य प्रगति पर है। इसके शीघ्र ही पूर्ण हो जाने की संभावना है।

छात्र विवरण

वर्ष 2004-2005 में प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या निम्नलिखित है :-

क्रम सं.	कक्षा	छात्र संख्या
1.	प्राक्शास्त्री-I	
2.	प्राक्शास्त्री-II	33
3.	शास्त्री-I	39
4.	शास्त्री-II	77
5.	शास्त्री-III	67
6.	शिक्षाशास्त्री (बी.एड.)	62
7.	ज्योतिषाचार्य-I	100
8.	ज्योतिषाचार्य-II	18
9.	साहित्याचार्य-I	12
10.	व्याकरणाचार्य-I	19
11.	व्याकरणाचार्य-II	03
12.	सिद्धान्त ज्योतिषाचार्य-II	01
	कुल	01

432

वर्ष में छात्रवृत्तियाँ प्राप्त करने वाले छात्रों की कक्षावार संख्या :-

क्रम सं.	कक्षा	छात्र संख्या
1.	प्राक्शास्त्री-I	30
2.	प्राक्शास्त्री-II	13
3.	शास्त्री-I	48
4.	शास्त्री-II	30
5.	शास्त्री-III	38
6.	शिक्षाशास्त्री (बी.एड.)	50
7.	ज्योतिषाचार्य-I	09
8.	ज्योतिषाचार्य-II	12
9.	साहित्याचार्य-I	12
10.	साहित्याचार्य-II	10
11.	व्याकरणाचार्य-I	03
12.	व्याकरणाचार्य-II	01
13.	साहित्य ज्योतिष आचार्य-II	02
14.	दर्शन आचार्य-I	02
15.	दर्शन आचार्य-II	01
	कुल	261

कक्षावार परिणाम की प्रतिशतता :-

क्रम सं.	कक्षा	प्रतिशत (%)
1.	प्राक्शास्त्री-I	64%
2.	प्राक्शास्त्री-II	23%
3.	शास्त्री-I	93%
4.	शास्त्री-II	68.35%
5.	शास्त्री-III	66%
6.	शिक्षाशास्त्री (बी.एड.)	91%

7.	ज्योतिषाचार्य-I	100%
8.	ज्योतिषाचार्य-II	90%
9.	साहित्याचार्य-I	100%
10.	साहित्याचार्य-II	99%
11.	व्याकरणाचार्य-I	100%
12.	व्याकरणाचार्य-II	100%

वर्ष में छात्रावास सुविधाएँ पाने वाले छात्रों की संख्या	:	40
वर्ष 2004-2005 में प्रवेश पाने वाले अ.जा./	:	अ.जा.- 14, अ.ज.जा.-6,
अ.ज.जा. छात्रों की संख्या		शा.वि.-5
वर्ष 2004-2005 में प्रवेश पाने वाली छात्राओं की संख्या :		63
विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) हेतु पंजीकृत छात्रों की संख्या :		01

संकाय-सदस्यों का विवरण

नाम	पद	योग्यता	विशेषता
1. डॉ. जी. गंगना	प्राचार्य	दर्शन, आचार्य, पी-एच.डी. और डी.लिट्	वेदान्त
2. डॉ. के.पी. शर्मा	रीडर	व्याकरणाचार्य, एम.ए., पी-एच.डी.	व्याकरण
3. डॉ. वाई.पी. खजूरिया	रीडर	व्याकरणाचार्य, पी-एच.डी.	व्याकरण
4. डॉ. आई.एम. दास	रीडर	ज्योतिषाचार्य, पी-एच.डी.	ज्योतिष
5. डॉ. वासुदेव शर्मा	रीडर	ज्योतिषाचार्य, पी-एच.डी.	ज्योतिष
6. डॉ. वी.एम. शास्त्री	रीडर	साहित्याचार्य, पी-एच.डी.	साहित्य
7. डॉ. आर.सी. शास्त्री	रीडर	साहित्याचार्य, एम.ए., पी-एच.डी.	साहित्य
8. डॉ. बी.एन. झा	रीडर	दर्शनाचार्य, व्याकरणाचार्य, आचार्य, पी-एच.डी.	दर्शन
9. श्री के. रघुनाथ	रीडर	आचार्य (दर्शन)	दर्शन
10. श्री एस.सी. शर्मा	रीडर	एम.ए. (अंग्रेजी)	अंग्रेजी
11. डॉ. जी.पी. शर्मा	रीडर	बी.पी.ई., एम.पी.ई., एम.फिल्, पी-एच.डी.	शारीरिक शिक्षा
12. डॉ. बी.बी. मिश्र	सीनियर लेक्चरर	ज्योतिषाचार्य, पी-एच.डी.	ज्योतिष
13. डॉ. बोध कुमार झा	सीनियर लेक्चरर	व्याकरणाचार्य, पी-एच.डी.	व्याकरण
14. डॉ. रामजीवन मिश्र	लेक्चरर	ज्योतिषाचार्य, पी-एच.डी., डी.लिट्	ज्योतिष

15.	डॉ. विनोद कुमार गुप्त	जूनियर लेक्चरर	एम.ए., पी-एच.डी.	हिन्दी
16.	श्रीमती रेनु मल्होत्रा	जूनियर लेक्चरर	एम.ए., राजनीतिविज्ञान	राजनीतिविज्ञान
17.	श्री के.के. मल्होत्रा	पी.जी.टी.	एम.ए. (अंग्रेजी)	अंग्रेजी
18.	डॉ. एस.के. मिश्र	पी.जी.टी.	एम.ए. (संस्कृत), पी-एच.डी.	साहित्य
19.	डॉ. सी.एम. रैना	पी.जी.टी.	आचार्य (ज्योतिष)	ज्योतिष
20.	डॉ. राम जी पाण्डेय	पी.जी.टी.	आचार्य (व्याकरण), विद्यावारिधि	व्याकरण
21.	श्रीमती निर्मल कुमारी	टी.जी.टी.	एम.ए. (हिन्दी और डोगली)	डोगली
22.	डॉ. राज कुमार मल्होत्रा	टी.जी.टी.	एम.ए. (अंग्रेजी)	अंग्रेजी
23.	डॉ. सुरेन्द्र कुमार शर्मा	टी.जी.टी.	साहित्य (आचार्य), पी-एच.डी.	साहित्य
24.	डॉ. एस.एन. शर्मा	टी.जी.टी.	आचार्य (व्याकरण और साहित्य), एम.एड., पी-एच.डी.	व्याकरण
25.	श्रीमती विजय शर्मा	टी.जी.टी.	एम.ए. (हिन्दी और डोलगी)	हिन्दी
26.	डॉ. राम दास शर्मा	टी.जी.टी.	आचार्य (ज्योतिष)	ज्योतिष

शिक्षा-शास्त्र विभाग :

1.	डॉ. बी. भारती	लेक्चरर	आचार्य (ज्योतिष), शिक्षा, आचार्य (बौद्धदर्शन), पी-एच.डी.	ट्रेनिंग
2.	डॉ. जे.आर. शर्मा	लेक्चरर	एम.ए. (संस्कृत), एम.एड., पी-एच.डी.	ट्रेनिंग
3.	डॉ. नागेन्द्र झा	लेक्चरर	एम.ए. (संस्कृत), एम.एड., पी-एच.डी.	ट्रेनिंग
4.	डॉ. बी. पात्र	लेक्चरर	एम.ए. (संस्कृत और हिन्दी), एम.फिल्, पी-एच.डी., एम.एड.	ट्रेनिंग
5.	डॉ. चन्द्रकान्त	लेक्चरर	पी-एच.डी., एम.एड.	ट्रेनिंग

शोध सहायक :

1.	डॉ. रमेश चन्द्र होता	शोध सहायक	आचार्य, बी.एड., विद्यावारिधि	शोध
2.	डॉ. मधु कुमार मारवाह	शोध सहायक	एम.ए. (संस्कृत), एम.ए. (हिन्दी), पी-एच.डी.	शोध
3.	डॉ. सुरेश कुमार पाण्डेय	शोध सहायक	व्याकरणाचार्य, बी.एड., पी-एच.डी.	शोध
4.	डॉ. सुनीता गुप्ता	शोध सहायक	एम.ए., पी-एच.डी.	शोध

परिसर जिन विभिन्न विषयों में पूर्णकालिक अध्यापकों का प्रबन्ध न कर सका, उनमें अंशकालिक प्राध्यापक भी रखे गए। इस अवधि में परिसर के शैक्षणिक स्टाफ़ ने विविध सम्मेलनों व गोष्ठियों में भाग ग्रहण किया।

11.4 राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) गुरुवायूर परिसर, पुरनाट्टुकरा, त्रिचूर (केरल)

गुरुवायूर परिसर जो संस्थान द्वारा अधिग्रहण से पूर्व साहित्य दीपिका संस्कृत विद्यापीठ के नाम से जाना जाता था, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा संचालित दस परिसरों में से एक है। यह परिसर त्रिचूर के पास पुरनाट्टुकरा हरित क्षेत्र में स्थित है जो त्रिचूर रेलवे स्टेशन से 11 किलोमीटर की दूरी पर गुरुवायूर मन्दिर को जाने वाले मार्ग में है। लोक निर्माण विभाग द्वारा एक सुन्दर भवन का निर्माण किया गया है, जिसकी लागत 2.20 करोड़ रुपये है। मंत्रालय की सहायता से राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने परिसर के लिए द्वितीय चरण के भवन निर्माणार्थ स्वीकृति प्रदान की है जिसमें लड़के तथा लड़कियों के लिए छात्रावास, कर्मचारी आवास, पुस्तकालय भवन है तथा जिसकी लागत 6.31 करोड़ रुपये है।

इस परिसर में अनुसंधान किया जाता है जिसके उपरान्त विद्यावारिधि की उपाधि मिलती है। इसके अतिरिक्त साहित्य, व्याकरण, अद्वैत वेदान्त तथा न्याय के आचार्य तथा शास्त्री स्तर तक का अध्यापन किया जाता है। परिसर में शिक्षा शास्त्री का भी अध्ययन होता है। परिसर में कम्प्यूटर शिक्षा भी उपलब्ध है।

छात्र विवरण

2. वर्ष 2004-2005 में कक्षावार छात्रों का प्रवेश :-

क्रम सं.	कक्षा	छात्र संख्या
1.	प्राक्शास्त्री-I	
2.	प्राक्शास्त्री-II	38
3.	शास्त्री-I	49
4.	शास्त्री-II	53
5.	शास्त्री-III	56
6.	आचार्य-I	57
	(साहित्य, व्याकरण, वेदान्त और न्याय)	47
7.	आचार्य-II	
	(साहित्य, व्याकरण, वेदान्त और न्याय)	25
8.	शिक्षाशास्त्री	
9.	विद्यावारिधि	96
	कुल	01
		422

3. 2004-2005 में कक्षावार छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले छात्रों का विवरण :-

क्रम सं.	कक्षा	छात्र विवरण
1.	प्राक्शास्त्री-I	26
2.	प्राक्शास्त्री-II	11
3.	शास्त्री-I	44
4.	शास्त्री-II	28
5.	शास्त्री-III	30
6.	शिक्षा शास्त्री (बी.एड.)	50
7.	आचार्य-I (साहित्य, व्याकरण, वेदान्त और न्याय)	39
8.	आचार्य-II (साहित्य, व्याकरण, वेदान्त और न्याय)	21
9.	विद्यावारिधि	01
कुल		250

4. वार्षिक परीक्षा 2004-05 के परिणाम का प्रतिशत :-

क्र.सं.	कक्षा	प्रतिशत
1.	प्राक्शास्त्री-I	55%
2.	प्राक्शास्त्री-II	77%
3.	शास्त्री-I	74%
4.	शास्त्री-II	63%
5.	शास्त्री-III	88%
6.	आचार्य-I	83%
7.	आचार्य-II	77%
8.	शिक्षाशास्त्री	97%

विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि प्रदत्त छात्रों की संख्या - 3

संकाय सदस्यों का विवरण

नाम	पदनाम	योग्यता	विशिष्टता
1. डॉ. एन.आर. कन्नन	प्राचार्य	वेद विद्वत् शिरोमणि (न्याय, मीमांसावेदान्त) विद्यावारिधि, डी.लिट.	न्याय
2. डॉ. के.टी. माधवन	रीडर	एम.ए. (साहित्य), पी-एच.डी.	साहित्य
3. डॉ. वी.के. शैलजा	रीडर	एम.ए. (व्याकरण), पी-एच.डी.	व्याकरण
4. डॉ. सी.एल. सिसिले	रीडर	व्याकरणाचार्य, विद्यावारिधि	व्याकरण
5. श्री के.एल. सबस्टेन	रीडर	एम.ए. (अंग्रेजी)	अंग्रेजी
6. डॉ. पी.एन. शास्त्री	रीडर	विद्वदुत्तमा, एम.ए. (संस्कृत) एम.ए. (संस्कृत), एम.एड., पी-एच.डी.	शैक्षणिक
7. डॉ. च. एल.एन. शर्मा	रीडर	विद्याप्रवीण (साहित्य और व्याकरण) पी-एच.डी., एम.ए., एम.एड.	शैक्षणिक
8. डॉ. एम.ए. बाबू	रीडर	एम.ए., पी-एच.डी.	शैक्षणिक
9. डॉ. पी. इन्दिरा	लेक्चरर	एम.ए. (संस्कृत), विद्यावारिधि	साहित्य
10. डॉ. प्रतिभा आर.	सीनियर लेक्चरर	आचार्य (आधुनिक वेदान्त) पी-एच.डी.	वेदान्त
11. श्री एस.एस. शर्मा	लेक्चरर	एम.ए. (वेदान्त), बी.एड., एम.फिल्	वेदान्त
12. डॉ. के. कादम्बिनी	लेक्चरर	आचार्य (नव्य व्याकरण) एम.ए., एम.एड.	शैक्षणिक
13. डॉ. सी. सान्था	जूनियर लेक्चरर	साहित्याचार्य, विद्यावारिधि	साहित्य
14. डॉ. पी.वी. श्रीदेवी	जूनियर लेक्चरर	साहित्याचार्य, विद्यावारिधि	साहित्य
15. डॉ. के. सरलादेवी	जूनियर लेक्चरर	एम.ए. (व्याकरण), पी-एच.डी.	व्याकरण
16. डॉ. पी. उनीथान	जूनियर लेक्चरर	व्याकरणाचार्य, विद्यावारिधि	व्याकरण
17. श्रीमती के.यू. जया	जूनियर लेक्चरर	एम.ए. (इतिहास)	इतिहास
18. डॉ. वी.के. सुवैदा	जूनियर लेक्चरर	एम.ए. (हिन्दी)	हिन्दी
19. डॉ. के. कृष्णानम्बूदिरि	जूनियर लेक्चरर	एम.ए. (संस्कृत), पी-एच.डी.	साहित्य

20.	डॉ. के.ए. जैस्सी	जूनियर लेक्चरर	एम.ए., बी.एड.	मलयालम
21.	डॉ. ए.एम.सी.टी. नम्बूदिरि	जूनियर लेक्चरर	साहित्याचार्य	साहित्य

परिसर में जहाँ पूर्णकालिक शिक्षकों की व्यवस्था नहीं हो सकी उन विषयों में अंशकालिक शिक्षकों की नियुक्ति की गयी। रिपोर्ट वर्ष के दौरान परिसर के शिक्षकों ने कई संगोष्ठियों एवं सम्मेलनों में भाग लिया।

रिपोर्ट वर्ष के दौरान परिसर ने निम्नलिखित कार्य किए :

रजत-जयन्ती वर्ष :

संस्था की रजत जयन्ती वर्ष भर बृहत् प्रकार से मनाई गई। समारोह की समाप्ति पर नवम्बर 2004 में प्रो. पी. टी. कुरियाकोसे स्मारक व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। श्री तेराम्बिल रामकृष्णन्, माननीय स्पीकर, केरल विधान सभा ने समारोह का उद्घाटन किया। न्यायमूर्ति वी.आर. कृष्ण अय्यर मुख्य अतिथि थे। डॉ. के.जी. पौलोसे ने उद्घाटन भाषण दिया।

रजत-जयन्ती समारोह का आयोजन 13 दिसम्बर, 2004 से 17 दिसम्बर, 2004 तक एक सप्ताह के लिए किया गया। देश भर के बुद्धिजीवियों और सांस्कृतिक श्रेष्ठता सम्पन्न मान्य व्यक्तियों ने उपस्थित होकर तथा भाग लेकर समारोह की शोभा बढ़ाई।

विस्तार व्याख्यान माला

दिनांक 13-12-2004 से 17-12-2004 तक सप्ताह भर के समारोह के मध्य विस्तार व्याख्यान माला का आयोजन किया गया।

संस्कृत दिवस समारोह

श्रावणी पूर्णिमा पर पड़ने वाला संस्कृत दिवस सितम्बर, 2004 में उचित ढंग से मनाया गया। प्रो. ताताचार्य, भूतपूर्व कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति ने समारोह का उद्घाटन किया। कॉलेज छात्रों के मध्य विभिन्न साहित्यिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

छात्र कल्याण संघ

योग्यता-सह-उत्सुकता के आधार पर चयनित सभी वर्गों के छात्र प्रतिनिधियों के साथ छात्र कल्याण संघ का गठन किया गया। संघ का उद्घाटन डॉ. के.एन. पनिकर, कुलपति, श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कालडी द्वारा दिनांक 16 सितम्बर, 2004 को किया गया था। श्री टी.वी. चन्द्र मोहन, विधायक मुख्य अतिथि थे। प्रो. के. बालकृष्णन्, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, श्री केरल वर्मा कॉलेज, त्रिशूर ने बधाई अभिभाषण दिया।

साहित्यिक व ललित कला दिवस 31 जनवरी, 2005 से 3 फरवरी, 2005 तक मनाया गया।

खेल दिवस का आयोजन 9 से 11 फरवरी, 2005 तक किया गया। श्री विक्रम आई.पी.एस., जिला पुलिस अधीक्षक, श्रीमती बलेसी, अन्तर्राष्ट्रीय भारोत्तोलक विजेता ने पताका फहराकर खेल का शुभारम्भ किया।

पाठ्येतर गतिविधियाँ

हमारे छात्रों के एक दल ने श्री चन्द्रशेखर सरस्वती संस्कृत विश्वविद्यालय, काञ्चीपुरम में 27 से 30 दिसम्बर, 2004 तक आयोजित अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा में भाग लिया।

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने वसन्तोत्सव के उपलक्ष्य में नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया। सत्रह छात्रों ने एक दल में प्रतियोगिता में भाग ग्रहण किया तथा तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रतिभा पुरस्कार

1. श्री पी.के. फ्रांसिस स्मारक नकद पुरस्कार श्रीमती मेरीफ्रांसिस द्वारा प्रारम्भ किया गया। यह पुरस्कार आचार्य (साहित्य) प्रथम वर्ष में सर्वोच्च अंक पाने वाले को प्रदान किया जाता है।
2. श्री पी.के. जोस मास्टर प्रतिभा पुरस्कार इस संस्था के स्टाफ द्वारा आरम्भ किया गया। यह पुरस्कार आचार्य (साहित्य) प्रथम वर्ष तथा शास्त्री तृतीय वर्ष मलयालम में प्रथम स्थान पाने वाले छात्रों को दिया जाता है।
3. 101/- रुपए का हनुमन्त पुरस्कार डॉ. आर.एन. दास के द्वारा आरम्भ किया गया जो इस संस्था के प्रवाचक व प्रभारी प्राचार्य थे। यह पुरस्कार आचार्य (व्याकरण) द्वितीय वर्ष में सर्वाधिक अंक पाने वाले छात्र को प्रदान किया जाता है।
4. 101/- रुपए का श्रीराम जानकी पुरस्कार डॉ. आर.एन. दास द्वारा संस्थापित किया गया। यह पुरस्कार आचार्य द्वितीय वर्ष वेदान्त परीक्षा में शीर्ष स्थान पाने वाले को दिया जाता है।
5. 250/- रुपए का प्रो. पी.सी. वासुदेवन एलयथ स्मारक प्रतिभा पुरस्कार उनके सुपुत्र डॉ. पी.सी. मुरलीमाधवन द्वारा संस्थापित किया गया। यह पुरस्कार आचार्य (साहित्य) परीक्षा में सर्वाधिक अंक पाने वाले को दिया जाता है।
6. 501/- रुपए का प्रो. पी.टी. कुरिआकोसे मास्टर स्मारक प्रतिभा नकद पुरस्कार इस संस्था के श्री के. एल. सेबस्टेन द्वारा संस्थापित किया गया। यह पुरस्कार ऐच्छिक विषयों के निरपेक्ष आचार्य परीक्षाओं में शीर्ष स्थान पाने वाले को दिया जाता है।

संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय सम्मेलनों, प्राच्य सम्मेलनों और संस्कृत कार्यशालाओं आदि में सक्रिय सहभागिता की है।

11.5 राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)

जयपुर परिसर (राजस्थान)

यह परिसर राजस्थान संस्कृत अकादमी की संस्तुतियों के आधार पर राजस्थान के तत्कालीन मुख्यमंत्री के द्वारा तत्कालीन शिक्षामंत्री, भारत सरकार को किये गये अनुरोध के फलस्वरूप मई 1983 में स्थापित हुआ। इस परिसर के पास जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा 7.27 एकड़ भूमि त्रिवेणी नगर सी स्कीम एरिया में उपलब्ध कराई गयी है। परिसर जयपुर रेलवे स्टेशन से 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। परिसर के मुख्य भवन का निर्माण रु. 2.98 करोड़ की लागत से लगभग पूर्ण है। परिसर में रु. 2.93 करोड़ की लागत पर द्वितीय चरण का निर्माण कार्य, जिसमें छात्र-छात्राओं का छात्रावास, कर्मचारी निवास आदि हैं, स्वीकृत किया जा चुका है।

परिसर में शोध कार्य होता है जिसके उपरान्त विद्यावारिधि की उपाधि दी जाती है। इसके अतिरिक्त साहित्य, ज्योतिष, व्याकरण, दर्शन में आचार्य एवं शास्त्री स्तर का अध्ययन होता है और शिक्षा शास्त्री, शास्त्री के स्तर का भी अध्ययन परिसर में होता है। परिसर में कम्प्यूटर शिक्षा उपलब्ध है।

छात्र विवरण

2. वर्ष 2004-2005 में कक्षावार छात्रों का प्रवेश :-

क्रम सं.	कक्षा	छात्र संख्या
1.	प्राक्शास्त्री-I	39
2.	प्राक्शास्त्री-II	26
3.	शास्त्री-I	123
4.	शास्त्री-II	94
5.	शास्त्री-III	60
6.	आचार्य-I	100
7.	आचार्य-II	53
8.	शिक्षाशास्त्री	98
	कुल	593

3. वर्ष में कक्षावार छात्रवृत्ति का विवरण :-

क्रम सं.	कक्षा	छात्र विवरण
1.	प्राक्शास्त्री-I	30
2.	प्राक्शास्त्री-II	21

3.	शास्त्री-I	60
4.	शास्त्री-II	60
5.	शास्त्री-III	46
6.	आचार्य-I	53
7.	आचार्य-II	39
8.	शिक्षाशास्त्री	30
कुल		339

4. 2004-2005 वार्षिक परीक्षा के परिणाम का प्रतिशत :-

क्र.सं.	कक्षा	प्रतिशत (%)
1.	प्राक्शास्त्री-I	73.80
2.	प्राक्शास्त्री-II	88.46
3.	शास्त्री-I	94.90
4.	शास्त्री-II	92.47
5.	शास्त्री-III	96.11
6.	आचार्य-I	88.67
7.	आचार्य-II	89.00
8.	शिक्षाशास्त्री	94.89

5. वर्ष में छात्रावास सुविधाएँ पाने वाले छात्रों की संख्या : 50
6. वर्ष 2004-2005 में प्रवेश पाने वाले अ.जा./अ.ज.जा. छात्रों की संख्या : अ.जा-26, अ.ज.जा-28
7. वर्ष 2004-2005 में प्रवेश पाने वाली छात्राओं की संख्या : 58
8. विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) हेतु पंजीकृत छात्रों की संख्या : 30

संकाय-सदस्यों का विवरण

नाम	पद	योग्यता	विशिष्टता
1. डॉ. हिन्द केसरी	प्राचार्य	आचार्य पी-एच.डी.	व्याकरण
2. डॉ. सतीश किलावत	रीडर	एम.ए. (संस्कृत, इतिहास और भौतिक विज्ञान) पी-एच.डी.	राजनीतिशास्त्र

3.	डॉ. दामोदर शास्त्री	रीडर	एम.ए. (संस्कृत, हिन्दी और प्राकृत) जैनदर्शन आचार्य (व्याकरण, सर्वदर्शन और जैनदर्शन) पी-एच.डी.
4.	डॉ. जगतनारायण पाण्डेय	रीडर	आचार्य (साहित्य), एम.ए. (संस्कृत) साहित्य पी-एच.डी.
5.	डॉ. कमलनयन शर्मा	रीडर	आचार्य (मिमांसा, वेदान्त और धर्मशास्त्र), एम.ए., पी-एच.डी.
6.	डॉ. के.सी. चतुर्वेदी	रीडर	आचार्य (साहित्य और व्याकरण) साहित्य एम.ए., पी-एच.डी.
7.	डॉ. वाई.एस.रमेश	रीडर	आचार्य (साहित्य), शिक्षा आचार्य ट्रेनिंग विद्यावारिधि
8.	डॉ. श्रीमति भागवती सुदेश	रीडर	आचार्य (धर्मशास्त्र), एम.एड., धर्मशास्त्र पी-एच.डी.
9.	डॉ. शिवकान्त झा	रीडर	आचार्य (नव्य व्याकरण) व्याकरण बी.एड., पी-एच.डी.
10.	डॉ. टी.के. शर्मा	रीडर	आचार्य (साहित्य), ट्रेनिंग एम.ए. (दर्शनशास्त्र), पी-एच.डी. (दर्शनशास्त्र), एम.एड.
11.	डॉ. श्रीयांश कुमार सिंघै	रीडर	आचार्य (जैनदर्शन), एम.ए. (संस्कृत) जैनदर्शन पी-एच.डी.
12.	डॉ. सुदेश कुमार शर्मा	रीडर	आचार्य (फलित ज्योतिष और सिद्धान्त ज्योतिष), विद्यावारिधि, एम.एड.
13.	डॉ. श्रीमती सन्तोष मित्तल	रीडर	एम.ए. (संस्कृत और हिन्दी) ट्रेनिंग एम.एड., पी-एच.डी.
14.	डॉ. फतेह सिंह	रीडर	एम.ए. (संस्कृत शिक्षाचार्य) ट्रेनिंग विद्यावारिधि, शिक्षा में पी-एच.डी.
15.	डॉ. सोहन लाल पाण्डेय	रीडर	एम.ए. (संस्कृत) बी.एड., एम.एड., ट्रेनिंग पी-एच.डी.
16.	डॉ. के.पी. केशवन	रीडर	एम.ए. (संस्कृत), पी-एच.डी., साहित्य एम.ए. (मलयालम)

17.	श्री ओमप्रकाश वड़ाना	सीनियर ग्रेड लेक्चरर	एम.ए. (इतिहास), डी.पी.एड., एम.पी.एड., एम.फिल.	शारीरिक शिक्षण
18.	डॉ. श्रीधर मिश्रा	सीनियर लेक्चरर	आचार्य (व्याकरण और साहित्य) विद्यावारिधि	व्याकरण
19.	डॉ. ईश्वर भट्ट	सीनियर लेक्चरर	आचार्य, विद्यावारिधि	ज्योतिष
20.	डॉ. रामाकान्त पाण्डेय	लेक्चरर	एम.ए., पी-एच.डी.	साहित्य
21.	श्री बत्तिलाल मीना	लेक्चरर	एम.ए., एम.एड.	ट्रेनिंग

इसके अतिरिक्त परिसर में जहाँ पूर्णकालिक व्याख्याता उपलब्ध नहीं हो सके वहाँ विभिन्न विषयों में अंशकालिक व्याख्याता भी रखे गए।

पाठ्येतर गतिविधियाँ

वर्ष 2004-2005 में अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा का आयोजन काञ्चीपुरम (तमिलनाडु) में किया गया और इस परिसर के आचार्य द्वितीय वर्ष के छात्र पवन कुमार शर्मा साहित्य शलाका विषय में प्रथम रहे। उन्हें 3000/- रुपये के नकद पुरस्कार सहित स्वर्ण पदक मिला। अन्य पाँच छात्रों ने भी प्रतियोगिता में भाग लिया और प्रमाणपत्र प्राप्त किए।

इसके अतिरिक्त परिसर में संस्कृत दिवस समारोह और वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा प्रख्यात विद्वानों ने व्याख्यान दिए।

11.6 राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) लखनऊ परिसर (उ.प्र.)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ जुलाई, 1983 में स्थापित किया गया। इस परिसर के लिए 10 एकड़ भूमि गोमती नगर, विशाल खण्ड में लखनऊ विकास प्राधिकरण से प्राप्त की गयी है। यह रेलवे स्टेशन से 12 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा परिसर में रु. 2.76 करोड़ की लागत से भवन का निर्माण किया गया है। परिसर में द्वितीय चरण के भवन निर्माण हेतु जिसमें छात्र-छात्राओं के लिए छात्रावास एवं कर्मचारी आवास सम्मिलित है रु. 3.52 करोड़ स्वीकृत किये जा चुके हैं। परिसर में शोध कार्य होता है जिसके उपरान्त विद्यावारिधि की उपाधि दी जाती है। इसके साथ-साथ साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष तथा बौद्ध दर्शन में आचार्य एवं शास्त्री स्तर तक का अध्ययन होता है। शिक्षा शास्त्री, शास्त्री स्तर तक की अध्ययन सुलभ है। परिसर में कम्प्यूटर शिक्षा भी उपलब्ध है।

छात्र विवरण

2. वर्ष 2004-2005 में कक्षावार छात्रों का प्रवेश :-

क्रम सं.	कक्षा	छात्र संख्या
1.	प्राक्शास्त्री-I	30
2.	प्राक्शास्त्री-II	05
3.	शास्त्री-I	43
4.	शास्त्री-II	20
5.	शास्त्री-III	21
6.	आचार्य-I	33
7.	आचार्य-II	29
8.	शिक्षाशास्त्री	87
कुल		268

3. 2004-2005 में कक्षावार छात्रवृत्ति का विवरण :-

क्रम सं.	कक्षा	छात्र विवरण
1.	प्राक्शास्त्री-I	16
2.	प्राक्शास्त्री-II	शून्य
3.	शास्त्री-I	19

4.	शास्त्री-II	08
5.	शास्त्री-III	16
6.	आचार्य-I	14
7.	आचार्य-II	12
8.	शिक्षाशास्त्री	50
9.	पी-एच.डी.	05
कुल		140

4. 2004-2005 वार्षिक परीक्षा का परिणाम :-

क्र.सं.	कक्षा	प्रतिशत (%)
1.	प्राक्शास्त्री-I	50
2.	प्राक्शास्त्री-II	91.3
3.	शास्त्री-I	91.7
4.	शास्त्री-II	84
5.	शास्त्री-III	95
6.	आचार्य-I	94.4
7.	आचार्य-II	75
8.	शिक्षाशास्त्री	95.4

वर्ष 2004-2005 में अ.जा./अ.ज.जा. विद्यार्थियों का प्रवेश : अ.जा. - 12, अ.ज.जा. - 06
वर्ष 2004-2005 में प्रवेश प्राप्त महिला छात्रों की : 66
वर्ष में विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) छात्रों का नामांकन : शून्य

संकाय-सदस्यों का विवरण

नाम	पदनाम	योग्यता	विशिष्टता
1. डॉ. उमा रमण झा	प्राचार्य	एम.ए. (संस्कृत), आचार्य (न्याय)	दर्शन
2. डॉ. सुरेन्द्र झा	रीडर	पी-एच.डी., डी.लिट आचार्य (व्याकरण) आचार्य (धर्मशास्त्र)	शिक्षाशास्त्र

3.	डॉ. एस.एन. झा	रीडर	आचार्य (सिद्धान्त ज्योतिष) आचार्य (फलित ज्योतिष) पी-एच.डी., डी.लिट.	ज्योतिष
4.	डॉ. एम. चन्द्रशेखर	रीडर	आचार्य, (अ. वेदान्त) पी-एच.डी.	शिक्षाशास्त्र अद्वैत वेदान्त
5.	डॉ. एस.के. चतुर्वेदी	रीडर	एम.ए. (संस्कृत), पी-एच.डी.	व्याकरण
6.	डॉ. आर.एस. मिश्रा	रीडर	आचार्य (व्याकरण), एम.एड., पी-एच.डी.	व्याकरण शिक्षाशास्त्री
7.	डॉ. बटोही झा	रीडर	साहित्याचार्य, बी.एड., विद्यावारिधि	साहित्य
8.	डॉ. वी.के. जैन	रीडर	एम.ए. (पाली), आचार्य, बौद्धदर्शन, पी-एच.डी.	बो)दर्शन
9.	डॉ. एस.के. पाण्डेय	रीडर	एम.ए. (हिन्दी, संस्कृत और भाषा) बी.एड., पी-एच.डी.	हिन्दी
10.	डॉ. विजयपाल शास्त्री	रीडर	एम.ए., आचार्य (पी-एच.डी.)	साहित्य
11.	डॉ. लोकमान्य मिश्र	रीडर	एम.ए. (संस्कृत), एम.एड., पी-एच.डी.	शिक्षाशास्त्र
12.	डॉ. धनिन्द्र कुमार झा	लेक्चरर	एम.ए. (संस्कृत), एम.एड., पी-एच.डी.	व्याकरण
13.	श्री जय प्रकाश नारायण	लेक्चरर	एम.ए., बी.एड., एम.फिल्., नेट	साहित्य
14.	डॉ. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम्	लेक्चरर	आचार्य, नेट	साहित्य
15.	डॉ. भरत भूषण त्रिपाठी	लेक्चरर	आचार्य (नव्य व्याकरण), आचार्य (साहित्य), पी-एच.डी., नेट, जे.आर.एफ.	व्याकरण
16.	श्री रमेश सिंह	सीनियर लेक्चरर	पी.टी.आई.एम.ए., एम.पी.एड.	स्पोर्ट्स
17.	डॉ. (श्रीमती) ए. अग्रवाल	लेक्चरर	एम.ए. (मनोविज्ञान) एम.एड., पी-एच.डी.	शिक्षाशास्त्र
18.	श्री जगन्नाथ झा	जूनियर लेक्चरर	एम.ए. (अर्थशास्त्र), एम.ए. (राजनीतिशास्त्र), एल.एल.बी.	राजनीतिशास्त्र
19.	श्रीमती कविता बिसारिया	जूनियर लेक्चरर	एम.ए. (अंग्रेजी और भाषाविज्ञान), एम.एड.	अंग्रेजी भाषा
20.	डॉ. एस.पी. सिंह	जूनियर लेक्चरर	एम.कॉम, बी.एड., पी-एच.डी.	अर्थशास्त्र
21.	डॉ. आर.बी. दुबे	शोध सहायक		शोध

इसके अतिरिक्त, परिसर में जहाँ पूर्णकालिक शिक्षकों की व्यवस्था नहीं हो सकी, वहाँ अंशकालिक व्याख्याताओं की व्यवस्था की गयी।

संकाय-सदस्यों की पार्श्विका :

1. डॉ. बटोही झा

- (क) गीतानन्तरसम्, भाग-4 रचना का प्रकाशन।
- (ख) दो प्रकाशित शोध लेख।
- (ग) 42 वें अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन में भाग लिया और पेपर प्रस्तुत किया।
- (घ) आकाशवाणी, लखनऊ में दो बार काव्य-पाठ किया।

2. डॉ. विजय कुमार जैन

- (क) एक प्रकाशित रचना।
- (ख) दो शोध लेख।
- (ग) 8 संगोष्ठियों में भाग लिया और पेपर प्रस्तुत किए।

3. डॉ. जे.पी. नारायण

- (क) 42 वें अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन में शोध लेख प्रस्तुत किया।
- (ख) प्रो. आर.एन. शर्मा द्वारा दिल्ली में आयोजित व्याख्यान संगोष्ठी में भाग लिया।
- (ग) आकाशवाणी में तीन बार काव्य-पाठ किया।

4. डॉ. लोकमान्य मिश्र

- (क) छः संगोष्ठियों में सहभागिता की और पेपर प्रस्तुत किए।
- (ख) एक रचना तथा चार शोध लेख प्रकाशित किए।

5. डॉ. शिशिर कुमार पाण्डेय

- (क) वर्ष 2004 में उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान द्वारा 'सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय' पुरस्कार प्रदान किया गया।
- (ख) तीन प्रकाशित रचनाएँ और अन्य कई लेख।
- (ग) आकाशवाणी वार्ताएँ और दूरदर्शन हेतु आलेख।
- (घ) शैक्षिक व सांस्कृतिक संगोष्ठियों का आयोजन किया।

6. डॉ. अवनीश अग्रवाल

- (क) यू.जी.सी. द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- (ख) दो-दो दिन की दो राष्ट्रीय संगोष्ठियों में भाग लिया।
- (ग) जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा संचालित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।

पाठ्येतर गतिविधियाँ

इस वर्ष में निम्नलिखित गतिविधियाँ सम्पन्न की गईं—

1. परिसर में संस्कृत सप्ताह।
2. शिक्षा-शास्त्री छात्रों को प्रथम उपचार प्रशिक्षण।
3. इलाहाबाद में स्काउट सहायता मार्गदर्शक शिविर।
4. शिक्षा-शास्त्री छात्रों की वार्षिक प्रायोगिक परीक्षा।
5. पर्यावरण पर विशिष्ट व्याख्यान।
6. वार्षिक समारोह।

क्र.सं.	विवरण	दिनांक	स्थान
1.	परिसर में संस्कृत सप्ताह	1-10/11/2011	संस्कृत विभाग
2.	शिक्षा-शास्त्री छात्रों को प्रथम उपचार प्रशिक्षण	15-16/11/2011	शिक्षा-शास्त्री विभाग
3.	इलाहाबाद में स्काउट सहायता मार्गदर्शक शिविर	20-22/11/2011	स्काउट विभाग
4.	शिक्षा-शास्त्री छात्रों की वार्षिक प्रायोगिक परीक्षा	25-27/11/2011	शिक्षा-शास्त्री विभाग
5.	पर्यावरण पर विशिष्ट व्याख्यान	30/11/2011	पर्यावरण विभाग
6.	वार्षिक समारोह	05/12/2011	मुख्यालय

11.7 राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी (कर्नाटक)

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान ने राजीव गांधी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ (अब परिसर) की स्थापना शृंगेरी में 13-1-1992 को की। मानव संसाधन विकास मंत्री की उपस्थिति में दिनांक 05.03.92 को भारत के राष्ट्रपति के द्वारा इस परिसर का उद्घाटन किया गया। इस परिसर के लिए राज्य सरकार द्वारा 10 एकड़ भूमि प्रदान की गयी है। यह परिसर कर्नाटक राज्य के चिकमंगलूर जिले में स्थित है जो मैंगलूर से 110 कि.मी., बंगलूर से 450 कि.मी., उडुपी से 70 कि.मी. और शिमोगा से 60 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। शिमोगा बंगलूर से रेल रूट द्वारा जुड़ा हुआ है।

परिसर के लिए केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा रु. 1.63 करोड़ की लागत से भवन निर्माण किया गया है। द्वितीय चरण का निर्माण, जिसमें छात्रावास, कर्मचारी आवास सम्मिलित हैं, रु. 4.17 करोड़ की लागत पर किया जा रहा है। परिसर में शोध कार्य किया जाता है जिसके उपरान्त विद्यावारिधि की उपाधि प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त साहित्य, व्याकरण, अद्वैत वेदान्त, मीमांसा का अध्ययन आचार्य तथा शास्त्री स्तर पर सुलभ है। परिसर में शिक्षा-शास्त्री का भी अध्ययन होता है। परिसर में कम्प्यूटर शिक्षा की सुविधा भी उपलब्ध है।

छात्र विवरण

2. वर्ष 2004-2005 में कक्षावार छात्रों का प्रवेश :-

क्रम सं.	कक्षा	छात्र संख्या
1.	प्राक्शास्त्री-I	
2.	प्राक्शास्त्री-II	27
3.	शास्त्री-I	20
4.	शास्त्री-II	32
5.	शास्त्री-III	25
6.	आचार्य-I	14
7.	आचार्य-II	17
8.	शिक्षाशास्त्री (बी.एड.)	06
	कुल	98
		239

3. 2004-2005 में कक्षावार छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले छात्रों का विवरण :-

क्रम सं.	कक्षा	छात्र विवरण
1.	प्राक्शास्त्री-I	
2.	प्राक्शास्त्री-II	26
		20

3.	शास्त्री-I	31
4.	शास्त्री-II	25
5.	शास्त्री-III	14
6.	आचार्य-I	18
7.	आचार्य-II	06
8.	शिक्षाशास्त्री (बी.एड.)	49
कुल		189

4.	वर्ष 2004-2005 में छात्रावास की सुविधा प्राप्त छात्र	:	63
5.	वर्ष 2004-2005 में अ.जा./अ.ज.जा. विद्यार्थियों का प्रवेश	:	अ.जा. + अ.ज.जा.-23
6.	वर्ष 2004-2005 में महिला छात्रों की प्रवेश संख्या	:	49
7.	वर्ष में विद्यावारिधि के लिए पंजीकृत छात्र	:	05

संकाय-सदस्यों का विवरण

क्रमांक	नाम	पद	योग्यता	विशिष्टता
1.	डॉ. कमल चन्द्र योगी	प्राचार्य	शास्त्री/बी.ए. (व्याकरण और अंग्रेजी) एम.ए. (साहित्य), भाषाविज्ञान आचार्य (नव्य व्याकरण), पोस्ट एम.ए. (अंग्रेजी और हिन्दी), शिक्षा शास्त्री (बी.एड.), विद्यावारिधि (व्याकरण), कम्प्यूटर विज्ञान में एडवान्स एन.एल.पी.	व्याकरण
2.	डॉ. ए.पी. सच्चिदानन्द	रीडर	विद्वदुत्तमा, शिक्षा शास्त्री, एम.एड., विद्यावारिधि	शैक्षणिक
3.	डॉ. महावलेश्वर पी. भट्ट	रीडर	विद्वदुत्तमा (एम.ए.), विद्यावारिधि	अद्वैत वेदान्त
4.	डॉ. ई.एम. राजन	रीडर	आचार्य (साहित्य, वेदान्त)	साहित्य
5.	डॉ. सुब्राय वी. भट्ट	सीनियर लेक्चरर	विद्वदुत्तमा (मीमांसा, नव्य और धर्मशास्त्र), एम.ए. (संस्कृत), विद्यावारिधि	मीमांसा
6.	डॉ. रमाकान्त मिश्र	लेक्चरर	शास्त्री (बी.ए.), व्याकरणाचार्य, (एम.ए.), शिक्षाशास्त्री (बी.एड. और एम.एड.) नेट, विद्यावारिधि (पी-एच.डी.)	शैक्षणिक

7.	डॉ. ई.पी. श्रीदेवी	लेक्चरर	शास्त्री (बी.ए.), शिक्षाशास्त्री, बी.एड., आचार्य (एम.ए.), विद्यावारिधि (पी-एच.डी.)	साहित्य
8.	श्री के.के. हर्ष कुमार	लेक्चरर	बी.ए. (वेदान्त), एम.ए. (संस्कृत वेदान्त), नेट, शिक्षा शास्त्री (बी.एड.), शिक्षा शास्त्री (एम.एड.)	शैक्षणिक
9.	डॉ. रामाचन्द्रुला बालाजी	लेक्चरर	नव्य विद्याप्रवीण (एम.ए.), एम.ए. (दर्शन और तेलगू), शिक्षा शास्त्री (बी.एड. और एम.एड.), विद्यावारिधि (पी-एच.डी.)	शैक्षणिक
10.	श्री सी.एस.एन. मूर्ति	लेक्चरर	व्याकरण विद्याप्रवीण, शिक्षाशास्त्री, एम.ए. (संस्कृत और तेलुगु), विद्यावारिधि	व्याकरण

इसके अतिरिक्त, जिन परिसरों में पूर्णकालिक शिक्षकों की व्यवस्था नहीं हो सकी, उनमें अंशकालिक शिक्षकों की भी व्यवस्था की गई।

पाठ्येतर गतिविधियाँ

विस्तार व्याख्यान माला

डॉ. वी. मुरलीधर शर्मा, प्रोफेसर, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति ने शिक्षाशास्त्री छात्रों को शैक्षणिक मनोविज्ञान, शैक्षणिक टेकनालजी और भारतीय विज्ञान पर भाषण दिया। पण्डित कृष्ण मूर्ति ने भी साहित्य पर भाषण दिया।

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण पाठ्यक्रम का उद्घाटन श्री भास्कर राव, शाखा प्रबन्धक, स्टेट बैंक ऑफ मैसूर, शृंगेरी द्वारा 5.8.2004 को किया गया। इसका आयोजन तीन महीने के लिए किया गया। डॉ. रामाकान्त मिश्र तथा डॉ. चन्द्रकान्त प्राध्यापकों को संयोजक प्रतिनियुक्त किया गया और भगवान सामन्तराय को कक्षाएँ चलाने के लिए राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली द्वारा शिक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया। इसका समापन समारोह श्रीकृष्ण, अनुभाग अधिकारी (दूरभाष केन्द्र), शृंगेरी द्वारा 7.11.2004 को आयोजित किया गया। तत्पश्चात् अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण पाठ्यक्रम की द्वितीय दीक्षा अगले तीन महीनों के लिए दिनांक 2.2.2005 को आरम्भ की गई।

नाटक प्रतियोगिता

प्राचार्य और डॉ. ई.एम. राजन्, रीडर, श्रीमती कविता, कन्नड़ में पी.टी. (प्रा.) के साथ आए छात्रों ने राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली द्वारा कमानी प्रेक्षागृह में आयोजित राष्ट्रीय स्तर नाटक प्रतियोगिता में भाग लिया और प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। भास के नाटक 'चारुदत्त' का निर्देशन डॉ. ई.एम. राजन्,

साहित्याध्यक्ष, डॉ. रामचन्द्रुल बालाजी, शिक्षा-शास्त्र प्राध्यापक तथा डॉ. के.के. हर्ष कुमार, शिक्षा-शास्त्र प्राध्यापक ने किया।

स्थानान्तरण

डॉ. चन्द्रकान्त, प्राध्यापक और श्री रवीन्द्रन के.एम. आशुलिपिक (उच्च श्रेणी) को क्रमशः रणवीर परिसर व गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर में स्थानान्तरित किया गया।

संगोष्ठी/सभा/समारोह में व्यक्तिगत सहभागिता :

1. डॉ. कमल चन्द्र योगी :

- (क) सिंहस्थ मेला शिविरम, उज्जैन में दिनांक 1.5.2004 से 3.5.2004 तक आयोजित अखिल भारतीय संस्कृत सम्मेलन में भाग लिया।
- (ख) एस.एम.एस.पी. संस्कृत कॉलेज, उडुपी में अखिल भारतीय संस्कृत सम्मेलन व शतमानोत्सव के विदाई समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इसका आयोजन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (दिल्ली विश्वविद्यालय), नई दिल्ली द्वारा दिनांक 17.11.2004 से 22.11.2004 तक किया गया। इसमें संस्थान के समक्ष अधिकारी-वर्ग के अनुदेशानुसार राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के प्रकाशनों को प्रदर्शित किया गया।
- (ग) दिनांक 01.12.2004 को स्वर्णवल्ली में उत्तरकन्नड़ मण्डल स्तरीय संस्कृतोत्सव पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।
- (घ) दिनांक 25 से 27 दिसम्बर 2004 तक कोटा (राजस्थान) में अखिल भारतीय विद्वत् ज्योतिष संगोष्ठी में भाग लिया।
- (ङ) अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण पाठ्यक्रम, द्वितीया दीक्षा के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग ग्रहण किया। यह समारोह तिरुपति में 1 व 2 जनवरी 2005 को आयोजित किया गया।
- (च) कालभैरवेश्वर संस्कृत वेद आगम कॉलेज अडिचुञ्चनगिरि, मांड्य (कर्नाटक) में दिनांक 03.01.2005 को संस्कृतोत्सव तथा स्थानीय विद्यालयों व महाविद्यालयों के वार्षिक समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।
- (छ) नई दिल्ली में जुलाई 2004 व मार्च 2005 के मध्य इस परिसर की विविध समस्याओं के समाधान हेतु प्राचार्य बैठक में भाग लिया।

2. डॉ. ए.पी. सच्चिदानन्द :

- (क) कडवल्लुर में आयोजित ऋग्वेद अन्योन्यम् से सम्बन्धित वाक्यार्थ सदस् में भाग ग्रहण किया।
- (ख) उडुपी में आयोजित एस.एम.एस.पी. संस्कृत कॉलेज शतमानोत्सव सभा में भाग लिया।
- (ग) दिनांक 1.1.2005 से 9.1.2005 तक तिरुपति में आयोजित अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण, द्वितीया दीक्षा

प्रशिक्षण कैम्प में रिसोर्स पर्सन (सम्पद् व्यक्ति) के रूप में भाग लिया।

3. डॉ. ई.एम. राजन् :

- (क) कडवल्लुर ऋग्वेद अन्योन्यम् में विभिन्न शैक्षणिक विषयों, वाक्यार्थ में भाग लिया।
- (ख) रेवती पट्टथानम् कालीकट में वाक्यार्थ सदस् में भाग लिया।
- (ग) श्री शंकराचार्य यूनिवर्सिटी, कालडी और गुरुवायूर परिसर में संगोष्ठी में भाग लिया।
- (घ) त्रिशूर ब्रह्म सेवा मठ में वाक्यार्थ सदस् में भाग लिया और काञ्ची यूनिवर्सिटी में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम हेतु कक्षाएँ चलायीं।

4. डॉ. महाबलेश्वर पी. भट :

- (क) मार्च 2004 के मध्य स्वर्णवल्ली मठ में शास्त्र-गोष्ठी में भाग लिया।
- (ख) नवम्बर 2004 में रेवती पट्टथानम्, कालीकट (केरल) में शास्त्र-गोष्ठी में भाग लिया।
- (ग) वाक्यार्थ सभा, बेंगलूर और येदात्रेय मठ, के.आर. नगर में भाग लिया।

5. डॉ. सुब्राय वी. भट्ट :

- (क) सितम्बर 2004 में शारदा पीठम शृंगेरी में गणेश चतुर्थी व्याकरण सभा में भाग लिया।
- (ख) नवम्बर 2004 में वाराणसी में अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन में भाग लिया।
- (ग) जनवरी 2005 में राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ तिरुपति में यू.जी.सी. पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में सहभागिता की।
- (घ) मई 2004 में स्वर्णवल्ली मठ, स्वर्णवल्ली में शास्त्र-गोष्ठी में भाग ग्रहण किया।

6. डॉ. रमाकान्त मिश्र :

- (क) दिसम्बर 2004 में उडुपी संस्कृत कॉलेज में संस्कृत भारती द्वारा प्रायोजित शिक्षक प्रशिक्षण का संस्कृत में संचालन किया।
- (ख) इलाहाबाद में अनुस्थापन कार्यक्रम में भाग लिया।

7. डॉ. ई.पी. श्रीदेवी :

दिनांक 27.01.2005 से 23.02.2005 तक यू.जी.सी. अकादमिक स्टाफ कॉलेज, कालीकट यूनिवर्सिटी में अनुस्थापन कार्यक्रम में सहभागिता की।

8. डॉ. के.के. हर्ष कुमार :

त्रिवेन्द्र में अनुस्थापन कार्यक्रम में भाग ग्रहण किया।

9. डॉ. रामचन्द्रुल बालाजी :

- (क) सितम्बर 2004 में शारदापीठम शृंगेरी में गणेश चतुर्थी वाक्यार्थ सभा में भाग लिया।
- (ख) दिनांक 6 दिसम्बर 2004 से 21 दिसम्बर 2004 तक हैदराबाद में अनुस्थापन कार्यक्रम में भाग लिया। इसका आयोजन सांस्कृतिक संसाधन व प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा किया गया था।
- (ग) दिनांक 2 से 5 जनवरी, 2005 तक तिरुपति में रिसोर्स पर्सन (सम्पद् व्यक्ति) के रूप में नेट पाठ्यक्रम में भाग लिया।
- (घ) दिनांक 7 से 9 जनवरी 2005 तक पूना में सुब्रह्मण्य वाक्यार्थ सभा में सहभागिता की।

10. डॉ. सी.एस.एस.एन. मूर्ति :

- (क) 2 से 29 अगस्त 2004 तक इलाहाबाद में अनुस्थापन कार्यक्रम में भाग लिया।
- (ख) सितम्बर 2004 में शारदा पीठम शृंगेरी में गणेश चतुर्थी वाक्यार्थ सभा में भाग लिया।
- (ग) स्वर्णवल्ली मठ, स्वर्णवल्ली सोंधा में शास्त्र-गोष्ठी में भाग लिया।

छात्रगण :

1. श्री श्रीराम ए.एस., आचार्य प्रथम वर्ष ने श्री चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती विश्व महाविद्यालय, काञ्चीपुरम (तमिलनाडु) में आयोजित मीमांसा में प्रथम पुरस्कार और अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
2. श्री विष्णुमूर्ति भट, आचार्य प्रथम वर्ष ने श्री चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती विश्व महाविद्यालय, काञ्चीपुरम (तमिलनाडु) में आयोजित अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा में समस्या पूर्ति में प्रथम पुरस्कार तथा स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
3. मैसूर (कर्नाटक) में आयोजित अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता में सहभागिता हेतु छात्रों का चयन किया गया। उसमें भी श्री विष्णुमूर्ति भट को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में काव्य शलाका में प्रथम पुरस्कार मिला।
4. श्री महेश भट, आचार्य प्रथम वर्ष और श्री शिवराम भट, आचार्य प्रथम वर्ष को क्रमशः ज्योतिष में द्वितीय पुरस्कार और व्याकरण में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। परिसर के रजत-जयन्ती समारोह के सन्दर्भ में गुरुवायूर परिसर में राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित अन्त्याक्षरी प्रतियोगिता में श्री शिवराम भट को तृतीय पुरस्कार भी मिला।
5. मैसूर (कर्नाटक) में आयोजित अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता में सहभागिता हेतु छात्रों का चयन किया गया। उसमें श्री प्रकाश जी भट, शास्त्री तृतीय वर्ष को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अलंकार शास्त्र में तृतीय पुरस्कार मिला।
6. क्रमशः आचार्य द्वितीय वर्ष साहित्य और वेदान्त की छात्राओं कुमारी इला और कुमारी सुविता ने राष्ट्रीय स्तर की त्रिपुणीतरा वाक्यार्थ सदस्, केरल में पुरस्कार प्राप्त किया।

11.8 राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) गरली परिसर (हिमाचल प्रदेश)

भारतीय स्वाधीनता के स्वर्ण जयन्ती वर्ष में हिमाचल प्रदेश के गरली नामक स्थान में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ ने कार्य करना प्रारम्भ किया। इस विद्यापीठ का उद्घाटन तत्कालीन शिक्षा राज्य मंत्री माननीय मुहीराम साइकिया के द्वारा तत्कालीन मुख्य मंत्री हिमाचल प्रदेश की उपस्थिति में 16 सितम्बर 1997 को किया गया। परिसर अभी किराये के भवन में चल रहा है। परिसर के लिए हिमाचल सरकार से भूमि की मांग की गयी है। परिसर में शोध-कार्य किया जाता है जिसके उपरान्त विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) की उपाधि दी जाती है। इसके अलावा साहित्य, ज्योतिष एवं व्याकरण का अध्यापन आचार्य एवं शास्त्री स्तर तक होता है।

छात्र विवरण

2. वर्ष 2004-2005 में कक्षावार छात्रों का प्रवेश :-

क्रम सं.	कक्षा	छात्र संख्या
1.	प्राक्शास्त्री-I	61
2.	प्राक्शास्त्री-III	49
3.	शास्त्री-I	96
4.	शास्त्री-II	57
5.	शास्त्री-III	63
6.	आचार्य-I	71
7.	आचार्य-II	65
कुल		462

3. 2003-2004 में कक्षावार छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या :-

क्रम सं.	कक्षा	छात्र संख्या
1.	प्राक्शास्त्री-I	60
2.	प्राक्शास्त्री-II	20
3.	शास्त्री-I	51
4.	शास्त्री-II	46
5.	शास्त्री-III	43
6.	आचार्य-I	34
7.	आचार्य-II	35
कुल		289

4. कक्षावार परिणाम का प्रतिशत :-

क्र.सं.	कक्षा	प्रतिशत (%)
1.	प्राक्शास्त्री-I	100
2.	प्राक्शास्त्री-II	69

3.	शास्त्री-I	100
4.	शास्त्री-II	100
5.	शास्त्री-III	91
6.	आचार्य-I	99
7.	आचार्य-II	92

5.	2004-2005 में अ.जा./अ.ज.जा. विद्यार्थियों के प्रवेश	: 19
6.	2004-2005 में महिला छात्रों की प्रवेश संख्या	: 174
7.	विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) हेतु छात्रों का नामांकन	: शून्य

संकाय-सदस्यों का विवरण

नाम	पद	योग्यता	विशिष्टता
1. डॉ. हिन्द केसरी	प्राचार्य	आचार्य, पी-एच.डी.	व्याकरण
2. डॉ. रामनारायण दास	रीडर	आचार्य, पी-एच.डी.	व्याकरण
3. डॉ. रामलखन पाण्डेय	रीडर	आचार्य, पी-एच.डी.	साहित्य
4. डॉ. हरीनारायण तिवारी	रीडर	आचार्य, पी-एच.डी., डी.लिट.	व्याकरण
5. डॉ. एम.एम. पाठक	रीडर	आचार्य, पी-एच.डी.	ज्योतिष
6. डॉ. रामकुमार शर्मा	रीडर	आचार्य, पी-एच.डी.	साहित्य
7. डॉ. हंसधर झा	लेक्चरर	आचार्य, पी-एच.डी.	ज्योतिष
8. डॉ. अशोक चन्द्र गौर	लेक्चरर	आचार्य, पी-एच.डी.	व्याकरण
9. श्री किशोर कुमार दलाई	लेक्चरर	आचार्य, नेट	साहित्य
10. डॉ. एस.के. त्रिपाठी	लेक्चरर	आचार्य, पी-एच.डी.	साहित्य

इसके अतिरिक्त, परिसर में जहाँ विभिन्न विषयों में पूर्णकालिक शिक्षकों की व्यवस्था नहीं हो सकी, वहाँ अंशकालिक लेक्चररों की व्यवस्था की गई। वर्ष के दौरान परिसर के शैक्षिक स्टाफ ने विभिन्न सम्मेलनों और सेमिनारों में भाग लिया।

छात्रगण पार्श्विका

(क) वसन्तोत्सव अवसर पर 'उरुभंगम्' नाटक के मंचन पर परिसर के अभिषेक शर्मा, नवीन और कपिल कुमार नामक छात्रों को अभिनय में सान्त्वना पुरस्कार प्रदान किए गए।

(ख) विश्वेश्वरानन्द वैदिक शोध संस्थान, होशियारपुर (पंजाब) द्वारा आयोजित संस्कृत वाद-विवाद प्रतियोगिता में कुमारी मीनक्षी शर्मा, शास्त्री तृतीय वर्ष की छात्रा को गीतिका पुरस्कार प्रदान किया गया।

11.9 राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) भोपाल परिसर (मध्य प्रदेश)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने सन् 2001-2002 में भोपाल में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना की। राज्य सरकार द्वारा इस परिसर के लिए बरकातुला विश्वविद्यालय के पास 10 एकड़ भूमि आवंटित की है। इस परिसर की चारदीवारी सी.पी.डब्ल्यू.डी. द्वारा पहले ही बना दी गई है। जब तक आवंटित भूमि पर भवन का निर्माण नहीं हो जाता, परिसर किराये के भवन में चल रहा है। परिसर में शैक्षणिक गतिविधियाँ 2002-2003 से प्रारम्भ हुयीं। परिसर में शोध-कार्य होता है जिसके उपरान्त विद्यावारिधि की उपाधि दी जाती है। इसके अलावा साहित्य, व्याकरण तथा ज्योतिष का अध्ययन आचार्य तथा शास्त्री स्तर तक होता है। शिक्षा शास्त्री का अध्ययन शास्त्री स्तर पर सुलभ है। परिसर में कम्प्यूटर की शिक्षा उपलब्ध है।

छात्र विवरण

2. वर्ष 2004-2005 में कक्षावार छात्रों का प्रवेश :-

क्रम सं.	कक्षा	छात्र संख्या
1.	प्राक्शास्त्री-I	35
2.	प्राक्शास्त्री-II	24
3.	शास्त्री-I	27
4.	शास्त्री-II	13
5.	शास्त्री-III	19
6.	ज्योतिषाचार्य-I	02
7.	साहित्याचार्य-I	02
8.	व्याकरणाचार्य-I	03
9.	ज्योतिषाचार्य-II	02
10.	साहित्याचार्य-II	07
11.	व्याकरणाचार्य-II	01
12.	शिक्षाशास्त्री	98
कुल		233

3. वर्ष 2004-2005 में कक्षावार छात्रवृत्ति का विवरण :-

क्रम सं.	कक्षा	छात्र संख्या
1.	प्राक्शास्त्री	37
2.	शास्त्री	38
3.	आचार्य	11
4.	शिक्षाशास्त्री	50
कुल		136

4. वार्षिक परीक्षा 2004-2005 के परिणाम का प्रतिशत :-

क्र.सं.	कक्षा	प्रतिशत (%)
1.	प्राक्शास्त्री	75.86
2.	प्राक्शास्त्री-II	47.82
3.	शास्त्री-I	80.00
4.	शास्त्री-II	92.3
5.	शास्त्री-III	63.5
6.	ज्योतिषाचार्य-I	50.00
7.	साहित्याचार्य-I	100.00
8.	व्याकरणाचार्य-I	100.00
9.	ज्योतिषाचार्य-II	100.00
10.	साहित्याचार्य-II	85.71
11.	व्याकरणाचार्य-II	100.00
12.	शिक्षाशास्त्री	97.95

5. वर्ष में छात्रावास सुविधा प्राप्त छात्रों की संख्या : 98

6. वर्ष 2004-2005 में महिला छात्रों की प्रवेश संख्या : 15

7. संकाय सदस्यों का विवरण

नाम	पद	योग्यता	विशिष्टता
1. डॉ. आजाद मिश्र	ओ.एस.डी.	आचार्य (व्याकरण, साहित्य) एम.ए. (संस्कृत), पी-एच.डी. (भाषाविज्ञान)	व्याकरण

2.	डॉ. पी.जी. श्रीनिवास	रीडर, व्याकरण	एम.ए. संस्कृत	व्याकरण
3.	डॉ. वी.एन. चौधरी	रीडर (प्रशिक्षण)	आचार्य, एम.एड., पी-एच.डी	शिक्षा
4.	डॉ. सुरेन्द्र पाठक	रीडर, व्याकरण	व्याकरणाचार्य, पी-एच.डी	व्याकरण
5.	डॉ. (श्रीमती) पी.डी. चौधरी	रीडर, प्रशिक्षण	एम.ए., एम.एड., पी-एच.डी.	शिक्षा
6.	डॉ. अर्चना दुबे	रीडर, प्रशिक्षण	एम.एड., पी-एच.डी.	हिन्दी
7.	डॉ. देवीप्रसाद द्विवेदी	लेक्चरर, प्रशिक्षण	एम.ए., एम.एड., पी-एच.डी.	शिक्षा
8.	डॉ. के.के. शिने	लेक्चरर, प्रशिक्षण	एम.ए., पी-एच.डी.	शिक्षा

इसके अतिरिक्त, परिसर में जिन विषयों में पूर्णकालिक व्याख्याता नियुक्त नहीं किए जा सके, उन विषयों में अंशकालिक शिक्षक रखे गए।

वार्षिक समारोह

23.3.2005

सम्माननीय अतिथि

1. माननीय डॉ. बलराम जाखड़ जी
राज्यपाल, म.प्र.
2. डॉ. महेन्द्र सिंह चौहान
अध्यक्ष, टी.टी.टी.आई.
3. श्री सुभाष चन्द्र त्रिपाठी
भूतपूर्व डी जी पी, म.प्र.
4. श्री सीताराम पाण्डेय
मुख्य अभियन्ता, सी.पी.डब्ल्यू.डी.

संस्कृत दिवस समारोह

सम्माननीय अतिथि

1. माननीय डॉ. बलराम जाखड़ जी
राज्यपाल, म.प्र.
2. श्री इन्द्रजीत कुमार, विधायक
भूतपूर्व मन्त्री, म.प्र.
3. प्रो. गोविन्द चन्द्र पाण्डेय
4. पं. मूंगा राम शास्त्री

3.1.2005 से 13.1.2005

बी.एड. छात्रों हेतु स्काउट गाईड प्रशिक्षण

11.10 राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के.जे. सौमैया परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)

के.जे. सौमैया ट्रस्ट, विद्या विहार, मुम्बई ने अपने परिसर में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ स्थापित करने का प्रस्ताव किया और साथ में एक एकड़ भूमि विद्यापीठ भवन के लिए उपलब्ध करायी। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा इसका निरीक्षण किया गया और अनुशांसा की गयी कि मुम्बई विद्यापीठ स्थापित किया जाय। मानव संसाधन मंत्रालय द्वारा इस प्रस्ताव को 31.03.2002 को स्वीकृत किया गया। ट्रस्ट ने जब तक आबंटित भूमि पर भवन नहीं बन जाता तब तक परिसर अपने भवनों में चलाये जाने की स्वीकृति दी। संस्थान ने जमीन का अधिग्रहण कर लिया है। तत्कालीन माननीय मानव संसाधन मंत्री डॉ. मुरली मनोहर जोशी जी ने परिसर का उद्घाटन दिनांक 16.05.2002 को किया। डॉ. प्रकाश चन्द्र, प्रवाचक को वहाँ विशेष अधिकारी नियुक्त किया गया है।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली के कई पाठ्यक्रम इस विद्यापीठ में आरम्भ किए गए। यह समाचार-पत्रों में विज्ञापन, प्रेस नोट और व्यक्तिगत सम्पर्क के माध्यम से हुआ। इससे 23 छात्रों ने निम्नलिखित कक्षाओं में दाखिला प्राप्त किया :-

क्रमांक	कक्षा	कुल प्रवेश-प्राप्त छात्र	परीक्षा में बैठे
1.	प्राक्शास्त्री-I	5	व्याकरण में 1
2.	प्राक्शास्त्री-II	3	साहित्य में 2, व्याकरण में
3.	शास्त्री-I	6	साहित्य में 2, व्याकरण में
4.	शास्त्री-II	3	साहित्य में 3
5.	आचार्य-I	2	साहित्य में 1, व्याकरण में
6.	आचार्य-II	4	साहित्य में 3
कुल		23	

इनमें से 15 छात्र वार्षिक परीक्षा में बैठे और 13 छात्र अपनी परीक्षाओं में उत्तीर्ण हुए और 2 छात्रों को अगली कक्षाओं में प्रोन्नत किया गया है। विद्यापीठ में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र की स्थापना की गई और 41 छात्रों ने प्रवेश प्राप्त किया। उनमें से 31 विद्यार्थियों ने पाठ्यक्रम को पूरा किया।

विद्यापीठ के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने राज्य सरकार द्वारा अगस्त 2004 में आयोजित संस्कृत दिवस समारोह में सहभागिता की। उसमें समारोह के आरम्भ में विद्यापीठ के छात्रों ने वेद-मन्त्रों का गान आरम्भ किया।

अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा का आयोजन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा श्री चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती विश्व महाविद्यालय एनट्रूर, काञ्चीपुरम (तमिलनाडु) में दिनांक 27 से 29 दिसम्बर, 2004 तक किया गया। इसमें आचार्य प्रथम वर्ष के एक छात्र और आचार्य द्वितीय वर्ष के दो छात्रों ने भाग लिया। आचार्य द्वितीय वर्ष (साहित्य) की एक छात्रा सुश्री वरदा क्रो धर्मशास्त्र में तृतीय पुरस्कार मिला जिसमें पदक, प्रमाण-पत्र और 300/- रु. का नकद पुरस्कार दिया गया। उसी छात्रा को साहित्य विषय की शलाका प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार मिला जिसमें पदक, प्रमाण-पत्र और 2000/- रु. का नकद पुरस्कार दिया गया। यह इस विद्यापीठ की डॉ. (श्रीमती) एस. राधा, रीडर की देख-रेख में हुआ।

इस विद्यापीठ के छः छात्रों का एक दल रजत-जयन्ती अनुष्ठान समारोह में भाग लेने हेतु गुरुवायूर परिसर गया। उसमें भी आचार्य द्वितीय वर्ष (साहित्य) की छात्रा सुश्री वरदा ने साहित्य वाक्यार्थ में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया जिसमें प्रमाण-पत्र और 750/- रु. का नकद पुरस्कार दिया गया। उन्हें संस्कृत निबन्ध लेखन प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार भी मिला जिसमें प्रमाण-पत्र और 500/- रु. का नकद पुरस्कार दिया गया।

विद्यापीठ में संस्कृत के प्रयोग और प्रोत्साहन हेतु शिक्षकों और छात्रों द्वारा वाग्वर्धिनी परिषद् भी चलाई गई थी।

मार्च 2005 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली द्वारा कमानी प्रेक्षागृह, नई दिल्ली में 'वसन्तोत्सव' के अवसर पर नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें छात्रों ने 'यमराजकीयम्' नाटक प्रस्तुत किया।

वर्ष (2004-2005) की प्रमुख घटनाएँ

- संस्कृत सप्ताहोत्सव
- वसन्तोत्सव
- काञ्चीपुरम में आयोजित अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा
- अनौपचारिक शिक्षक प्रशिक्षण
- उडुपी में अखिल भारतीय संस्कृत सम्मेलन
- दर्शन विभाग, आन्ध्र विश्वविद्यालय द्वारा विशाखापटनम में वेदान्त का पन्द्रहवाँ अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन
- पाण्डिचेरी फ्रेंच संस्थान, पाण्डिचेरी द्वारा “भारतीय समाज में टीका-टिप्पणी के रूप और उपयोग” पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन
- विदेशी छात्रों हेतु संस्कृत शिक्षण कार्यक्रम
- फ्रेंच विशेषज्ञों के प्रतिनिधि-मण्डलों का आगमन
- प्रो. रॉबर्ट पी. गोल्डमैन, यू.एस.ए. का व्याख्यान
- प्रो. जॉर्ज कार्डोना का व्याख्यान
- प्रो. रमानाथ शर्मा, फुलब्राइट विद्वान्, हवाई विश्वविद्यालय, होनोलुलु, यू.एस.ए. का व्याख्यान

1. संस्कृत सप्ताहोत्सव (27 अगस्त-2 सितम्बर 2004)

'संस्कृत सप्ताहोत्सव' 27 अगस्त से 2 सितम्बर 2004 तक सप्ताह भर मनाया गया। इस अवधि में मुख्यालय तथा अंगीभूत परिसरो में विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस सप्ताह के दौरान संस्कृत दिवस समारोह का आयोजन मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ और राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 30 अगस्त, 2004 को राष्ट्रीय संग्रहालय, जनपथ, नई दिल्ली में किया गया।

इस अवसर पर "त्रिशतिका" और द्वितीय स्तर पाठ्य-सामग्री की "संस्कृत स्वयं सीखें" नामक दो पुस्तकों का विमोचन मानव संसाधन विकास के माननीय मन्त्री श्री अर्जुन सिंह द्वारा किया गया।

40 कार्यक्रमों (41 से 80 पाठ) के 20 वीसीडी से युक्त संस्कृत भाषा शिक्षणम् के एल्बम II का विमोचन भी माननीय मन्त्री महोदय द्वारा किया गया। श्री अर्जुन सिंह, मा.सं. विकास मन्त्री ने संस्थान के वेबसाइट www.sanskrit.nic पर "कंटेंट जेनरेशन" योजना के अन्तर्गत धातुरत्नाकरः के प्रथम खण्ड का शुभारम्भ किया गया। यह कार्य सात खण्डों में है। दस लकारों में विभिन्न रूपों सहित 2022 धातुओं की प्रविष्टियों का कार्य सम्पन्न हो चुका है।

प्रोफेसर रॉबर्ट पी. गोल्डमैन ने "विदेश में संस्कृत अध्ययन" विषय पर व्याख्यान दिया। वे दक्षिण व पूर्व एशिया अध्ययन, बर्कले स्थित कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, यू.एस.ए. में संस्कृत के प्रोफेसर हैं।



प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान ने अतिथि का स्वागत किया और प्रो. वाचस्पति उपाध्याय, कुलपति, श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली ने अतिथि को धन्यवाद दिया।

2. वसन्तोत्सव

(1 व 2 मार्च 2005)

वसन्तोत्सव के अवसर पर राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान ने अपने परिसरों की नाटक प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 1 व 2 मार्च 2005 को कमानी प्रेक्षागृह में किया। समारोह का उद्घाटन श्री एन. गोपालस्वामी, निर्वाचन आयुक्त, भारत सरकार द्वारा किया गया। समारोह की अध्यक्षता प्रो. रमा रञ्जन मुखर्जी, भूतपूर्व कुलाधिपति, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति द्वारा की गई। प्रो. राम करण शर्मा, अध्यक्ष, अन्तर्राष्ट्रीय संस्कृत अध्ययन समवाय; प्रो. आलेख चन्द्र सारंगी, कुलपति, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी और श्रीमती बेला बनर्जी, संयुक्त सचिव (भाषा), मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार इस समारोह में सम्माननीय अतिथि थे। उद्घाटन समारोह में प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) ने अतिथियों का स्वागत किया।

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र, दिल्ली क्षेत्र के अध्येताओं द्वारा विविध लघु रचनाएँ भी प्रस्तुत की गईं।

2 मार्च के प्रातःकालीन सत्र में "नाट्यशास्त्र" पर व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। निम्नलिखित विद्वानों द्वारा व्याख्यान दिए गए :

प्रो. रमारंजन मुखर्जी, भूतपूर्व कुलाधिपति राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ तिरुपति, प्रो. अलेख चन्द्र सारंगी, कुलपति, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, प्रो. राजेन्द्र मिश्रा, कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, प्रो. सत्यप्रकाश शर्मा, प्रो. एवं विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, प्रो. एस.आर. लीला, प्रो. एवं विभागाध्यक्ष, एन.एम.आर.के.वी. कॉलेज, बेंगलौर एवं प्रो. मोतीलाल जोशी, विभागाध्यक्ष, राजस्थान संस्कृत साहित्य सम्मेलन, जयपुर।

डॉ. इच्छाराम द्विवेदी, रीडर, श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली; डॉ. रमाकान्त शुक्ला, रीडर, दिल्ली विश्वविद्यालय और प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान ने स्वरचित कविताओं का पाठ सुरीली आवाज़ में किया।

मानित विश्वविद्यालय के विविध परिसरों के छात्रों द्वारा आठ नाटकों का मंचन किया गया।

जयपुर परिसर द्वारा प्रदर्शित कर्णाश्वत्थामीयम् प्रथम स्थान पर रहा, शृंगेरी परिसर द्वारा प्रस्तुत चारुदत्तम् द्वितीय स्थान पर रहा और गुरुवायूर परिसर द्वारा अभिनीत चम्पकरामः को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

कर्णाश्वत्थामीयम् नाटक हेतु पुरुषपात्र अश्वत्थामा का अभिनय करने वाले दीपक भारद्वाज और राष्ट्र-प्राणः नाटक हेतु महिला पात्र का अभिनय करने वाली भारती क्रमशः सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और अभिनेत्री घोषित किए गए।

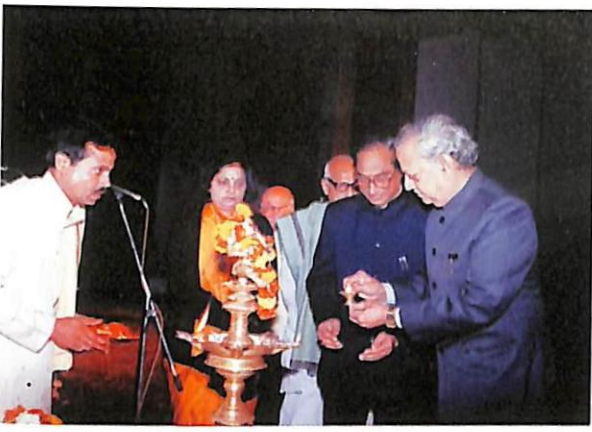
व्यापक निष्पादन तथा अभिनय के अनुरूप प्रत्येक नाटक को प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान दिए गए। प्रदर्शित नाटकों का विवरण इस प्रकार है :

1.	कर्णाश्वत्थामीयम्	जयपुर परिसर
2.	चारुदत्तम्	शृंगेरी परिसर
3.	चम्पकरामः	गुरुवायूर परिसर
4.	राष्ट्र-प्राणः	जम्मू परिसर
5.	उरुभङ्गम्	गरली परिसर
6.	दूतवाक्यम्	लखनऊ परिसर
7.	यमराजकीयम् प्रहसनम्	मुम्बई परिसर
8.	कृतककौमुदम्	भोपाल परिसर

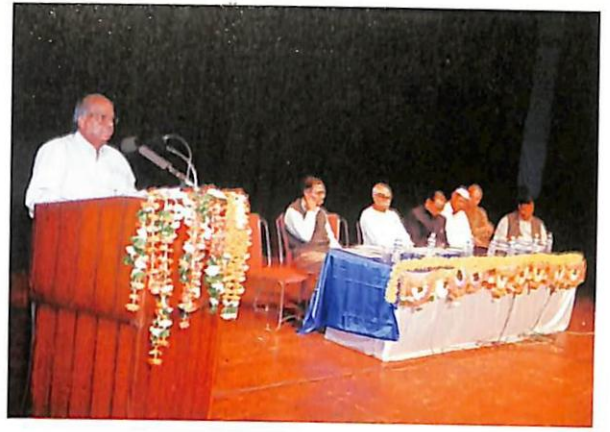
निम्नलिखित प्रतिष्ठित संस्कृत विद्वानों ने दो दिन तक नाटकों को देखा और उनके स्तर का निर्णय किया।

1. प्रो. ए.सी. सारंगी, कुलपति, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी।
2. प्रो. सत्य प्रकाश शर्मा, प्रो. तथा संस्कृत विभागाध्यक्ष, अलीगढ़ विश्वविद्यालय, अलीगढ़।
3. डॉ. सुधा गोपाल कृष्णन्, निदेशक, पाण्डुलिपियों हेतु राष्ट्रीय मिशन, सांस्कृतिक विभाग, नई दिल्ली।
4. प्रो. एस.आर. लीला, प्रो. तथा संस्कृत विभागाध्यक्ष, एन.एम.के.आर.वी. कॉलेज, बेंगलूर।
5. डॉ. बलदेवानन्द सागर, संस्कृत समाचार पाठक, आकाशवाणी व दूरदर्शन, नई दिल्ली।
6. डॉ. जयपाल विद्यालंकार, सेवा-निवृत्त रीडर, दिल्ली विश्वविद्यालय (भूतपूर्व कुलपति, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय)।
7. डॉ. रामाश्रय शर्मा, सेवा-निवृत्त रीडर, दिल्ली विश्वविद्यालय।

समापन समारोह में डॉ. सोनल मानसिंह, अध्यक्ष, संगीत नाटक अकादमी मुख्य अतिथि थीं। उन्होंने पुरस्कार वितरित किए। इस समारोह में श्री सी.एस. कनियाल, उपनिदेशक (वित्त), राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान द्वारा अतिथियों का धन्यवाद-ज्ञापन किया गया।



श्री एन. गोपालस्वामी, निर्वाचन आयुक्त
वसन्तोत्सव का उद्घाटन करते हुए



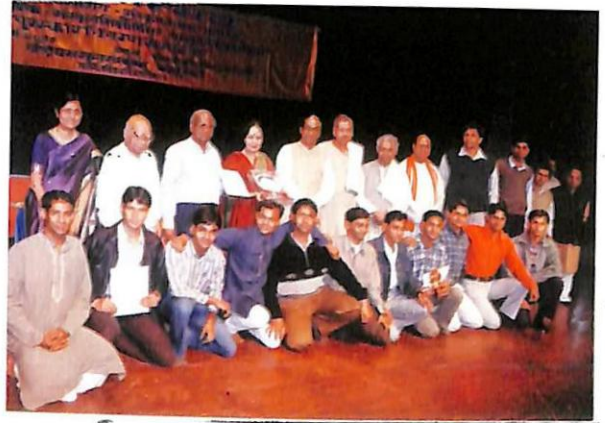
प्रो. ए.सी. सारंगी, कुलपति, सदाशिव परिसर,
पुरी नाट्य-शास्त्र चर्चा में व्याख्यान देते हुए



अनौ.सं.शि., दिल्ली क्षेत्र द्वारा प्रस्तुत
सांस्कृतिक कार्यक्रम से एक झलकी



वसन्तोत्सव का विदाई समारोह



अतिथियों व निर्णायकों के साथ विजेता दल



कर्णाश्वत्थामीयम्, जयपुर परिसर



चम्पकरामः, गुरुवायूर परिसर



दृतवाक्यम्, लखनऊ परिसर



यमराजकीयम्-प्रहसनम्, मुम्बई परिसर



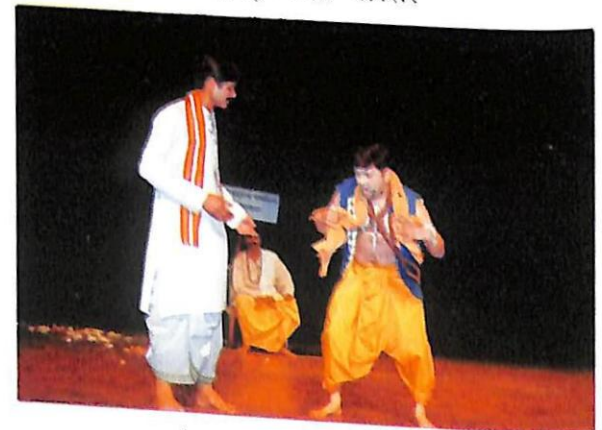
चारुदत्तम्, शृङ्गेरी परिसर



कृतककौमुदम्, भोपाल परिसर



उरुभङ्गम्, गरली परिसर



राष्ट्रं नः प्राणः, जम्मू परिसर

3. काञ्चीपुरम में अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा

(27 से 29 दिसम्बर, 2004)

अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा का आयोजन श्री चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती विश्व महाविद्यालय (मानित विश्वविद्यालय), एनथुर, काञ्चीपुरम, तमिलनाडु परिसर में 27 दिसम्बर 2004 से 29 दिसम्बर 2004 तक किया गया। देश के 16 राज्यों से 132 छात्रों ने शिक्षकों सहित समस्या-पूर्ति, श्लोकान्त्याक्षरी तथा न्याय, व्याकरण एवं साहित्य में शलाका परीक्षा के अतिरिक्त आठ शास्त्रों से सम्बद्ध प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

समारोह का उद्घाटन प्रो. वाचस्पति उपाध्याय, कुलपति, श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली द्वारा किया गया। प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली ने समारोह की अध्यक्षता की। प्रो. के.ई. गोविन्दन, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति और श्रीमती गिरिजा, कुल-सचिव, श्री चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती विश्व महाविद्यालय, काञ्चीपुरम (तमिलनाडु) उद्घाटन समारोह में सम्माननीय अतिथि थे।

समापन समारोह में प्रो. डी. प्रह्लादाचार, भूतपूर्व कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति मुख्य अतिथि थे। प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने समारोह की अध्यक्षता की। इसी समारोह में प्रो. जयशंकर, कुलपति, श्री चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती विश्व महाविद्यालय (मानित विश्वविद्यालय), काञ्चीपुरम सम्माननीय अतिथि थे। इस प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार और पदक (स्वर्ण, रजत तथा कांस्य) प्रदान किए गए। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की प्रथमा से आचार्य तक 2003 की वार्षिक परीक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वालों को प्रमाण-पत्र तथा स्वर्ण पदक प्रदान किए गए।



प्रो. डी. प्रह्लादाचार्य, प्रो. जयशंकर, प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री एवं अन्य अतिथिगण समापन समारोह में 'वैजयन्ती' विजेताओं के साथ।

निम्नलिखित प्रतिष्ठित विद्वानों को प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में आमन्त्रित किया गया :

प्रो. एस. श्रीनिवास शर्मा, आस्थान विद्वान्, श्री काञ्ची कामकोटि पीठम, काञ्चीपुरम; डॉ. मनी द्राविड, संस्कृत प्रोफेसर, मद्रास संस्कृत कॉलेज, चेन्नई; प्रो. टी. रामकृष्ण, व्याकरण प्रोफेसर, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति; डॉ. आर. कृष्णमूर्ति, प्रोफेसर, मद्रास संस्कृत कॉलेज, चेन्नई; डॉ. एन. विजीनाथन, मइलापुर, चेन्नई; डॉ. शंकर नारायण शर्मा, निदेशक, अडयार लाइब्रेरी, चेन्नई; प्रो. के.ई. गोविन्दन, कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति; प्रो. वी. स्वामिनाथन, वेदान्त प्रोफेसर, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति और प्रो. डी. प्रह्लादाचार, भूतपूर्व कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति।

श्री चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती विश्व महाविद्यालय, काञ्चीपुरम के छात्रों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए और योगाञ्जली नाट्यालय, पाण्डिचेरी के द्वारा 27 दिसम्बर, 2004 को योग पर आधारित नृत्य भी प्रस्तुत किया गया। श्रीमती रागिनी श्रीनिवासन, हैदराबाद के द्वारा 28 दिसम्बर, 2004 की शाम को नृत्य प्रस्तुत किया गया।

4. अनौपचारिक शिक्षक प्रशिक्षण

(23 फरवरी से 4 मार्च 2005 तक)

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान ने अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों के लिए द्वितीया दीक्षा हेतु 8 दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण का आयोजन अग्रवाल धर्मशाला, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में 23.2.2005 से 4.3.2005 तक किया। दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, जम्मू व कश्मीर, उत्तराञ्चल और उत्तर प्रदेश केन्द्रों से 120 अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण शिक्षकों ने इस कार्यक्रम में सहभागिता की। पाँच विषय-विशेषज्ञों तथा चार क्षेत्रीय संयोजकों द्वारा अनौपचारिक प्रशिक्षण दिया गया। कक्षाओं का संचालन प्रातः 9.00 बजे से सायं 8.00 बजे तक किया गया।



डॉ. एल.के. त्रिपाठी, राष्ट्रीय समन्वयक, अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण
बायें से दायें श्री सुधिष्ठ कुमार, श्री सी.एस. कन्याल, श्री जनार्दन हेगड़े, डॉ. विजयपाल शास्त्री एवं डा. वाई एस रमेश।

निम्नलिखित प्रतिष्ठित विद्वानों को प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में आमन्त्रित किया गया :

प्रो. एस. श्रीनिवास शर्मा, आस्थान विद्वान्, श्री काञ्ची कामकोटि पीठम, काञ्चीपुरम; डॉ. मनी द्राविड, संस्कृत प्रोफेसर, मद्रास संस्कृत कॉलेज, चेन्नई; प्रो. टी. रामकृष्ण, व्याकरण प्रोफेसर, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति; डॉ. आर. कृष्णमूर्ति, प्रोफेसर, मद्रास संस्कृत कॉलेज, चेन्नई; डॉ. एन. विजीनाथन, मइलापुर, चेन्नई; डॉ. शंकर नारायण शर्मा, निदेशक, अडयार लाइब्रेरी, चेन्नई; प्रो. के.ई. गोविन्दन, कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति; प्रो. वी. स्वामिनाथन, वेदान्त प्रोफेसर, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति और प्रो. डी. प्रह्लादाचार, भूतपूर्व कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति।

श्री चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती विश्व महाविद्यालय, काञ्चीपुरम के छात्रों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए और योगाञ्जली नाट्यालय, पाण्डिचेरी के द्वारा 27 दिसम्बर, 2004 को योग पर आधारित नृत्य भी प्रस्तुत किया गया। श्रीमती रागिनी श्रीनिवासन, हैदराबाद के द्वारा 28 दिसम्बर, 2004 की शाम को नृत्य प्रस्तुत किया गया।

4. अनौपचारिक शिक्षक प्रशिक्षण (23 फरवरी से 4 मार्च 2005 तक)

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान ने अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों के लिए द्वितीया दीक्षा हेतु 8 दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण का आयोजन अग्रवाल धर्मशाला, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में 23.2.2005 से 4.3.2005 तक किया। दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, जम्मू व कश्मीर, उत्तराञ्चल और उत्तर प्रदेश केन्द्रों से 120 अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण शिक्षकों ने इस कार्यक्रम में सहभागिता की। पाँच विषय-विशेषज्ञों तथा चार क्षेत्रीय संयोजकों द्वारा अनौपचारिक प्रशिक्षण दिया गया। कक्षाओं का संचालन प्रातः 9.00 बजे से सायं 8.00 बजे तक किया गया।



डॉ. एल.के. त्रिपाठी, राष्ट्रीय समन्वयक, अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण बायें से दायें श्री सुधिष्ठ कुमार, श्री सी.एस. कन्याल, श्री जनार्दन हेगड़े, डॉ. विजयपाल शास्त्री एवं डा. वाई एस रमेश।

विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ डॉ. हिन्द केसरी, प्राचार्य, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, जयपुर परिसर; श्री जनार्दन हेगड़े, प्रशिक्षण प्रबन्धक, अक्षरम बेंगलूर; डॉ. विजयपाल शास्त्री, रीडर, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, लखनऊ परिसर; श्री सतीश कपूर, व्याख्याता, श्री दिगम्बर जैन संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर और श्री सुधिष्ट कुमार मिश्र, प्राचार्य, संवादशाला, दिल्ली ने शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया। डॉ. एम. चन्द्रशेखर, क्षेत्रीय संयोजक, अनौपचारिक शिक्षण केन्द्र (उत्तर प्रदेश); डॉ. सुरेन्द्र मोहन मिश्र, क्षेत्रीय संयोजक, अनौपचारिक शिक्षण केन्द्र (हरियाणा); डॉ. बुद्धदेव शर्मा, क्षेत्रीय संयोजक, अनौपचारिक शिक्षण केन्द्र (उत्तराञ्चल) और डॉ. विश्वमूर्ति शास्त्री, क्षेत्रीय संयोजक, अनौपचारिक शिक्षण केन्द्र (जम्मू व कश्मीर) ने भी कार्यक्रम का समन्वय किया। संस्थान के प्रतिनिधि डॉ. ललित कुमार त्रिपाठी, रीडर, डॉ. वाई.एस. रमेश, रीडर और डॉ. रत्न मोहन झा, शोध सहायक इस कार्यक्रम के आयोजक थे।



अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण में भागीदार महानुभावों का दृश्य।

5. अखिल भारतीय संस्कृत सम्मेलन, उडुपी

(17-21 नवम्बर, 2004)

एस.एम.एस.पी. कॉलेज, उडुपी के शताब्दी-समारोह के अवसर पर अखिल भारतीय संस्कृत सम्मेलन का आयोजन एस.एम.एस.पी. संस्कृत महापाठशाला, उडुपी के सहयोग से 17 से 21 नवम्बर, 2004 तक उडुपी में किया गया। इस अवसर पर अलंकार शास्त्र, ज्योतिष शास्त्र, न्याय शास्त्र और वेदान्त शास्त्र पर कई व्याख्यान हुए तथा महिला गोष्ठी, कवि गोष्ठी और संस्कृत गोष्ठी का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों का दूरदर्शन पर प्रसारण हेतु वीडियो-रिकार्ड किया गया।

6. दर्शन विभाग, आन्ध्र विश्वविद्यालय, विशाखापटनम द्वारा 3 जनवरी से 6 जनवरी, 2005 तक वेदान्त का पन्द्रहवाँ अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन

दर्शन विभाग, आन्ध्र विश्वविद्यालय, विशाखापटनम द्वारा वेदान्त का पन्द्रहवाँ अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन 3 जनवरी से 6 जनवरी, 2005 तक आयोजित किया गया। यूरोप, कनाडा और यू.एस.ए. से विदेशी प्रतिनिधियों, शिक्षकों और दार्शनिकों सहित प्रतिष्ठित विद्वानों ने इस सम्मेलन में सहभागिता की। प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान ने परामर्शदाता के रूप में भाग लिया और संस्कृत सत्रों का समन्वय किया।

निम्नलिखित विद्वानों ने "वेदान्त और धर्म" और "वेदान्त और विज्ञान" विषयों पर अपने पेपर प्रस्तुत किए। डॉ. सी. राघवन, तिरुपति; डॉ. के. अवान्तर शर्मा, आन्ध्र प्रदेश; डॉ. ललिता रानी, तमिलनाडु; डॉ. डी. रामा कृष्णा, विजयवाडा; डॉ. दुर्गा प्रसाद, गुडिवाडा; डॉ. सी. रंगनाथन, तमिलनाडु; डॉ. के.जी. भट्ट, तमिलनाडु; श्री श्रीराम शर्मा, राजामुन्द्रि; डॉ. एम. दत्तात्रेय शास्त्री, विशाखापटनम; प्रो. जी.ए. शर्मा, विशाखापटनम; डॉ. एम.वी. रमण, विशाखापटनम; डॉ. सोमेश्वर शर्मा, विशाखापटनम और प्रो. के. गायत्री देवी, विशाखापटनम।

7. पाण्डिचेरी फ्रेंच संस्थान द्वारा “भारतीय समाज में टीका-टिप्पणी के रूप और उपयोग” पर 22 से 25 फरवरी, 2005 की अवधि तक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन

स्वर्ण जयन्ती के अवसर पर पाण्डिचेरी फ्रेंच संस्थान द्वारा “भारतीय समाज में टीका-टिप्पणी के रूप और उपयोग” पर पाण्डिचेरी में 22 से 25 फरवरी, 2005 की अवधि तक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। पेरिस विश्वविद्यालय और ई.एफ.ई.ओ. के साथ-साथ राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान इस सम्मेलन का सह-प्रायोजक था।

निम्नलिखित विद्वानों ने इस अवसर अपने पेपर प्रस्तुत किए—प्रो. राम करण शर्मा, अध्यक्ष, अन्तर्राष्ट्रीय संस्कृत अध्ययन समवाय, पेरिस, प्रो. डी. प्रह्लादाचार, पूर्व कुलपति राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, प्रो. धरनीधरन, संस्कृत विभागाध्यक्ष, पाण्डिचेरी विश्वविद्यालय, प्रो वी.एन.झा, निदेशक, संस्कृत शिक्षा केन्द्र, पूना विश्वविद्यालय, प्रो. श्रीपाद सत्यनारायण मूर्ति, कुलसचिव, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, प्रो. के.वी. रामकृष्णमाचार्युलू, डा. आर. वैष्णवी राव, संस्कृत विद्वान्, फ्रेंच संस्थान, पाण्डिचेरी, प्रो. विष्णुभोतला सुब्रह्मण्य शास्त्री, संस्कृत विद्वान्, प्रो. वी.स्वामीनाथन, पूर्व प्राचार्य, गुरुवायूर परिसर, प्रो. आर त्यागराज, प्रो. एवं संस्कृतशिक्षाविभागाध्यक्ष, प्रेसिडेंसी कालेज, चैन्नई, प्रो. एन.पी. उन्नी, पूर्व कुलपति, शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कालाडी, प्रो. एन.विजीनाथन, पूर्व संस्कृत प्रो., मद्रास विश्वविद्यालय, प्रो. एम.महन, प्रो. रेवा प्रसाद द्विवेदी, पूर्व संस्कृत प्रो., बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, प्रो. वी.कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली, प्रो. जी.जे. पीनानित, प्रो. टी. लिबिन, प्रो. जे.ई.एम. हूबेन, प्रो. जी. कोलास, प्रो. टी.गणेशन, प्रो.एम.एल. बाराजर बिलोरेट, प्रो. डी. गूडाल, प्रो. वी.देसीकान, प्रो. एन.बलबीर, प्रो. ओ.वी. हीनूबर, प्रो. पी.स्कीलिंग, प्रो. एन.एस.आर. ताताचार्य, पूर्व कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, प्रो. एफ.गरीमल, डा. के.ई. मधूसूदन, न्याय आचार्य, सदाशिव परिसर, पुरी, प्रो. जी.बेली, प्रो. एन.देजेन्नी, प्रो. बी.डागेन्स, प्रो. के.जैज्क, प्रो. फैजास, प्रो. एस.डी. जोशी, पूर्व निदेशक, भण्डारकर ओरिएण्टल रिसर्च इन्स्टीट्यूट, पूणे, प्रो. एस.ब्रोक्वेट, प्रो. एस. एल.पी. आञ्जनेय शर्मा, ई.एफ.ई.ओ. प्रो. वी.वी.शर्मा एवं प्रो. एम.देशपाण्डे।

8. विदेशी छात्रों हेतु संस्कृत शिक्षण कार्यक्रम

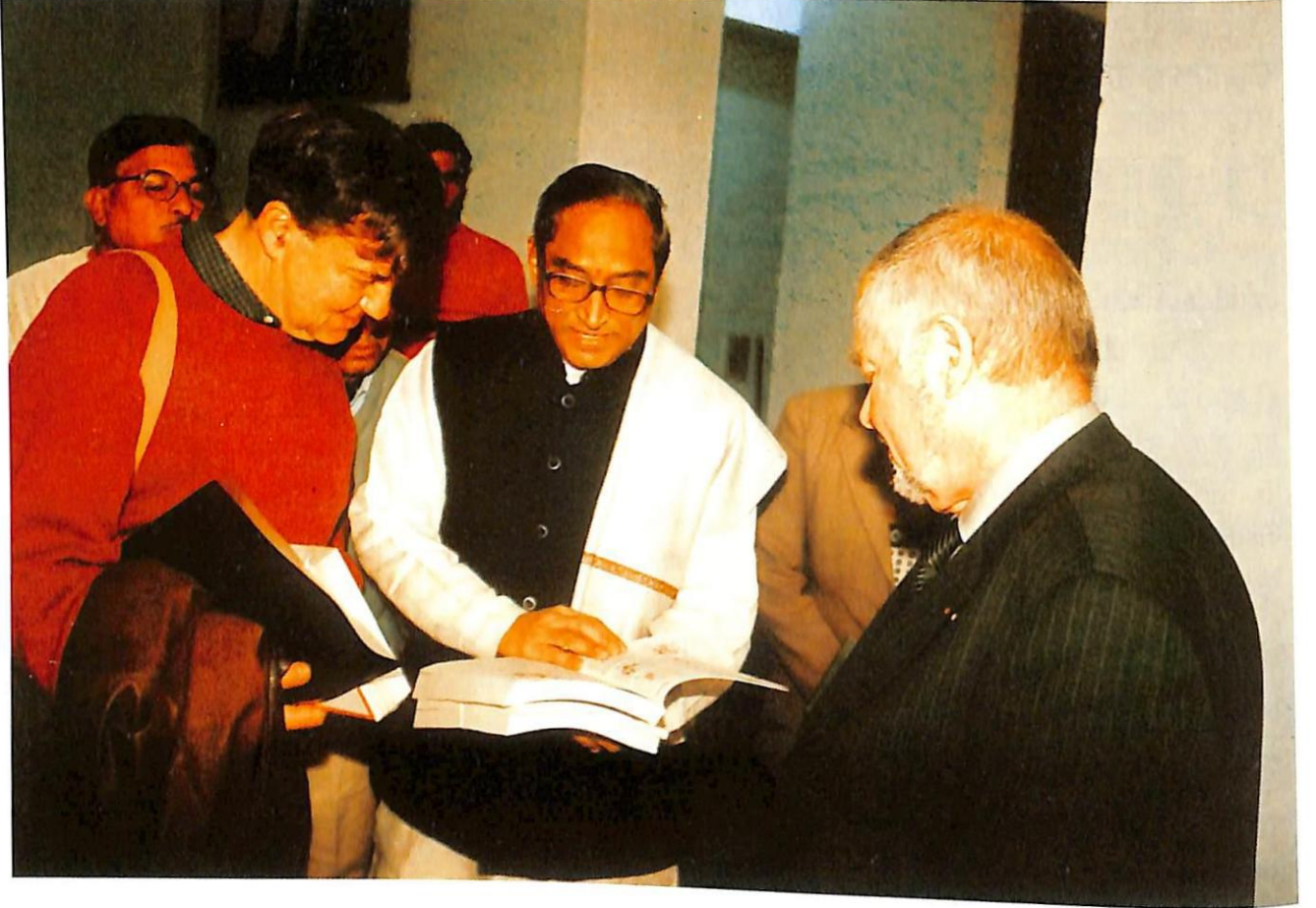
डॉ. कृष्ण कुमार, पी-एच.डी., आई.आई.टी. के सेवानिवृत्त अभियन्ता 20.11.04 से 15.12.04 की अवधि तक संस्थान में आए। वह केन्द्रीय इंग्लैंड विश्वविद्यालय बर्मिंघम, यू.के., नन्यांग तकनीकी संस्था, सिंगापुर और अन्य विश्वविद्यालयों में शिक्षक रह चुके हैं। इस अवधि में उन्होंने संस्थान के सम्पद् व्यक्तियों से संस्कृत भाषा का अध्ययन किया और प्रथमा दीक्षा पाठ्य-सामग्री को पूरा किया।

श्री बलराम वी. मूर्ति, पी-एच.डी., तकनीकी फेलो, जेनरल मोटर्स, आर. एण्ड डी. सेंटर, यू.एस.ए. ने संस्थान में 30 नवम्बर, 2004 से संस्कृत सीखना आरम्भ किया। वह आई.आई.टी., खड्गपुर, भारत में 1978 तक तकनीकी इन्जीनियरी के प्रोफेसर थे और मनीटोबा विश्वविद्यालय, विन्नीपेग, कनाडा में अतिथि प्रोफेसर थे। इसके अतिरिक्त वह कुछ प्रतिष्ठित पुरस्कारों के प्रापक भी हैं।

सुश्री मारिआ आइज़नबर्ग, इजराइल विश्वविद्यालय की छात्रा ने दो दिनों तक संस्कृत भाषा का अध्ययन किया।

9. शोध विशेषज्ञों के प्रतिनिधि-मण्डल का आगमन

समाज-विज्ञान के क्षेत्र में भारत-फ्रेंच सहयोग को उच्चतर स्तरों तक ले जाने के उद्देश्य से फ्रेंच विशेषज्ञों का एक प्रतिनिधि-मण्डल 7 फरवरी, 2005 को संस्थान पहुँचा। इसमें श्री डेनिस विडल, आई.आर.डी. (शोध व विकास संस्थान) और श्री जीन मेमो, आई.आर.डी. के भूतपूर्व निदेशक और ई.जी.आई.डी.ई के वर्तमान अध्यक्ष सम्मिलित थे। उन्हें परस्पर सहयोग व सहयोग की दिशा में सम्भावित योजनाओं का मूल्यांकन करना था। वे संस्थान के प्रकाशनों और सीडी आदि सामग्री से अत्यन्त प्रभावित हुए।



प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति फ्रेंच विद्वानों श्री जीन नेमो व श्री डेनिस विडल का ध्यान स्वाध्याय सामग्री के महत्त्व की ओर आकर्षित करते हुए।

10. प्रो. रॉबर्ट पी. गोल्डमैन, यू.एस.ए. का व्याख्यान

प्रो. रॉबर्ट पी. गोल्डमैन, संस्कृत प्रोफेसर, दक्षिण व पूर्व एशियाई अध्ययन विभाग, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बरकले, यू.एस.ए. 23 जून, 2004 को राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान आए। प्रो. गोल्डमैन के सम्मान में “वाल्मीकि” विषय पर एक पैनल परिचर्चा और प्रो. गोल्डमैन के एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रो. राम करण शर्मा, अध्यक्ष, अन्तर्राष्ट्रीय संस्कृत अध्ययन समवाय, प्रो. रामाश्रय शर्मा, सेवानिवृत्त रीडर, दिल्ली विश्वविद्यालय और प्रो. वेम्पटि कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान ने पैनल परिचर्चा में सहभागिता की।

संस्थान का सभी शैक्षिक स्टाफ तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के विद्वान् भी उपस्थित थे।

11. प्रो. जॉर्ज कार्डोना का व्याख्यान

प्रो. जॉर्ज कार्डोना, पेन्सिल्वानिया विश्वविद्यालय, यू.एस.ए. का आगमन राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान में 30 नवम्बर, 2004 को हुआ। डॉ. जॉर्ज कार्डोना के सम्मान में आयोजित परिचर्चा में प्रो. रॉबर्ट पी. गोल्डमैन, संस्कृत प्रोफेसर, दक्षिण व पूर्व एशियाई अध्ययन विभाग, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, यू.एस.ए., प्रो. एस.आर. भट, सेवानिवृत्त दर्शन विभागाध्यक्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय; डॉ. शशी प्रभा कुमार, अध्यक्ष व रीडर, संस्कृत अध्ययन केन्द्र, जे.एन.यू.; डॉ. रघुवीर विद्यालंकार, रीडर, संस्कृत विभाग, राजधानी कॉलेज, डॉ. उमारमण झा, प्राचार्य, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, लखनऊ परिसर; डॉ. वागीश शुक्ला, प्रोफेसर आई.आई.टी, दिल्ली; डॉ. बलराम मूर्ति, सेवानिवृत्त अभियन्ता व आई.आई.टी. प्रोफेसर, खड़गपुर; डॉ. कृष्ण कुमार, आई.आई.टी. दिल्ली के सेवानिवृत्त अभियन्ता तथा संस्थान के समस्त शैक्षिक स्टाफ ने सहभागिता की।



प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति द्वारा प्रो. जॉर्ज कार्डोना का सम्मान किया जा रहा है, प्रो. रॉबर्ट पी. गोल्डमैन व प्रो. सत्यव्रत शास्त्री बायें व दायें विराजमान हैं।

12. प्रो. रमानाथ शर्मा, फुलब्राइट विद्वान्, हवाई विश्वविद्यालय, होनोलुलु (यू.एस.ए.)

प्रो. रमानाथ शर्मा, फुलब्राइट विद्वान्, हवाई विश्वविद्यालय, यू.एस.ए. दिनांक 15 मार्च, 2005 को राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान में आए। उन्होंने संस्थान द्वारा किए गए कार्य की प्रशंसा की और वह हमारी शिक्षण पद्धतियों, मूल-पाठों और संस्थान के अन्य प्रकाशनों से अत्यन्त प्रभावित हुए। उन्होंने संस्कृत भाषा की सच्ची सेवा के लिए धन्यवाद किया। प्रो. शर्मा के सम्मान में 'पाणिनि व्याकरण की सैद्धान्तिक पृष्ठभूमि' विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के शैक्षिक स्टाफ सहित निम्नलिखित विद्वानों ने उपस्थित होकर समारोह की शोभा बढ़ाई :

डॉ. काशीराम, रीडर, दिल्ली विश्वविद्यालय; डॉ. मिथिलेश चतुर्वेदी, रीडर, दिल्ली विश्वविद्यालय; डॉ. जयपाल विद्यालंकार, सेवानिवृत्त रीडर, दिल्ली विश्वविद्यालय एवं भूतपूर्व कुलपति, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय; डॉ. के. बालकृष्णन्, रीडर, दिल्ली विश्वविद्यालय; डॉ. ओमनाथ विमली, रीडर, दिल्ली विश्वविद्यालय और डॉ. सतीश कुमार मिश्रा।

प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) ने इस शैक्षिक समारोह की अध्यक्षता की।



प्रो. रमानाथ शर्मा व्याख्यान देते हुए। प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति व डॉ. काशीराम भी विराजमान हैं।

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान
मानित विश्वविद्यालय
नई दिल्ली

प्रबन्धन परिषद् के सदस्यों की सूची

- | | | |
|----|--|---------|
| 1. | प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति
राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली | अध्यक्ष |
| 2. | श्रीमती बेला बैनर्जी
संयुक्त सचिव (भाषा)
मानव संसाधन विकास मन्त्रालय
माध्यमिक व उच्चतर शिक्षा विभाग,
शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001 | सदस्य |
| 3. | वित्त सलाहकार
मानव संसाधन विकास मन्त्रालय
शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001 | सदस्य |
| 4. | प्रो. डी. प्रह्लादाचार
कुलपति राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति (आं.प्र.)-517507 | सदस्य |
| 5. | प्रो. सरोजा भाटे
भण्डारकर ओरिएण्टल रिसर्च इन्स्टीट्यूट, पूना-411004 | सदस्य |
| 6. | प्रो. सीतानाथ गोस्वामी
63/1 ए, सेलिमपुर लेन, कोलकाता-700031 | सदस्य |
| 7. | श्री सतीश चन्द्र किलावत
रीडर, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, जयपुर परिसर
त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर-302018
(दिनांक 31-7-2004 तक) | सदस्य |
| 8. | प्रो. एस.सी. पाण्डेय
नेशनल फेलो, शिमला (हि.प्र.) | सदस्य |

- | | | |
|-----|---|-------------|
| 9. | प्रो. ए.सी. सारंगी
कुलपति
श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय,
पुरी (उड़ीसा) | सदस्य |
| 10. | डॉ. गोपाराजु रामा
रीडर, श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद | सदस्य |
| 11. | डॉ. मिनती रथ
व्याख्याता, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान श्री सदाशिव परिसर,
पुरी (उड़ीसा) | सदस्य |
| 12. | श्री सी.एस. कनियाल
उपनिदेशक (प्रशासन), राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली | असदस्य-सचिव |

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान
मानित विश्वविद्यालय
नई दिल्ली

वित्त समिति के सदस्यों की सूची

- | | | |
|----|---|-------------|
| 1. | प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति
राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली | सदस्य |
| 2. | श्रीमती बेला बैनर्जी
संयुक्त सचिव (भाषा)
मानव संसाधन विकास मन्त्रालय
माध्यमिक व उच्चतर शिक्षा विभाग,
शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001 | सदस्य |
| 3. | वित्त सलाहकार
मानव संसाधन विकास मन्त्रालय
शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001 | सदस्य |
| 4. | प्रो. सत्यव्रत शास्त्री
नई दिल्ली | सदस्य |
| 5. | डॉ. (मिसेज) निलोफर ए. कज्मी
संयुक्त सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
(नोमिनी ऑफ यूजीसी) वेस्टर्न रिजिनल ऑफिस
गणेश खिंड, पूना यूनिवर्सिटी कैम्पस, पुणे-7 | सदस्य |
| 6. | श्री. एस.सी. पाण्डेय
नेशनल फेलो, आई.ए.एस, शिमला | सदस्य |
| 7. | श्री सी.एस. कनियाल
उप निदेशक (प्रशासन),
राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली | असदस्य-सचिव |

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान

(1) स्थायी रूप से सम्बद्ध संस्थाएं

क्र०सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
1.	लक्ष्मी देवी सराफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय काली रेखा, वैद्यनाथ धाम देवघर (झारखण्ड)	प्राक्शास्त्री शास्त्री आचार्य
2.	आर्य कन्या गुरुकुल न्यू राजेन्द्र नगर नई दिल्ली	प्रथमा पूर्व मध्यमा उत्तर मध्यमा शास्त्री
3.	श्री समन्तभद्र संस्कृत महाविद्यालय दरियागंज नई दिल्ली	प्रथमा पूर्व मध्यमा उत्तर मध्यमा प्राक्शास्त्री शास्त्री आचार्य
4.	कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ पोस्ट आफिस बालूसरी जिला कालीकट (केरल)	प्राक्शास्त्री शास्त्री आचार्य
5.	कोडुंगलूर विद्वतपीठम् पैलेस रोड, पो० कोडुंगलूर	प्राक्शास्त्री शास्त्री आचार्य
6.	श्री शंकर संस्कृत विद्यापीठम् पो० इडाक्काडम, जिला त्रिचूर (केरल)	पूर्व मध्यमा उत्तर मध्यमा प्राक्शास्त्री शास्त्री आचार्य
7.	मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय भारतीय विद्याभवन, के० एम० मुन्शी मार्ग मुम्बई	प्राक्शास्त्री शास्त्री आचार्य

सम्बद्ध संस्थाएं

क्र०सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है	दूरभाष
असम			
1.	मार्डन एस्ट्रोलोजिकल रिसर्च एसोसिएशन, द्वारा श्री एन.एन. दास, आर.एम.एस. (ऑफिस) तिनसुकिया-786125	प्रथमा-तृतीय	(नि.) 339600 (का.) 332599 30396
बिहार			
2.	जगदीश नारायण ब्रह्मचर्याश्रम संस्कृत विद्यालय लगमा, ग्राम-पो० रामभद्रपुर वा० लोहना रोड, जिला-दरभंगा (बिहार) 847407	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय	
3.	देवराहा बाबा भक्त शिव शंकर संस्कृत महाविद्यालय, रामचन्द्रपुर, अन्धैल, पो० पटैली, जिला-समस्तीपुर, पिन-848132	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय	
4.	डॉ० रामजी मेहता संस्कृत महाविद्यालय मालीघाट, मुजफ्फरपुर (बिहार) 842001	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्यव्याकरण, सिद्धान्त ज्योतिष, फलित ज्योतिष, सर्वदर्शन, प्राचीन व्याकरण)	3621/288413
5.	राजकुमारी गणेश शर्मा संस्कृत विद्यापीठ कोलहन्टा पटोरी, पो० पटोरी बसंत, जिला-दरभंगा (बिहार) 846003	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, ज्योतिष (सि०वफ०) व्याकरण)। विद्यावारिधि	(का.) 69241 (नि.) 24017

क्र०सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है	दूरभाष
6.	चन्द्रिका दास संस्कृत महाविद्यालय, पो० बराखरोनी, धौरी, भोजपुर (बिहार)	प्रथमा-तृतीया पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण, वेद, ज्योतिष, दर्शन)	(नि.) 23101
7.	सरस्वती आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, वेगूसराय बिहार-851101	प्रथमा-तृतीया पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)	0362/22506
8.	श्री रामसुन्दर संस्कृत विश्वविद्याप्रतिष्ठान रमोल बेलान (लक्ष्मीनाथ नगर) वा० बहेरा, जिला-दरभंगा (बिहार)	प्रथमा-तृतीया पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, वेद, ज्योतिष)	
9.	डॉ० मंडन मिश्र माध्यमिक संस्कृत विद्यालय, संजात, जिला-बेगूसराय (बिहार)	प्रथमा-तृतीया पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय	
10.	अजित कुमार संस्कृत शिक्षण संस्थान, उमाकान्त नगर पो० लधोरा, जिला-समस्तीपुर-848302 (बिहार)	प्रथमा-तृतीया पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय	
11.	लक्ष्मी हरिकान्त प्राथमिक संस्कृत माध्यमिक विद्यालय झंझारपुर, जिला-मधुबनी, बिहार-847404	प्रथमा-तृतीया पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय	06273/22216

क्र०सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है	दूरभाष
---------	---------------	----------------------------------	--------

12.	दीनानाथ मिथिला संस्कृत महाविद्यालय पो० कथरा-847423 जिला-दरभंगा (बिहार)	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय	
13.	जे०एन०बी० आदर्श संस्कृत महाविद्यालय पो० ऑ०, लगमा, वाया लोहना रोड, जिला-दरभंगा (बिहार)-847407	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (वेद, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष और धर्मशास्त्र) विद्यावारिधि	
दिल्ली			
14.	श्री मोतीनाथ संस्कृत महाविद्यालय, रमेश नगर, नई दिल्ली-15	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय	5439249
15.	ब्रह्मर्षि राम प्रपन्नाचार्य संस्कृत वेद वेदांग महाविद्यालय राजघाट के पीछे, पुराना पावर हाऊस, नई दिल्ली-2	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय	
16.	श्रीराम ज्योतिष कर्मकाण्ड महाविद्यालय, (राम विद्या मन्दिर एजुकेशन सोसायटी के अन्तर्गत) मंडावली, दिल्ली-110092	आचार्य-प्रथम, द्वितीय (कर्मकाण्ड, पौरोहित्य, ज्योतिष-फलित और सिद्धांत)	
17.	वसंत ग्राम आदर्श संस्कृत विद्यालय वसंत विहार, नई दिल्ली-110057	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय	6144082
18.	रामदल संस्कृत महाविद्यालय 1612 दरीबा कलाँ, दिल्ली-6	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय	

क्र०सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है	दूरभाष
19.	शारदा देवी संस्कृत विद्यापीठ 1021-1024, गली शक्ति मन्दिर दरियागंज नई दिल्ली-110002	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय	3257638
20.	समन्तभद्र संस्कृत महाविद्यालय दरियागंज नई दिल्ली-110002	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय	3277467
21.	श्री महावीर विश्वविद्यापीठ ए-6, पश्चिम विहार, चौधरी बलबीर सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110063	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, सर्वदर्शन) विद्यावारिधि	5685220
22.	श्री हनुमान संस्कृत महाविद्यालय एफ-487/3, रघुवीर नगर नई दिल्ली-110027	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय	5119738
23.	आर्यकन्या गुरुकुल न्यू राजेन्द्र नगर नई दिल्ली-110060	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय	5788518
24.	राम ऋषि संस्कृत महाविद्यालय कराला, दिल्ली-110081	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय	
25.	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ हरेवली, दिल्ली-110039	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय	

क्र०सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है	दूरभाष
26.	बाल विद्या मन्दिर रोहिणी, पूठ कलाँ दिल्ली-110041	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय	(का.) 5185938 (नि.) 5473680
गुजरात			
27.	श्री समर्थ संस्कृत महाविद्यालय, समर्थेश्वर महादेव एलिस ब्रिज, अहमदाबाद-6	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय	
28.	श्री रघुवर रामानंद वेदांत महाविद्यालय श्री कौशलेन्द्र मठ, पो० पलाडी, सुरखेज रोड अहमदाबाद-गुजरात-380007	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (रामानंद वेदांत)	6601001
29.	एम.जे.पी. संस्कृत विद्यालय नरुनपुर, मीलाम्बिका रोड, अहमदाबाद-13	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय	474712 471515
30.	दर्शनम संस्कृत महाविद्यालय सरखेज गांधी नगर, हाईवे, छरोडी-382421	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय	
हरियाणा			
31.	आलोक संस्कृत महाविद्यालय महेन्द्र गढ़ (हरियाणा)-123039	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय	
32.	हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ पो० बघौला, तहसील-पलवल जिला-फरीदाबाद (हरियाणा)	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)	01275/52296

क्र०सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है	दूरभाष
---------	---------------	----------------------------------	--------

- | | | | |
|-----|--|--|-------|
| 33. | श्री रामकृष्ण संस्कृत महाविद्यालय
जी.टी. रोड, मुरथल, जिला-सोनीपत
हरियाणा | प्रथमा-तृतीय
पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय | |
| 34. | श्री रामानन्द ब्रह्मर्षि महाविद्यालय
विराट नगर,
पिंजौर (हरियाणा) | पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय | 65170 |
| 35. | श्री लज्जाराम संस्कृत महाविद्यालय
तीर्थ, पाण्डु पिण्डारा, जीन्द (हरियाणा) | प्रथमा-तृतीय
पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय | |

जम्मू व कश्मीर

- | | | | |
|-----|--|---|--|
| 36. | श्री गुरु गंगादेव संस्कृत
महाविद्यालय, शिवकाशी, सुन्दरवनी
जिला-राजौरी, जम्मू | प्रथमा-तृतीय
पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय | |
|-----|--|---|--|

झारखण्ड

- | | | | |
|-----|--|--|--|
| 37. | लक्ष्मी देवी शर्मा आदर्श
संस्कृत महाविद्यालय,
काली रेखा, वैद्यनाथ धाम
देवघर, झारखण्ड पिन : 814112 (झारखण्ड) | प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
आचार्य-प्रथम, द्वितीय | |
|-----|--|--|--|

केरल

- | | | | |
|-----|---|--|-------------|
| 38. | भारतीय संस्कृत महाविद्यालय
पिल्हारा रोड, वाया मंडुर
जिला-केन्नुर - 670501 (केरल) | प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य) | |
| 39. | श्री रामकृष्ण आदर्श संस्कृत महाविद्यालय
रामकृष्ण मठ, पो०-अरुणापुरम्, प्लाई
जिला-कोट्टायम - 686574
केरल | प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
आचार्य-प्रथम, द्वितीय
(अद्वैत वेदान्त) | 0482/212193 |

क्र०सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है	दूरभाष
40.	श्री शंकर संस्कृत विद्यापीठम् पो० इडाक्काडम, वा० इजहूकोन, जिला-क्वीलोन केरल	पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय	
41.	कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, पो० बालूसरी, जिला-कालीकट - 673612	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय	642250
42.	कोडांगलूर विद्वत्पीठम् पैलेस रोड, पो० कोडांगलूर जिला-त्रिचूर (केरल) 680664	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय	
43.	श्री शंकर संस्कृत महाविद्यापीठम्, नाथन कोड, देवस्वम् बोर्ड जंक्शन, कावदिअर पो० त्रिवेन्द्रम-695003	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय	
44.	श्री भारती संस्कृत महाविद्यालय, मुजुंगावु, पो० एडनाड कासरगोड (केरल)-671321	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय	
45.	महेश्वरी संस्कृत कॉलेज गाँव व पो० कक्कुर जिला-कोजी कोड-673619 (केरल)	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय	
महाराष्ट्र			
46.	मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय भारतीय विद्याभवन, के.एम. मुन्शी मार्ग मुम्बई-400007	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय (फैक्स-3630058) आचार्य-प्रथम, द्वितीय	3631261
47.	श्री अंबाजी संस्कृत महाविद्यालय निवेतिया रोड, मलाड (पूर्व) मुम्बई (महाराष्ट्र)-400097	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय	8773993 सी.एफ.8775717
48.	विवेकानंद संस्कृत पाठशाला विवेकानंद आश्रम, विवेकानंद नगर, पो०, हिवाटा, (बी.यू.) तहसील मेहकर, जिला-बुलढाना - (महाराष्ट्र) 443301	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय	

मणिपुर

49. मणिपुर संस्कृत विद्यापीठ
डी.एम. कॉलेज कैम्पस, इम्फाल,
मणिपुर-795001 प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय (नि.) 0385-226592
शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय (का.) 24102, 240005
50. राधा माधव संस्कृत महाविद्यालय, नाम्बूल
मणिपुर-795134 प्रथमा-तृतीय 0385/73538
पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य
व्याकरण, फलित ज्योतिष व सर्वदर्शन)

पंजाब

51. बाबा हरदित गिरि संस्कृत विद्यालय
संस्कृत-प्रचारिणी अखारा
सरहिन्द शहर, जिला फतेहगढ़ साहिब, पंजाब प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय 01763/22082
शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
52. श्री सरस्वती संस्कृत कॉलेज
खन्ना-141401 प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय 21258
जिला-लुधियाना (पंजाब) शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय 26258

राजस्थान

53. नवजागृति संस्कृत विद्यापीठ,
गंगापुर सिटी-322201 प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
जिला-सवाईमाधोपुर (राजस्थान)-322201 पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय

उत्तर-प्रदेश

54. रानी पद्मावती तारा योग तंत्र
आदर्श महाविद्यालय, इन्द्रपुर,
(शिवपुर) वाराणसी प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
आचार्य-प्रथम, द्वितीय
55. श्री बटुकनाथ संस्कृत महाविद्यालय
बी-22/195, द्वारिकाधीश मन्दिर,
शंकुलधारा, वाराणसी-221010 प्रथमा-तृतीय 314998
पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)

क्र०सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है	दूरभाष
56.	गिन्नी देवी संस्कृत विद्यापीठ, मोदीनगर, जिला गाजियाबाद-201204 उत्तर प्रदेश	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय	
57.	श्री टीबरीनाथ सांगवेद संस्कृत महाविद्यालय, नैनीताल रोड, बरेली, उत्तर प्रदेश-248005	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय	
58.	गान्धी संस्कृत महाविद्यालय, पँवरी गौहनिया, पो० जसरा, इलाहाबाद	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण)	
59.	अनन्ता देवी संस्कृत महाविद्यालय पी.ओ. कौंधियार, इलाहाबाद (उ० प्र०)	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण)	
60.	रानी पद्मावती योग तन्त्र उच्च माध्यमिक विद्यालय इन्द्रपुर (शिवपुर) वाराणसी (उ० प्र०)	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय	
उत्तराञ्चल			
61.	देववाणी संस्कृत विद्यालय पो० त्रियुगी नारायण जनपद जिला-चमोली	पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय	
62.	ज्वल्पा देवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय ज्वल्पा देवी मन्दिर, पो० पति सैन पौडी-गढ़वाल	शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय	7260
63.	आदर्श संस्कृत विद्यापरिषद् सलद महादेव जिला-पौडी गढ़वाल-246279	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय	
64.	बिल्वेश्वर संस्कृत महाविद्यालय, पो० सिल्यार, केमर जिला-टिहरी गढ़वाल-249155	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय	

पश्चिम बंगाल

- | | | |
|-----|---|---|
| 65. | पगलानन्द संस्कृत विद्यालय
दौरा पो० (कटई) जिला-मिदनापुर
पश्चिम बंगाल-72140 | प्रथमा-तृतीय
पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय |
| 66. | श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत
महाविद्यालय, 7/2 पी.डब्ल्यू.डी. रोड,
कोलकाता-700035 | प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय 577-7250
शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय (फैक्स-033-577-6240)
आचार्य-प्रथम, द्वितीय
(साहित्य, नव्यन्याय, व्याकरण,
वेदान्त, ज्योतिष, बौद्ध दर्शन,
धर्म-शास्त्र) |
| 67. | ठाकुर गदाधर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय
पो० आरामबाग (कालीपुर)
जिला-हुगली (पश्चिम बंगाल)-712601 | प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
आचार्य-प्रथम, द्वितीय (व्याकरण, साहित्य,
नव्यन्याय) |
| 68. | हरेश्वर संस्कृत महाविद्यालय
लिंगसे, दार्जीलिंग हरलोक
लिंगसे, वायारीनोक (प० बं०)-737133 | प्रथमा-तृतीय
पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय |
| 69. | कालियाचक विक्रम किशोर
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, गाँव-कालियाचक
पोस्ट ऑफिस हेरिया
जिला-मिदनापुर (पश्चिम बंगाल)-721430 | पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, धर्मशास्त्र,
व्याकरण, सांख्य योग, नव्यन्याय, वेदान्त) |
| 70. | मदर उषा मेमोरियल ओरियन्टल सैन्ट्रल
इंस्टीट्यूशन एण्ड आगम (तंत्र)
रिसर्च सेन्टर, तेनोहरी, थाना रानीगंज,
जिला-उत्तर दीनाजपुर (पश्चिम बंगाल)-733123 | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय |
| 71. | भारती चतुष्पथी
श्री श्रीगुरु कर्ण निकेतन,
अमूल्य पारा, नवद्वीप,
नादिया, (पश्चिम बंगाल)-741302 | पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय |

क्र०सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है	दूरभाष
---------	---------------	----------------------------------	--------

72.	विवेकानन्द वेद विद्यालय, रामकृष्ण मठ, पो० ओ० वेलूर मठ जिला-हावड़ा (पश्चिम बंगाल)-711202	पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय	6541180 (फैक्स- 654-4346)
-----	--	--	---------------------------------

73.	ठाकुर गदाधर संस्कृत विद्यापीठ पो० ओ० आरामबाग (कालीपुर) जिला-हुगली - 712601 (पश्चिम बंगाल)	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय	
-----	---	--	--

कर्नाटक

74.	पूर्ण प्रज्ञा संशोधन मन्दिर पूर्णप्रज्ञा विद्यापीठ, पूर्णप्रज्ञा नगर, कठरीगुप्पा मेन रोड, बैंगलोर-560028	विद्यावारिधि	
-----	--	--------------	--

संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता देने वाली राज्य सरकारों के नामों की सूची

1.	नं. 6/12/71/स्थापना (डी) भारत सरकार, कैबिनेट सचिवालय, कार्मिक विभाग, नई दिल्ली	1. प्रथमा = मिडिल स्कूल 2. मध्यमा = उच्चतर माध्यमिक 3. शास्त्री = बी.ए. 4. आचार्य = एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री = बी.एड. 6. विद्यावारिधि = पी-एच.डी. 7. वाचस्पति = डी.लिट्.
2.	मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग नं. 796/786/1 (3)/72 भोपाल, दिनांक 5.12.1972	-वही-
3.	पंजाब सरकार, नं. 472-468-II 72/2686 दिनांक जनवरी, 1971	-वही-
4.	शिक्षा निदेशक, दिल्ली एफ-32/1/25/शिक्षा/72 दिनांक 28.8.1972	-वही-
5.	शिक्षा निदेशक, मणिपुर 11/3/71 एस.ई., दिनांक 30 अगस्त, 1972	-वही-
6.	गोआ, दमन और दीव, विशेष/स्थापना/2065-II दिनांक 23 अक्टूबर, 1972	-वही-
7.	तमिलनाडु सरकार, ज्ञापन सं. 94120/एच-172-2-शिक्षा पत्र संख्या-एल.डिस 35033/04 दिनांक-2 जनवरी, 1973	शिक्षाशास्त्री = बी.एड. प्रथमा = मिडिल स्कूल मध्यमा = उच्चतर माध्यमिक पूर्वमध्यमा = मैट्रिक

8. महाराष्ट्र सरकार-82/दि० 24.9.92 उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री = सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट
अनुशेष, सं.-एस.एस.एन. 3371/137427-ई
दिनांक 23 अक्टूबर, 1972
9. उत्तर प्रदेश सरकार, 1. प्रथमा = मिडिल स्कूल (आठवीं कक्षा)
सं. 10/3/1972 नियुक्ति (4) 2. पूर्वमध्यमा = हाई स्कूल
लखनऊ, दिनांक 27 अगस्त, 1973 3. उत्तरमध्यमा = इण्टर
4. शास्त्री = बी.ए.
5. आचार्य = एम.ए.
6. शिक्षाशास्त्री = बी.एड.
7. विद्यावारिधि = पी-एच.डी.
8. वाचस्पति = डी.लिट्
10. हरियाणा सरकार 1. प्रथमा = मिडिल स्कूल
सं. 278, जी. शिक्षा (4ई) 74/14620 2. मध्यमा = हायर सेकेण्डरी या
चंडीगढ़, दिनांक 13.5.1974 इण्टरमीडिएट
ज्ञापन सं.-डी 4/50-73-सीओ (2) 3. शास्त्री = बी.ए.
दिनांक 21.10.1986 4. आचार्य = एम.ए.
5. विद्यावारिधि = पी-एच.डी.
6. वाचस्पति = डी.लिट्
7. शिक्षाशास्त्री = ओ.टी.
(हरियाणा में संस्कृत)
11. त्रिपुरा सरकार,
सं. एफ. 83(4-12) डीई/73 -वही-
अगरतला
दिनांक 15.7.1972
12. गुजरात सरकार, 1. शिक्षा-शास्त्री = बी.एड.
प्रस्ताव सं. एसएसएन-3266/72127
(73) ई 78583-जी सचिवालय,
गान्धीनगर
दिनांक : 30 अप्रैल 1986
13. हिमाचल प्रदेश सरकार 1. प्रथमा = मिडिल
सं. 23-62/70/सेक्रे/ 2. मध्यमा = हायर सेकेण्डरी
एजु-ए वोल् 3 3. शास्त्री = बी.ए.
दिनांक : 17.3.1973 4. आचार्य = एम.ए.
5. शिक्षाशास्त्री = बी.एड.
6. विद्यावारिधि = पी-एच.डी.
7. वाचस्पति = डी.लिट्

14. राजस्थान सरकार
पी 9 (75) एस.पी./71/ शिक्षा-5
दिनांक : 18.3.1975
शिक्षा (ग्रुप 8)
सं. एफ 10 व 74
शिक्षा (ग्रुप 4)/72
दिनांक : 22 मई 1978
1. प्रथमा = मिडिल
2. मध्यमा = हायर सेकेण्डरी
3. शास्त्री = बी.ए.
4. आचार्य = एम.ए.
5. शिक्षाशास्त्री = बी.एड.
6. विद्यावारिधि = पी-एच.डी.
7. वाचस्पति = डी.लिट्
15. जम्मू व कश्मीर सरकार
सं. एजु.-9/ई/74
रेकोग. दिनांक : 22.6.1975
1. मध्यमा = हायर सेकेण्डरी अथवा पी.यू.सी.
2. शास्त्री = बी.ए.
3. आचार्य = एम.ए.
4. शिक्षाशास्त्री = बी.एड.
5. विद्यावारिधि = पी-एच.डी.
6. वाचस्पति = डी.लिट्
16. उड़ीसा सरकार
176/10/ई-वाईई
दिनांक : 19.6.1975
सं. 20/32/75/828
1. शास्त्री = बी.ए.
2. आचार्य = एम.ए.
17. पश्चिम बंगाल सरकार
शिक्षा विभाग सेक. ब्राँच,
सं. 441-एजु. (एस) 6 सी-II/89
कोलकाता
दिनांक : 6 मई, 1990
- शिक्षाशास्त्री = बी.एड.

संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालयों के नामों की सूची

1. महाराजा सायाजीराव बड़ौदा विश्वविद्यालय, पत्र सं० एसी/II/221 दिनांक 4.9.73

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम.ए.
2. सागर विश्वविद्यालय, सागर, पत्र सं० सामान्य/मान्यता/974 दिनांक 16.6.73 तथा दिनांक 9.4.1973

मध्यमा	=	इंटरमीडिएट
शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम.ए.
3. विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.) प्रशासन/मान्यता/73 दिनांक 9 अगस्त, 1973

शास्त्री	=	बी.ए.
आचार्य	=	एम.ए.
शिक्षाशास्त्री	=	बी.एड.
विद्यावारिधि	=	पी-एच.डी.
वाचस्पति	=	डी.लिट्
4. आन्ध्र विश्वविद्यालय पत्र सं० 1 (6) 3925/72 दिनांक 27.9.73

वाल्टेयर		
शिक्षाशास्त्री	=	बी.एड.
5. राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर पत्र सं० एफ-4-1/72 (शैक्षिक-II/1146/ए दिनांक 25.5.73

शास्त्री	=	बी.ए.
----------	---	-------
6. कालीकट विश्वविद्यालय संदर्भ सं० जी ए (डी 4) 899/72 दिनांक 28.11.1973

शास्त्री	=	बी.ए. (संस्कृत मुख्य)
आचार्य	=	एम.ए. (संस्कृत मुख्य)
शिक्षाशास्त्री	=	बी.एड. (संस्कृत)
विद्यावारिधि	=	पी-एच.डी.
वाचस्पति	=	डी.लिट्

7. श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय तिरुपति संख्या-सी.आई. 33017/73 दिनांक 19.1.76
शास्त्री = बी.ए.
(एम.ए. (संस्कृत) में प्रवेश के प्रयोजन से)
8. मगध विश्वविद्यालय, बोध गया पत्र सं० 4767/48-23 डी II/बोध गया दिनांक 4.12.73
मध्यमा = हायर सेकेण्डरी
शास्त्री = बी.ए.
आचार्य = एम.ए.
शिक्षाशास्त्री = बी.एड.
विद्यावारिधि = पी-एच.डी.
9. जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू पत्र संख्या-एफ. शैक्षिक V/153/74/4195-99 दिनांक 14.2.1974
मध्यमा = पूर्व-विश्वविद्यालय (प्री यूनिवर्सिटी)
शास्त्री-भाग-1 = बी.ए. भाग-1
शास्त्री-भाग-3 = बी.ए. अंतिम वर्ष
आचार्य = एम.ए., संस्कृत या साहित्याचार्य
10. अन्नामलाई विश्वविद्यालय एल. डिस्. पी-बी 21/83/73 दिनांक 22.2.1974
शास्त्री = बी.ए.
आचार्य = एम.ए.
11. बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान आर.सी.आई/सम/141/376/74 दिनांक 24.6.74
मध्यमा = विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम
शास्त्री = कला-स्नातक परीक्षा (त्रिवर्षीय)
आचार्य = एम.ए.
विद्यावारिधि = पी-एच.डी.
वाचस्पति = डी.लिट्
12. कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर पी एस के वी/बोर्ड/4318/74-75 दिनांक 22.11.74
शास्त्री = बी.ए.
आचार्य = एम.ए.

13. उत्कल विश्वविद्यालय पत्र सं० ए सी-1/आर.एम./171/51046/75 दिनांक 1.7.1975
शास्त्री = बी.ए.
(द्रष्टव्य क्रम सं० 32 भी)
14. पूना विश्वविद्यालय, पूना ईएलजी/सम-109/3949/ दिनांक 26.4.1975
प्राक्शास्त्री = प्री-डिग्री
शास्त्री = बी.ए. (संस्कृत)
आचार्य = एम.ए. (संस्कृत)
शिक्षाशास्त्री = बी.एड. (संस्कृत)
15. जयपुर विश्वविद्यालय पत्र सं० ई./3013 दिनांक 13.5.1975
शास्त्री = बी.ए.
आचार्य = एम.ए.
16. कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र पत्र सं० ए सी एम-11/6115 दिनांक 6.6.1975 और ए सी
एम/II/137/76/18904 दिनांक 7.8.76, ए सी एम-II/137/81/4139 दिनांक 19.3.81
शास्त्री = बी.ए.
आचार्य = एम.ए.
17. गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, परीक्षा/बी. मान्यता सं० 32482 दिनांक 17.9.1975
शास्त्री = बी.ए.
आचार्य = एम.ए.
18. केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली पत्र संख्या-एफ. 36/ओईन 31/संस्कृत/22721 दिनांक 23.12.74
प्रथमा = मिडिल स्कूल तथा बोर्ड से सम्बद्ध
विद्यालयों में नवीं कक्षा में प्रवेश हेतु।
19. केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेन्द्रम पत्र सं० सी-3/720/76 जिला त्रिवेन्द्रम दिनांक 22.3.76, एसी. सी
3/1600/77 दिनांक 3.1.81
शास्त्री = बी.ए.
आचार्य = एम.ए.
विद्यावारिधि = पी-एच.डी.
वाचस्पति = डी.लिट्

20. विश्वभारती सं० जी-4-43 दिनांक 23.4.76
- | | | |
|--------------|---|-----------|
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| आचार्य | = | एम.ए. |
| विद्यावारिधि | = | पी-एच.डी. |
| वाचस्पति | = | डी.लिट् |
21. भारतीय विश्वविद्यालय संघ पत्र सं० ईवी II /227/76/32765 दिनांक 7.2.76
नई दिल्ली
- | | | |
|----------|---|-------|
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| आचार्य | = | एम.ए. |
22. हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला पत्र सं० 3-8/74-एच पी यू (शैक्षिक) दिनांक 2.7.77, 3-27/79
दिनांक 4.7.80
- | | | |
|-----------------|---|-----------|
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| शिक्षा-शास्त्री | = | बी.एड. |
| आचार्य | = | एम.ए. |
| विद्यावारिधि | = | पी-एच.डी. |
| वाचस्पति | = | डी.लिट् |
23. दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली पत्र सं०-1/मान्यता/डी/84 दिनांक 14.11.84
- | | | |
|----------|---|--|
| शास्त्री | = | बी.ए. पासकोर्स
(एम.ए. संस्कृत में प्रवेश के प्रयोजन से) |
| आचार्य | = | एम.ए. |
24. संभलपुर विश्वविद्यालय, संभलपुर पत्र सं० 11727/शैक्षिक-दिनांक 4.5.79, 6824/शैक्षिक दिनांक 27.9.85
- | | | |
|----------|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए.
(एम.ए. संस्कृत में प्रवेश के प्रयोजन से) |
| आचार्य | = | एम.ए. |
25. श्री कामेश्वर सिंह दरभंगा विश्वविद्यालय पत्र संख्या-9356/74 दिनांक 4.10.74
- | | | |
|----------|---|----------|
| मध्यमा | = | मध्यमा |
| शास्त्री | = | शास्त्री |
| आचार्य | = | आचार्य |

- | | | | |
|--|----------------|---|-----------------|
| | शिक्षाशास्त्री | = | शिक्षाशास्त्री |
| | विद्यावारिधि | = | विद्यावारिधि |
| | वाचस्पति | = | विद्या वाचस्पति |
26. कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ पत्र सं०-मान्यता/के-108/शैक्षिक/1504 दिनांक 12.7.79
- | | | | |
|--|----------|---|-------|
| | शास्त्री | = | बी.ए. |
| | आचार्य | = | एम.ए. |
27. गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर पत्र सं० सामान्य/मान्यता/3920 दिनांक 22.4.1980
- | | | | |
|--|----------|---|-------|
| | शास्त्री | = | बी.ए. |
| | आचार्य | = | एम.ए. |
28. मद्रास विश्वविद्यालय पत्र सं० सी आर-III/मान्यता/1925 दिनांक 17.3.1980
- | | | | |
|--|----------|---|-------|
| | शास्त्री | = | बी.ए. |
| | आचार्य | = | एम.ए. |
- (यदि पाठ्यक्रम में अंग्रेजी एक विषय के रूप में हो)
29. पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ पत्र सं० एस-16981 दिनांक 28.11.1980
- | | | | |
|--|----------|---|----------|
| | प्रथमा | = | प्राज्ञ |
| | मध्यमा | = | विशारद |
| | शास्त्री | = | शास्त्री |
| | आचार्य | = | आचार्य |
30. श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय पत्र सं० 5163/84/एस.जे.एस.बी. दिनांक 10.8.84
- | | | | |
|--|--------------|---|--------------|
| | प्रथमा | = | प्रथमा |
| | पूर्वमध्यमा | = | मध्यमा |
| | उत्तरमध्यमा | = | उपशास्त्री |
| | शास्त्री | = | शास्त्री |
| | आचार्य | = | आचार्य |
| | विद्यावारिधि | = | विद्यावारिधि |
| | वाचस्पति | = | वाचस्पति |

31. बरहमपुर विश्वविद्यालय/भंज विहार, बरहमपुर, जिला-गंजाम उड़ीसा पत्र सं० 5131/शैक्षिक-II/बी यू/84 दिनांक 16.4.84
- | | | |
|----------|---|-----------------|
| शास्त्री | = | बी.ए. (पास) |
| आचार्य | = | एम.ए. (संस्कृत) |
32. उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर (उड़ीसा) पत्र सं० ए सी/आर एम/171ए/16292 दिनांक 31.3.84, ए सी/मान्यता/सामान्य/ए-16178/84 दिनांक 29.3.84
- | | | |
|-----------------|---|-----------------|
| आचार्य | = | एम.ए. (संस्कृत) |
| शिक्षा-शास्त्री | = | बी.एड. |
33. त्रिभुवन विश्वविद्यालय मछली टेकू, काठमांडू, नेपाल पत्र सं० 372/04 दिनांक 19.9.84
- | | | |
|----------------|---|-------------|
| प्राक्शास्त्री | = | उत्तरमध्यमा |
| शास्त्री | = | शास्त्री |
34. संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी पत्र सं० जी-458/4019/74-85 दिनांक 28.5.85
- | | | |
|----------------------------|---|-----------------|
| प्रथमा | = | प्रथमा |
| पूर्वमध्यमा | = | पूर्वमध्यमा |
| प्राक्शास्त्री/उत्तरमध्यमा | = | उत्तरमध्यमा |
| शास्त्री | = | शास्त्री |
| आचार्य | = | आचार्य |
| शिक्षा-शास्त्री | = | शिक्षा-शास्त्री |
| शिक्षा-आचार्य | = | शिक्षा-आचार्य |
35. भोपाल विश्वविद्यालय, भोपाल पत्र सं० 1112/बी यू/शैक्षिक/85 दिनांक 15.3.85
- | | | |
|----------------|---|-----------|
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| आचार्य | = | एम.ए. |
| शिक्षाशास्त्री | = | बी.एड. |
| विद्यावारिधि | = | पी-एच.डी. |
| वाचस्पति | = | डी.लिट् |

36. संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी पत्र सं० शै०-1722/92 दिनांक 22.12.92
 आचार्य = आचार्य
 विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) = विद्यावारिधि (पी-एच.डी.)
 वाचस्पति (डी.लिट्) = वाचस्पति (डी.लिट्)
37. कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र पत्र सं०-ए सी एम/II/137/92/32489 दिनांक 28.12.92
 शास्त्री = बी.ए. (पास) टी डी सी
 (अंग्रेजी विषय के साथ) (10+1+3 योजना के अंतर्गत)
 परंतु विद्यार्थी को अंग्रेजी विषय के साथ
 उत्तीर्ण होना चाहिए।
 शास्त्री = शास्त्री
 आचार्य = एम.ए.
 (यदि विद्यार्थी ने अंग्रेजी विषय के साथ बी.ए. उत्तीर्ण किया हो)
38. मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार/शिक्षा नई दिल्ली का पत्र सं० एफ-7-2/83-संस्कृत-2
 दिनांक 31 दिसम्बर, 1992
 शिक्षा आचार्य = एम.एड.
39. मणिपुर विश्वविद्यालय कांचीपुर-इम्फाल नोटिस दिनांक 3 जनवरी, 1992
 शास्त्री (अंग्रेजी सहित) = बी.ए.
40. अजमेर विश्वविद्यालय पत्र सं० एफ 14 (193) शैक्षिक-II/यू ओ ए/92/3400/3506
 दिनांक 6 फरवरी, 1992
 शिक्षाशास्त्री = बी.एड.
41. नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर द्रष्टव्य सं० परीक्षा/मान्यता/ए/3667 दिनांक 1.4.78
 शास्त्री = बी.ए. (एम.ए. भाग I में प्रवेश के प्रयोजन से)
42. उदयपुर विश्वविद्यालय, उदयपुर द्रष्टव्य सं० ई/3013 दिनांक 13.5.75
 शास्त्री = बी.ए. (यदि बी.ए. स्तर का अंग्रेजी विषय उत्तीर्ण हो)
 आचार्य = एम.ए. (यदि बी.ए. स्तर का अंग्रेजी विषय उत्तीर्ण हो)
43. ओस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्रष्टव्य सं० 1866/1-942/II/शैक्षिक दिनांक 20.4.73
 शास्त्री = बी.ए.
 आचार्य = एम.ए.
 विद्यावारिधि = पी-एच.डी.

44. महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक द्रष्टव्य सं० ए सी-III/आर./ 81/2472 दिनांक 2.3.81
शास्त्री और आचार्य - उपलब्ध उच्चतर पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु।
45. सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकण्डरी एजुकेशन, नई दिल्ली द्रष्टव्य डी. ओ. सं० 80628 दिनांक 27.5.88
प्रथमा = मिडल
पूर्व मध्यमा द्वितीय वर्ष = हाई स्कूल/सेकण्डरी
उत्तर मध्यमा/प्राक्शास्त्री II = इंटरमीडिएट/सीनियर सेकण्डरी
46. हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी - द्रष्टव्य सं० ए.पी.बी./10000/472/प्रकाश/25-9-03
दिनांक 19.5.05
पूर्व मध्यमा = मैट्रिक
उत्तर मध्यमा = सीनियर सेकण्डरी

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय में कार्यरत स्टाफ की अनुभाग-वार संख्या

1.	शैक्षिक अनुभाग		
	I	शोध सहायक	1
	II	वरिष्ठ आशुलिपिक	1
	III	अवर श्रेणी लिपिक	1
	IV	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	1
2.	शोध व प्रकाशन अनुभाग		
	I	शोध सहायक	2
	II	सहायक	1
	III	प्रवर श्रेणी लिपिक	1
	IV	अवर श्रेणी लिपिक	3
	V	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	1
3.	पत्राचार पाठ्यक्रम व अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण अनुभाग		
	I	शोध सहायक	2
	II	अनुभाग अधिकारी	1
	III	अनुदेशक	1
	IV	अवर श्रेणी लिपिक	2
	V	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	3
4.	परीक्षा अनुभाग		
	I	सहायक निदेशक (परीक्षा)	1
	II	शोध सहायक	1
	III	अनुभाग अधिकारी	1
	IV	सहायक	3
	V	अनुदेशक	1
	VI	वरिष्ठ आशुलिपिक	1
	VII	अवर श्रेणी लिपिक	3
	VIII	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	2

5.	प्रशासन अनुभाग		
	I	अनुभाग अधिकारी	1
	II	सहायक	1
	III	वरिष्ठ आशुलिपिक	1
	IV	प्रवर श्रेणी लिपिक	2
	V	अवर श्रेणी लिपिक	7
	VI	गेस्टेटरनर आपरेटर	1
	VII	स्टाफ कार चालक	2
	VIII	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी/चौकीदार	10
6.	वित्त अनुभाग		
	I	अनुभाग अधिकारी	1
	II	सहायक	2
	III	प्रवर श्रेणी लिपिक/खजांची	1
	IV	अवर श्रेणी लिपिक	2
	V	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	1
7.	योजना अनुभाग		
	I	अनुभाग अधिकारी	1
	II	सहायक	1
	III	प्रवर श्रेणी लिपिक	3
	IV	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	1
8.	पुस्तकालय		
	I	पुस्तकालय सहायक	1
	II	सहायक	1
	III	अवर श्रेणी लिपिक	1
	IV	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	2
9.	आदर्श पाठशाला योजना		
	I	अनुभाग अधिकारी	1
	II	अवर श्रेणी लिपिक	2

